गला दबाकर 6 साल के बच्चे की हत्या

● ओम प्रकाश/ब्रजेश कुमार मिश्रा

रातू थाना क्षेत्र के नवासोसो गांव में छह साल के बच्चे हिमांशु उर्फ गोलू की गला दबाकर हत्या कर दी गई। बच्चे का शव घर से एक किलोमीटर दूर तालाब में मिला। बच्चा शुक्रवार से लापता था। बच्चे की मां का आरोप है कि उसके पड़ोसी ने ही बच्चे की हत्या कर शव को तालाब में फेंक दिया होगा। इस मामले पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। बच्चे की मां सुनीता देवी के अनुसार शुक्रवार दोपहर एक बजे वह बच्चे को घर में छोड़कर पड़ोस में चली गई थी। उनके पति संजय झा ऑटो चलाने गए थे। बच्चे घर पर खेल रहे थे। करीब तीन बजे जब वह घर पर लौटी तो हिमांशु घर पर नहीं था। काफी तलाश करने पर भी जब बच्चा नहीं मिला तो वह अपने पति के साथ थाना पहुंची और बच्चे की गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया। फिर पुलिस बच्चे की तलाश में जुट गई। शनिवार की सुबह कुछ ग्रामीणों ने नवासोसो तालाब में एक बच्चे का शव देखा। जानकारी मिलते ही महिला के पति संजय वहां पहुंचे तो देखा कि हिमांशु मृत अवस्था में पानी में पड़ा हुआ था। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज

दिया। हिमांशु पास के एक सरकारी स्कूल में पहली कक्षा का छात्र था। अपने बच्चे को मृत देख परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया।

बच्चे की मां सुनीता देवी ने बताया की पड़ोस में रहने वाला मनोज राय और उसकी पत्नी मुझ पर डायन होने का आरोप लगाते थे गाली गलौज करते हुए अंजाम भुगतने की धमकी देते थे दो दिन पहले भी मनोज की पत्नी ने झगड़ा किया था और कहा था कि इस बार तुम्हारी बारी है, अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहना। सुनीता ने कहा करीब दो साल पहले मनोज की बेटी की किसी बीमारी में मौत हो गई थी। इसके कुछ दिन बाद ही वे लोग मुझे डायन बताने लगे कहते थे कि तुमने ही मेरी बेटी को खाया है, हम बदला लेकर रहेंगे ।मनोज और उसकी पत्नी का रवैया देखकर गांव के कुछ लोगों ने मुझे पुलिस से शिकायत करने की सलाह दी लेकिन मैंने इसे गंभीरता से नहीं लिया, मुझे क्या पता था कि वह इतनी बड़ी घटना को अंजाम देगा ।लेकिन उसने जो धमकी दी थी उसे उसने पूरा करके दिखाया। बच्चे की मां द्वारा मनोज राय पर हत्या किए जाने का आरोप लगाने के बाद पुलिस उसकी तलाश में जुट गई। जब पुलिस मनोज के घर पहुंची तो वह वहां नहीं मिला घर में कुछ महिलाएं थी उन्होंने पुलिस को बताया कि मनोज सरस्वती पूजा के समय ही बिहार स्थित अपने घर गया हुआ है। इसके बाद पुलिस कुछ और पूछताछ करने के बाद वापस लौट गई। अब पुलिस या जानकारी जुटा रही है कि मनोज कब से घर से बाहर है और कहां है अन्य बिंदुओं पर भी जांच चल रही है। पीड़ित परिवार मूल रूप से बिहार के शेखपुरा जिले के बरबोधा गांव के रहने वाले है। हिमांशु के पिता संजय झा कई सालों से यहां अपने परिवार के साथ रह रहे हैं। वह ऑटो चला कर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं।संजय झा के हिमांशु के अलावा तीन बेटियां और एक बेटा है। हिमांशु पांच भाई-बहनों में सबसे छोटा था। जो अब इस दुनिया में नहीं रहा। ●

पुलिस ने दो साइबर अपराधी को किया गिरफ्तार

● ओम प्रकाश/ब्रजेश कुमार मिश्रा

राची पुलिस ने सोनारायठाढ़ी एवं सारठ थाना क्षेत्र में छापेमारी की। इस क्रम में दो साइबर अपराधियों मौसिफ अंसारी और दिलबर अंसारी को गिरफ्तार किया है। मौसिफ सोनारायठाढ़ी थाना के महापुर गांव और दिलबर सारठ थाना क्षेत्र के कपसा गांव के रहने वाले हैं। इनके पास से दो मोबाइल, एसबीआई का दो पासबुक, दो एटीएम कार्ड और 60 हजार रुपये बरामद किए गए हैं। सिटी एसपी सौरभ ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि डोरंडा थाना क्षेत्र में वीरेंद्र कुमार राम के मोबाइल पर मोबाइल से फोन कर अपने को बैंक का मैनेजर बताते हुए ब्याज की रकम आने की बात कही गयी थी। इसके बाद विरेंद्र राम के बच्चे ने बात किया। साइबर अपराधियों ने मोबाइल इस्तेमाल कर रहे हैं, उसके बच्चे को मैसेज भेज कर स्क्रीन शोविंग ऐप टीम व्यूअर डाउनलोड

कराया। उसके बाद गूगल पर ऐप से 3 बार में 78 हजार 873 रुपया अपने पेटीएम खाता में ट्रांसफर करा कर ठगी कर लिया गया था। इस संबंध में तीन फरवरी को डोरंडा थाने में ठगी का मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर सेल के सहयोग से संदिग्ध मोबाइल का लोकेशन सोनारायठाढ़ी थाना के महापुर गांव और सारठ थाना क्षेत्र के कपसा गांव का मिला। इसी आधार पर रांची डेली मार्केट थाने के इंस्पेक्टर राजेश सिन्हा के नेतृत्व में छापेमारी टीम देवघर पहुंची। वहां देवघर पुलिस के सहयोग से छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। सिटी एसपी में लोगों को साइबर अपराधियों से सतर्क रहने के कई टिप्स भी बताएं और लोगों को हमेशा सतर्कता बरतने की भी अपील की। छापेमारी टीम में डीएसपी साइबर सेल यशोधरा, डीएसपी देवघर साइबर सेल नेहा बाला, राजेश कुमार सिन्हा, संदीप कुमार, अनिल कुमार, अभय कुमार और सशस्त्र बल शामिल थे।●

करोड़ों रुपये का चिटफंड आरोपी प्रबंधक गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

एक करोड़ की ठगी करने के मामले में गिरफ्तार आरोपी एचइसी का सेवानिवृत कर्मी है। आरोपी कपिलदेव सिन्हा ने लगभग 200 लोगों से किया था ठगी। दो अन्य आरोपी में एक लखनऊ व दूसरा बक्सर के निवासी है। रांची सुखदेवनगर पुलिस ने रुपया दोगुना, तिगुना करने के नाम पर 200 से अधिक लोगों से लगभग एक करोड़ की ठगी सात सालों में की है। इस संबंध में बुढ़मू निवासी एक महिला एजेंट ने सुखदेवनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी थी, जिसके आधार पर सुखदेवनगर पुलिस ने एक आरोपी कपिल देव सिन्हा को गिरफ्तार किया है। वह सेक्टर दो के निवासी हैंऔर एचइसी के सेवानिवृत कर्मी है। हरमू रोड के किशोरगंज में जे के भी मल्टी स्टेट क्रेडिट कॉपरेटिव सोसाइटी खोला गया था, उसके बाद उसका नाम बदल कर जेकेभी बचत स्वावलंबी समिति कर दिया था। कंपनी के मुख्य संचालक लखनऊ निवासी गणेश पाठक व बक्सर निवासी विनोद सिंह है। यह दोनों फरार हैं। सुखदेवनगर पुलिस की एक टीम उन्हें गिरफ्तार करने के लिए लखनऊ और बक्सर निकल चुकी है। यह जानकारी कोतवाली डीएसपी अजीत कुमार विमल ने सुखदेवनगर थाना में पत्रकारों को दी। इस दौरान सुखदेवनगर थाना प्रभारी संजय कुमार भी उपस्थित थे।

☞ **क्या है मामला :-** बुढमू निवासी एक महिला एजेंट ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। उन्होंने बताया है कि वर्ष 2012 में जे के भी मल्टी स्टेट क्रेडिट कॉपरेटिव सोसाइटी नाम का ऑफिस किशोरगंज में खोला गया था। उसमे एजेंट की आवश्यकता के संबंध में उन्हें जानकारी मिली। वह ऑफिस पहुंची तो उन्हें बताया गया कि दो साल में लोगों से लिये गए रुपये दोगुना किये जाएंगे। इसके लिए वह ग्राहकों को समझाकर रुपये जमा कराये। इसके बाद वह बुढमू के मजदूर किस्म के लोगों से कंपनी की स्कीम बता कर रुपये लेकर जमा करने लगी। विश्वास जमाने के लिए दो साल के बाद कुछ मजदूरों को उनके रुपये दुगुने करके दे दिये गये। इससे लोगों को विश्वास हो गया कि कंपनी कम समय में रुपये दोगुना और तिगुणा कर रही है। उसके बाद महिला एजेंट के पास कई मजदूर किस्म के लोग तथा छोटे दुकानदार अपनी गाढ़ी कमाई जमा करने आने लगे। बाद में जेकेभी मल्टी स्टेट क्रेडिट कॉपरेटिव सोसाइटी का नाम बदल कर जेकेभी स्वावलंबी समिति कर दिया गया। इसमें उस महिला एजेंट के साथ कई एजेंट भी जुड़ गए और काम करने लगे थे। सभी ने मिलकर दो सो से अधिक लोगों से लगभग एक करोड़ रुपये कंपनी में जमा करवा दिए। वर्ष 2018 में कंपनी बंद कर दिया गया और संचालक का फोन भी बंद हो गया। रांची में कंपनी के संचालक कपिलदेव सिन्हा ने अपना मोबाइल नंबर भी चेंज कर दिया, जिसके बाद सभी एजेंटों से उसका संपर्क टूट गया। बुढ़मू निवासी महिला एजेंट को उसके ग्राहक परेशान करने लगे। परेशान होकर वह सुखदेवनगर थाना

संजय कुमार
सुखदेव थाना प्रभारी

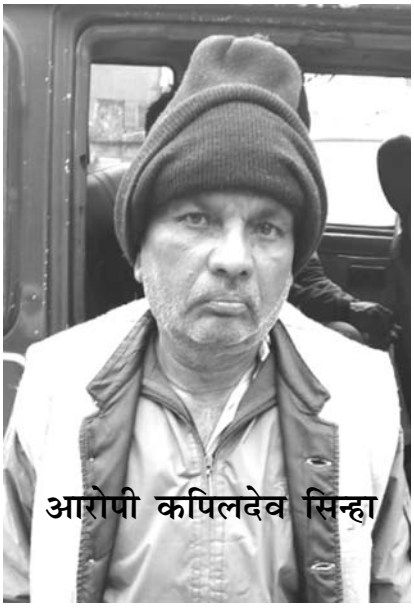

आरोपी कपिलदेव सिन्हा

पहुंची। सुखदेवनगर पुलिस ने कंपनी के संचालक कपिलदेव सिन्हा से संपर्क का प्रयास किया लेकिन उससे संपर्क नहीं हुआ। बाद में मार्च 2019 में महिला एजेंट के बयान पर सुखदेवनगर थाना में ठगी की प्राथमिकी दर्ज करायी गई। पुलिस ने आरोपी कपिलदेव सिन्हा के सेक्टर दो स्थित आवास में कई बार छापेमारी की पर वह घर में नहीं मिला। पुलिस ने घर वालों से उसका मोबाइल नंबर लिया। उस मोबाइल नंबर पर पुलिस की कई बार बात हुई। बात होने पर आरोपी थाना में सरेंडर करने की बात करता था। हर दो महीना के बाद वह मोबाइल नंबर चेंज कर लेता था। सोमवार की रात पुलिस ने अचानक उसके घर में छापामारी की और उसे गिरफ्तार कर लिया। कड़ाई से पूछताछ करने के बाद आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया उसके बाद, आरोपित को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। सुखदेव नगर थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि कंपनी रुपये डबल करने का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी कर चुकी है। प्रबंधक को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जायेगी।●

आक्रोश में हुई अंकुश की हत्या

● ओम प्रकाश/ब्रजेश कुमार मिश्रा

सुखदेवनगर के बिड़ला मैदान में हुई अंकुश शर्मा हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन नाबालिग को पकड़ा है। पकड़े गए तीनों नाबालिक को पुलिस ने बाल सुधार गृह भेज दिया है। उक्त जानकारी सिटी एसपी सौरभ ने प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि हत्या एक नाबालिग की बहन के साथ छेड़खानी की वजह से की गई है। घटना की लाइव सीसीटीवी फुटेज सामने भी आई है। जिसके आधार पर पुलिस ने तीन नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। हत्या बेल्ट, लाठी और डंडा से की गई है और कार्टून में बांधे हुए रस्सी का उपयोग उसके पैर और हाथ को बांधने के लिए किया गया था। सीसीटीवी फुटेज में अंकुश शर्मा के हत्यारे उंसके साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे है। देर रात चार से पांच अपराधियों ने मिलकर अंकुश शर्मा की हत्या कर दी। सीसीटीवी फुटेज में देखा गया है कि कुछ लोग अंकुश शर्मा को मारते पीटते बिरला मैदान की तरफ ले जा रहे हैं। अंधेरे में यह भी दिख रहा है कि लात मुक्कों से मारने के बाद पत्थरों से अंकुश शर्मा को मारा जा रहा है। जिस समय अंकुश शर्मा को मारा जा रहा था , उस दौरान वहां से पीसीआर वैन की पुलिस भी

गुजरी थी। लेकिन पुलिस को भनक तक नही लगी। अंकुर शर्मा की हत्या करने के बाद अपराधियों ने उसके शव रेत से ढक दिया था। मंगलवार की शाम अंकुश का शव बरामद किया गया था।

☞ **हाथ-पैर बांध कर शव को छुपाया था मैदान में :-** बिरला मैदान के पास स्थित डंपयार्ड में शव होने की सूचना के बाद पुलिस जब मौके पर पहुंची तो पता चला की हत्या करने के बाद शव को रेत से ढंक दिया गया है। जब शव को रेत से बाहर निकाला गया तो मृतक के हाथ और पैर रस्सी से बंध मिले और सर पत्थर से कुचला हुआ था।

☞ **वहां के मैदान में क्रिकेट खेलने वाले बच्चों ने देखा था शव :-** बिड़ला मैदान में क्रिकेट खेलने वाले बच्चों ने शव देखा था। जब गेंद शव की ओर गई तो एक बच्चा गेंद लाने वहां पहुंचा। इसके बाद उसकी नजर आसपास फैले खून के छींटे पर पड़ी, फिर उसने देखा कि पास में ही कुछ कपड़े बिखरे पड़े हैं। बच्चे ने जब कपड़ा हटाया तो युवक का शव ढंका दिखा। इसके बाद वह शोर मचाते हुए वहां से भागा और घटना की जानकारी अपने साथियों को दी जिससे आसपास के लोगों में सनसनी फैल गई। इसके बाद शव की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुची और शव को कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त की गई। ●

लूटपाट के अभियुक्त चढ़े पुलिस के हत्थे

● ओम प्रकाश

राँची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र के फतेहउल्लाह रोड पर स्थित प्रिंस सेल्स एजेंसी नाम के जूते की दुकान को अपराधियों ने 28 जनवरी मंगलवार की सुबह दिनदहाड़े लूटने का प्रयास किया। दुकान के संचालक रविंद्र सिंह उर्फ सीटू किशन सिंह ने जैसे ही दुकान का शटर खोला, वैसे ही उनके पीछे दो अपराध कर्मी हथियार लेकर दुकान के अंदर घुस गए और शटर को अंदर से बंद कर लिया। फिर रविंद्र सिंह से जबरन दो लाख रुपए की मांग करने लगे। उसी दौरान दुकान के काउंटर में रखे पैसे और रविंद्र सिंह की जेब मे जितने भी पैसे थे वे सब उन्होंने लूट लिए। इसका विरोध करने पर दुकान के मालिक के साथ बेरहमी से मारपीट की गई एवं पिस्टल के बट से उनके सर पर वार किया गया, जिनसे वे बुरी तरह घायल हो गए। उसके बाद अपराधी गाली गलौज एवं फायरिंग करते हुए वहां से भागने लगे। इसी बीच हो हल्ला देख स्थानीय लोगों द्वारा उनका पीछा भी किया गया। पब्लिक की भीड़ को अपने पीछे आता देख

अपराधियों ने फिर हवाई फायरिंग की और फरार होने में सफल हो गए। घटना की सूचना के बाद वरीय पुलिस पदाधिकारी महोदय के दिशा निर्देशानुसार अविलंब एक टीम गठित कर छापामारी की गई, जिसके बाद कड़ी मेहनत कर महज आठ घंटों में ही दोनों अपराधियों को धर दबोचा गया। कड़ाई से पूछताछ के बाद इन लोगों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।तलाशी के दौरान उनके पास से दो पिस्तौल और कुल लगभग चार हजार पंद्रह सौ रुपये, दो मोबाइल फोन और लूट के समय उन अपराधियों ने जो कपड़ा पहना था, जो उन्होंने पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए अपने पहने हुए कपड़ों को कहीं छिपा दिया था और दूसरे कपड़े पहन लिए थे, बाद में उसे भी पुलिस ने बरामद कर लिया। थाना प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति में से एक पूर्व में उस दुकान में काम करता था। गिरफ्तार अपराधियों में मनीष कुमार उर्फ बिट्टू जो कि कुम्हार टोली का रहने वाला है। जबकि दूसरा कुर्बान खान उर्फ मोनू पथलकुदवा आजाद बस्ती का रहने वाला है। गिरफ्तार कुर्बान खान उर्फ मोनू का पूर्व में अपराधिक इतिहास रहा है 2017 में वह जेल भी जा चुका है। ●

भारत को कहां ले जा रही है जनता

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

आंकड़ों के मुताबिक भारत की जनता सैकड़ों अपराधियों को चुनकर संसद में भेज चुकी है तथा इन दिनों संसद में अपराधियों की संख्या निरंतर बढ़ती ही जा रही है। दर्जनों सांसद हत्या तथा अपहरण के आरोपी है। एक उदाहरण काफी है कि यदि एक हजार की आबादी वाले गाँवों में सिर्फ 10 अपराधी बगैर हथियार के भी पहुँच जाता है तो समूचे गाँव की जुबान में ताला लग जाता है। संसद में भेजने वाली जनता को स्वयं सोचना चाहिए की अपराधी के सामने क्या स्थिति होगी जब 540 सांसद में संकड़ों अपराधी रहे तो । जनता को सोचना होगा कि संसद देश के भविष्य की निर्माता होती है न कि अपराधीयों का जमावड़ा। जिस स्वाभिमानी पुलिस ने अपराधी को जेलों तक पहुँचाया है वैसे अपराधी को जनता ने सांसद का ताज पहना दिया। वैसे सांसद को भी ईमानदार पुलिस को सलामी देने के समय क्या स्थिति होती होगी। सांसद एवं विधायक को जीत का माला पहनाने वाली जनता से सवाल किया जाए कि यदि आप के यहाँ चोरी, डकैतकी या महिला से इज्जत लूटने वाले अपराधी को रंगे हाथ पकड़ा जाए तथा मार-पीट एवं घसीटते हुए पुलिस के हवाले कर दे तथा फिर उसी अपराधी को आपको सलामी करने की स्थिति आ जाए तो उस समय आपकी क्या स्थिति हो। जनता क्यों अपराधी एवं भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों से सलामी दिलवाना चाह रही है।

भारत के इतिहास की ताजा और शर्मनाक घटना की याद दिला रहा हूँ कि पंजाब के मुख्यमंत्री बेअंत सिंह का हत्यारा बलवंत सिंह को 31 मार्च 2012 को फांसी का समय निर्धारित था तथा बलवंत सिंह क्षमा याचना भी नहीं माँगा था इसके बावजूद शायद अपराधी के भय से समूचे देश में सांसद और विधायक मन्दिर की मूर्ति की तरह खामोश थे बल्कि पंजाब की अधिकांश जनप्रतिनिधि कानून की धज्जियां उड़ाते हुए फांसी होने से रोक दिया ऐसी स्थिति में देश के स्वाभिमानी लोगों की क्या स्थिति हो रही होगी यह समझ से परे हैं। सांसद और विधायक अपनी मन मर्जी से कानून बनाकर वेतन और सुविधाएँ बढ़ाकर मजा लूट रहे हैं तथा गलत-सलत कानून निर्माण कर जनता में मतभेद पैदा कर रही है जैसे हरिजन एक्ट बनाकर न्यायालय का अधि कार भी छीन लिया गया कि निर्दोष लोगों को भी अग्रिम जमानत नहीं दे सकता है। जनता जिस तरह संसद में अपराधियों की संख्या बढ़ाती जा रही है। यदि अपराधी का बहुमत हो जाए तथा अपने भविष्य के लिए कानून निर्माण कर ले कि सांसद और विधायक के विरूद्ध किसी तरह का मुकदमा नहीं चलेगा तथा सांसद और विधायक की अनुशंसा पर हत्या जैसी मुकदमा समाप्त कर दिया जायेगा एवं प्रत्येक सांसद एवं विधायक को सुन्दर युवती रखने एवं बदलते रहने का अधिकार होगा तथा अपराधी को पत्नी एवं पुत्र-पुत्री को जेल में साथ रहने की छूट तथा दिन में बाहर घूमने की छूट का कानून बना ले तो उस समय देश की स्थिति क्या होगी? यदि इसी तरह भारत की जनता अपराधियों को चुनकर संसद में भेजती रही तो वह दिन दूर नहीं जब ईमानदार लोग वहाँ भी डर के मारे चुपचाप बैठे रहेंगे और ये अपराध ी लोकतंत्र की ताबूत में कील ठोकते रहेंगे। सुविधा भोगी अपराधियों को और सांसदों से भारत की जनता को सावधान रहने की जरूरत है। किसी भी स्थिति में अपराधियों से भारत की जनता को सावधान रहने की जरूरत है। किसी भी स्थिति में अपराधियों-भ्रष्टाचारियों को संसद तक पहुँचने से रोकना आवश्यक है। मुंबई के 26/11आतंकवादी हमले के मोस्ट वांटेड और लश्करे तोएबा प्रमुख हाफिस सईद के पकड़वाने वाला को 51 करोड़ ईनाम देने के लिए अमेरिका ने घोषणा की है और भारत के जनता द्वारा भेजे गये सांसद खामोश थे भले ही तत्कालीन विदेश मंत्री ने सिर्फ स्वागत किया है। आज वहीं काँग्रेस का शासन है जिसके बारे में महात्मा गांधी ने 1939 ई0 में मंत्रियों के आचरण से दुखी होकर कहा था कि भ्रष्टाचार से समझौता करने की जगह पूरी कांगेस को दफन करने के लिए मैं किसी भी हद तक जाऊँगा।

हमारे देश में आईपीएस तीन तरह की सोच वाले होते हैं। पहला वैसे लोग होते हैं जिन्हें सोंच रहती कि मुझे अपराध रोकना है कानून के अनुसार छोटे हो या बड़े सभी को कानून की बेड़ियाँ पहनाना है। दूसरा होता है कि नियम और कानून की किताब खोलते हैं तथा खामियाँ निकालकर बड़े अपराधी को कानून से बचा लेने का प्रयास करते हैं तथा वैसे ही लोग मुठभेड़ में मारे जाने के बाद जाबांजी का ताज पहनते हैं। देश में शहीद होने वाले जाबांज की शायद ही उदाहरण मिलेगा कि कानून से खिलवाड़ करने वाला विधायक/सांसद तथा बड़े लोगों को कानून की विदियां पहनाया होगा। जाबांज पुलिस अधिकारी को तो तबादलों का पुरस्कार मिलता रहता है। भारत की पहली महिला आईपीएस किरण बेदी थी तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की बे साईड खड़ी कार को जप्त कर लिया था, आपके सामने पटना का एसपी किशोर कुणाल का हश्र सभी लोग जानते हैं। कुछ ही दिन पहले पटना में शिवदीप लांडे के बारे में सभी लोग जानते हैं कि अपने विवके पर जाबांज बने हुए थे। भले ही बिहार सरकार ने शिवदीप

लांडे को स्मगलरों के बीच में झोंक दिया, जैसे प्रह्लाद को हिरण्यकष्यप ने क्या दुर्दशा किया जो सबों को मालूम है। तीसरा होता है जो अनैतिक कार्य कर तथा सता का दुरूप्योग कर अपने सात पूस्तों के लिए धन बटोरने में पीछे नहीं रहते हैं। तीसरे तरह के अधिकारियों की संख्या बढ़ती जा रही है। जिसके कारण आमजनता को न्याय नहीं मिलती है तथा अपराध में बेतहासा बढ़ोतरी होती जा रही है, निर्दोष जेल में रहते हैं। तथा अपराधी सीना तान कर मैदान में घूमता रहता है। आज के नेता देश को रसातल में भेजने पर तुले हैं। ऐसी स्थिति में जनता को जागरूक रहकर वैसे लोगों को राजनीति में जाने से रोकना होगा जिनकी छवि समाज में किसी भी तरह से अनुकरणीय नहीं है। ●

गैंग रेप जैसे दुष्कर्म को रोकने के लिए

सात्विक भोजन की आवश्यकता

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

गैंग रेप, दुष्कर्म, छेड़खानी की बहस पूरे देश में छिड़ी हुई है। जिस में वैसे लोगों की संख्या ज्यादा है जो सता एवं पैसे के बल पर सुरा-सुन्दरी में डूबा रहता है। एक सामान्य उदाहरण से स्पष्ट करना चाहता हूँ कि एक हजार व्यद्रियों के बैठक में यदि प्रस्ताव रखा जाए कि शाकाहारी या मासाहारी में सिर्फ एक ही तरह के भोजन की व्यवस्था संभव है जो बहुमत होगा, उन्हीं के अनुसार भोजन की व्यवस्था की जायेगी, तब शायद 90 प्रतिशत से ज्यादा लोग मांस खाने वालों में हाथ उठायेंगे। उस समय शाकाहारी या मासाहारी सुझाव का निर्णय ही मान्य होना चाहिए। आज अधर्मी का बहुमत होता जा रहा है धार्मिक लोगों की संख्या कम है। आज शायद ही कोई भी मंत्री, सांसद, विधायक देश की रक्षा के लिए स्वयं या औलाद को फौज में भेजना चाहता है। जबकि रक्षा मंत्री फौज के परिवार या आजादी के लिए कुर्बान होने वाले का औलाद होना चाहिए था। कानून मंत्री वैसे लोगों को होना चाहिए था जिसका खानदान में हत्या हुआ है या जिस परिवार के महिलाओं से दुष्कर्म आदि हुआ है। बलात्कारी को सजा क्या होनी चाहिए ऐसी बहस में सिर्फ दुष्कर्म से पीड़ीत महिला, उसके परिवार या शाकाहारी, शराब के विरोध करने वाले महिला होनी चाहिए। आज बड़े-बड़े पद पर तथा शिक्षक दारोगा से लेकर डीजीपी पद पर शराबी, मांसाहारी, अधर्मी लोग भी पहुँच जाते है जहाँ से धर्म की रक्षा न्याय की रक्षा होना असंभव है। आज की जेल अपराधियों के लिए नहीं निर्माण किया था उस समय अपराध शायद ही होता था। जेल में सिर्फ आजादी के लिए लड़ने वाले क्रान्तिकारी लोग ही होते थे जो हँसते-हँसते फांसी के फंदे को गले में डाल लेते थे, जेलों में रहने वाले तथा फांसी के फंदे को गले में लगाने वाले अधिकांश लोग शाकाहारी थे तथा शराब के विरोधी थे। शाकाहारियों में सुभाष चन्द्र बोस, चन्द्रशेंखर आजाद, भगत सिंह, खुद्दी राम बोस, उद्यम सिंह, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभ भाई पटेल, राम मनोहर लोहिया, बाल गंगाधार तिलक, डा0 राजेन्द्र प्रसाद सिंह आदि है। आज भी राजनीति में है जैसे नरेन्द्र मोदी, लाल कृष्ण आडवाणी, उमा भारती, सुषमा स्वराज, मुरली मनोहर जोशी, गिरीराज सिंह, नीतिन गड़करी आदि, कड़क अधिकारी अधिकांश शाकाहारी है किरण बेदी, किशोर कुणाल, शिवदीप लांडे आदि विकास वैभव शराबी मांसाहारियों के बहुमत का ही चमत्कार है कि सांप्रदायिक जैसे शब्दों का जन्म हुआ है, मांसाहारी भोजन ही देश को अपराध की ओर धकेल रहा है, सड़के मौत की सड़क बन चुकी है। संसद पर हमला करने वाले के फांसी को रोकने के लिए मैदान में आ रहा है, कसाईखाना रोकने की जगह संख्या बढ़ाते जा रहा है, शराब बेचने वाले तथा पीने वाले भी गांधी के रास्ते पर चलने की वकालत कर रहे है, सारे मांसाहारी एवं शराबी गलत कार्य नहीं करते है परन्तु देश को बचाने, सुधारने, संवारने में आगे नहीं आ सकते। यहाँ पर एक उदाहरण देकर स्पष्ट कर देना चाहते है कि सारे मुसलमान आतंकवादी नहीं हैं परन्तु सारे आतंकवादी मुसलमान ही है।

अफजल गुरू के फांसी की सजा देने की मांग एक भी मुसलमान नहीं कर रहे हैं और न ही धर्मनिरपेक्षता के खोल पहने लोग, शराबी और मांसाहारी लोग एक ही स्वर से मांस की सुगन्ध और भगवान की आवाज सम्मिश्रण कर बाहर निकालते है, जो माता-पिता जन्म से लेकर पाल-पोसकर जवान करता है तथा प्राण छूटते ही माँ के बदल को स्पर्श करने में भी छूआ-छूत वाली बाते सामने आ जाती है तथा घर को पवित्र करने के लिए माता-पिता आदि को श्मशान घाट पर जलाना पडता है उसके बाद दूध मुही, दुष्कर्म, एकादशा, श्राद्ध कर्म से गुजरना पड़ता है, दूसरी ओर मांस श्मशान घाट (चूल्हे) पर जलता है तथा पेट के कब्र में दफना दी जाती है एवं घर को पवित्र करने के लिए दूधमुही, से लेकर श्राद्ध कर्म तर्क नहीं की जाती है। वैसे अपवित्र लोग भी धर्म के रास्ते पर चलने का नाटक करते है। आज माता-पिता की पिटाई हो रही है। जिसमें शत-प्रतिशत मांसाहारी अथवा शराबियों द्वारा ही की जा रही है। शाकाहारियों के सैद्धांतिक दूरी हो सकती है परन्तु हाथ नहीं उठ पायेगा। पति-पत्नी के बीच

मार-पीट, हत्या, बलात्कार, गैंग रेप, छेड़खानी, सड़क दुर्घटना, गबन-घोटाला की कतार सज गई है। इस तरह की घटनाओं को रोकने की जिम्मेवारी में अधिकांश मांसाहारी तथा शराबी ही है। दूध और अंडा दोनों में लड़ने की शक्ति पैदा करती है। दूध कुश्ती लड़ने की शक्ति पैदा करता है तथा अंडा सेक्स पैदा करती है जिसके कारण ही छेड़खानी, दुष्कर्म की सोच पैदा करती है तथा समाज-संस्कृति को त्याग कर लड़का-लड़की भागने की घटनाएँ बढ़ती जा रही है। आज इस तरह के कारण से माँ-पिता का प्रतिष्ठा धूमिल होती है तथा जेल भी जाना पड़ता है। आज शायद ही कोई पुलिस, विधायक, सांसद, मंत्री चाहता है कि अपराध न हो शायद आंतरिक सोच होता है कि अपराध हो परन्तु मेरा परिवार सुरक्षित रहे, जिसका सबसे गंभीर राज है कि हत्यारा को गिरफ्तार किया जाता है परन्तु जिस हथियार से घटना का अंजाम दिया गया है वह हथियार से दुबारा, तीसरा घटनाएँ करने के लिए छोड़ दिया जाता है यदि अपराध रोकने की सोच होती तो अपराधी से पूछ कर हथियार उत्पादन स्थल तक पहुँचा जा सकता है यदि ऐसा होता तो अपराध की संख्या शून्य की ओर बढ़ जाएगी। एक उदाहरण है पटनासिटी कोर्ट में एक मजिस्ट्रेट थे उनसे जब रिक्शाचालक के भाड़ा मांगा तो शराबी मजिस्ट्रेट ने गाली दिया उसके बाद रिक्साचालक एक पटका देकर चलता बना, यह है शराब का चमत्कार। आज ऐसे-ऐसे भी गुरू है जो मांस-मदिरा में डुगकी भी लगाते है ऐसे-ऐसे भी शिक्षक है जो अपने विद्यालय की छात्रा को भी ले भागता है, जबकि शिक्षक और छात्र की रिश्ता पिता और पुत्री की होती है। एक उदाहरण है कि मटुक चौधरी अपने ही छात्रा जूली को पत्नी बना लिया। अपराधी चाहे हत्या, बलात्कार, गवन-घोटाला आदि जो भी हो रहा इसे रोकने के लिए मांस, शराब के सेवन पर प्रतिबंध लगाना होगा तथा शिक्षा में गीता, वेद आदि एक विषय जोड़ना होगा, उसके बाद ही अपराध पर काबू पाया जा सकता है।

महिलाओं से दुष्कर्म को पुलिसकर्मी मनोरंजन की दृष्टि से देखते हैं दूसरी ओर एडवोकेट द्वारा सारी मर्यादा को लाँघ कर ऐसे-ऐसे प्रश्न पूछे जाते है कि जिसका जबाव अदालत में देना संभव नहीं है। ऐसी स्थिति में महिला जज के साथ महिला वकील होनी चाहिए। जिस महिला के साथ या अविवाहिता के साथ बलात्कार होती है उसे आजीवन घूट-घूट कर जिन्दगी बितानी पड़ती है। जिस तरह महिला की जिन्दगी बितती है उसी तरह आरोपित को भी ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि किसी भी महिला से दुष्कर्म के बारे में सपना में भी कोई नही सोचें। यदि अभियुक्त को दोनों आँखें फोड़ दी जाए या दोनों हाथ काट दिए जाए तो जीवन भर सजा का दर्द झेलता रहेगा। लेकिन ऐऐ कठोर कानून बहुमत से चुने लोगों द्वारा नहीं होगा। बल्कि भुक्त-भोगी मलिाओं के गहुमत तथा महिलाओं के संगठनों के सोच से कानून का निर्माण करना होगा। दुष्कर्म की सजा में ऐसे लोग बहस में न जाएँ जिसके परिवार के महिला के साथ दुष्कर्म नहीं हुआ है तथा ऐसे पुलिस अधिकारियों के हाथ में मुकदमा का जांच न मिले जो शराब पीता हो एवं राक्षसी भोजन करता हो। ●

बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन?

● **डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह**

बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? इस प्रश्न का जवाब अभी साफ नहीं झलक रहा है। भाजपा यदि नीतीश को मुख्यमंत्री बनाए रखना चाहेगी तो वैसी स्थिति में तेजस्वी और नीतीश आमने सामने होंगे। तेजस्वी के साथ मुस्लिम और यादव होगें। दोनों को मिलाकर लगभग-34 प्रतिशत वोट होगी। भाजपा के आसमानी नेताओं ने यदि सत्ता की वागडोर नीतीश के हाथों में छोड़ दिया तो आम नागरिकों को अपराधियों के आगे ढकेल देना होगा। जनता को सिर्फ दो चीज चाहिए सुरक्षा और विकास। सुरक्षा के नाम पर सुशासन का नारा और विकास के नाम पर भ्रष्टाचार का तोहफा। आज बिहार अपराधियों और भ्रष्टाचारियों के हवाले है। यदि आज वाली स्थिति बनी रही तो जनता को तीसरा विकल्प ढूँढ़ना होगा तथा भाजपा को नुकसान उठाना पड़ सकता है। अगला ताज तेजस्वी को मिल सकता है। चुनाव आते-आते भाजपा और जद्यू अलग-अलग हो जाता है तो भाजपा और महागठबंधन आमने-सामने होगी। नीतीश जी को भ्रम है कि मुस्लीम वोट मेरा है इसी लोभ में मुसलमानों को सुबिधाओं का कतार सजा दिया है। नीतीश यदि प्रत्येक गॉव, मुहल्ला में कब्रिस्तान, मस्जिद, मदरसा आदि भी खोले दें तथा सभी युवको को नौकरी तथा रोजगार भी उपलब्ध करा दें परन्तु मुस्लिमों को वोट नीतीश को नहीं मिल सकता है। बिहार में एनडीए को सत्ता में वापस लाने के लिए हरेक जिला में किशोर कुणाल, किरन वेदी, शिवदीप लॉण्डे, विकास वैभव जैसे लोगों को कमान तुरन्त सौंपना होगा तथा भ्रष्टाचार रोकने के लिए टीएन शेषण की तरह अधिकारी लाना होगा तथा कार्यकर्ता ठेकेदार नहीं ईमानदार, चरित्रमान, स्वाभिमानी होना चाहिए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो जनता तीसरा विकल्प चुनेगी और विकल्प भी खतरनाक होगी। आज की राजनीति ने जनता को ऐसी जगह पहुँचा दिया है कि भविष्य का रास्ता चारों तरफ अंधकार से भरा है। चारों तरफ भ्रष्टाचार और अपराधियों का तांडव मचा है। नीतीश कुमार दिल्ली में बिहार के विकास का ढ़िढोरा पीट रहे हैं। शराबबंदी के बाद शराब का धंधा ऐसा फल-फूल रहा है कि जैसे कुटिर उद्योग का रूप ग्रहण कर लिया है। शराबखोरी, भ्रष्टाचार, अपराध और लूट-पाट की घटनाओं की बाढ़ आ गई है। बिहार की वास्तविक स्थिति है। ऐसे में भाजपा ने नीतीश को चुनावी चेहरा बनाकर अपना कितना भला करेगी, विचारनीय मुद्दा है। ●

कांफ्रेंस मुंगेर में और जलजला जमुई में

जमुई में जलजला। अनंत सिंह के बाद इस बार नरेन्द्र सिंह हुए राजनीति के शिकार। मुंगेर एसपी लीपि सिंह ने निकाला गिरफ्तारी का वारंट। सरकार का विरोध करना नरेन्द्र के लिए पड़ सकता है भारी। ललन सिंह के फर्जी पीए से साठगांठ का लगा है आरोप। एक करोड़ रूपये में देवघर के एक जमीन का सुलह करवाने का है मामला। प्रेस कांफ्रेस मुंगेर में और जलजला जमुई में। जीहाँ कुछ ऐसा ही हुआ जब आरक्षी अधीक्षक मुंगेर लिपी सिंह ने छः माह पूर्व के एक ठगी के मामले में आरोपी के वयानों, साक्ष्यों और मोबाईल कॉल डिटेल के आधार पर जमुई के नरेन्द्र सिंह और उनके बेटे सुमित कुमार सिंह पर गिरफ्तारी का वारंट निकालने संबंधित एक प्रेस कांफेंस अपने ऑफिस में 26 जनवरी को किया था। 27 जनवरी को सूचना के बाद से मानो जमुई में जलजला आ गया। सोशल मीडिया से लेकर हर आम और खास में यह उत्सुक्ता थी कि क्या नरेन्द्र सिंह और सुमित की गिरफ्तारी संभव है? जमुई से **अजय कुमार** की रिर्पोट :-

गौरतलब है कि जमुई के नरेन्द्र सिंह वही नरेन्द्र सिंह हैं जो बिहार के कद्दावर और बड़े नेता माने जाते हैं। कई बार वे बिहार के मंत्री पद पर रह चुके हैं। राजपूत जाति से आते हैं और बिहार की राजनीति में मुखर विरोध करने वाले राजनेता माने जाते हैं। बिहार के करीब-करीब सभी क्षेत्रिय पार्टियों में रह चुके हैं या फिर अच्छी पकड़ वाले नेता माने जाते हैं। फिलहाल इन्हें कोई पार्टी रास नहीं आ रहा है। कभी ये राजद में थे। राजद से भी ये अलग हुए हैं। लोजपा के तो कभी ये प्रदेश अघ्यक्ष तक रह चुके थे तब लोजपा सत्ता की चावी अपने पास ले कर घुम रही थी और नरेन्द्र सिंह उस चावी (22 विधायक)को नीतिश कुमार तक पहुँचाने में महती भूमिका निभाया था। नीतिश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने में नरेन्द्र की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। आज लोजपा से इनका महासंग्राम चल रहा है। जीतनराम मांझी को मुख्यमंत्री

बनाये रखने के लिए इन्होंने हर फार्मूला अपनाया था पर उसमें सफल नहीं हो पाये थे। नरेन्द्र सिंह अंतिम समय तक जीतनराम मांझी के साथ डटे रहे और विकास पुरूष नीतिश कुमार से अदावत कर बैठे। जीतनराम मांझी के साथ हम पार्टी का गठन किया। बाद में फिर जदयू में आ गये। जमुई लोकसभा के विगत चुनाव में चिराग को हराने के लिए साम-दाम-दंड-भेद हर वह दाव इन्होंने आजमाया पर चिराग जमुई से जीत का डंका बजा कर न सिर्फ सांसद बने अपितु लोजपा के आज बादशाह बने हुए हैं। आज बिहार के करीब-करीब पार्टियों से इनका अदावत चल रहा है। अभी वे एक मोर्चा के संयोजक हैं पर अपने मोर्चा के बैनर तले कोई आंदोलन नहीं कर रहे हैं। नरेन्द्र सिंह का कद का अंदाजा जमुई में इसी बात से लगाया जा सकता है कि इनके पिता स्वतंत्रता संग्राम में अपनी महती भूमिका निभाया था। यही नहीं नरेन्द्र सिंह खुद समाजवादी आंदोलन के समय के नेता रहे हैं। उनका दो पुत्र जमुई से राजनीति कर रहे हैं जो एनडीए के प्रमुख दावेदार माने जाते हैं। नरेन्द्र सिंह अपने तीन पीढ़ी को जमुई के राजनीति में दिया है। उनके तीन पुत्र क्रमशः अभय सिंह, अजय प्रताप और सुमित

कुमार सिंह जमुई के विधायक रह चुके हैं। वर्तमान में अजय प्रताप भाजपा और सुमित कुमार सिंह जदयू के प्रवल दावेदार माने जाते हैं। जमुई के लिए नरेन्द्र जनाधार वाले नेता माने जाते हैं। स्वभाविक है कि गिरफ्तारी का वारंट निकलने के बाद जमुई में जलजला तो आना ही था।

आपको बता दूं कि मुंगेर के वर्तमान आरक्षी अधीक्षक लीपि सिंह हैं। लीपि सिंह सांसद आरसीपी सिंह के पुत्री हैं। एसपी लीपि सिंह के बारे में बताया जाता है कि मोकामा के बाहुबली विधायक रहे अनंत सिंह को गिरफ्तार करने से लेकर केश को मूर्त रूप देने में इन्हीं का हाथ रहा है। बाहुबली अनंत सिंह अपनी पत्नी को मुगेर सांसद ललन सिंह के विरोध में मुंगेर लोकसभा से कांग्रेस का उम्मीदवार बनाया था। अनंत सिंह उस समय मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के मुखर विरोधी हुआ करते थे। आज वे सलाखों के पीछे हैं। नरेन्द्र सिंह की माने तो लीपि सिंह सरकार के इशारे पर काम कर रहीं हैं। उन्होंने साफ शब्दों में मुंगेर सांसद ललन सिंह, जमुई सांसद चिराग और उनके पिता और केन्द्रीय मंत्री रामविलास पासवान के साथ-साथ सांसद और एसपी लीपि सिंह के पिता आरसीपी सिंह को राजनैतिक दुर्भावना से एक खरयंत्र के तहत भारतीय संविधान को ताक पर रख कर हमें फंसाने का आरोप लगाया है। पूर्व मंत्री नरेन्द्र सिंह बताते हैं कि हम विगत दिनों एक नवनिर्माण मोर्चा का गठन किया था और हम उस मोर्चा के बैनर के नीचे नहीं हमेशा समाज से उपेक्षित किसान-मजदूरों-नौजवानों के बात करके लोगों को वर्तमान सरकार के कुकृत्य को उजागर करने का काम कर रहे हैं और लोगों को जागृत करने का काम कर रहा हूँ। कोई एक व्यक्ति पकड़ाता है और कह देता है कि हमें नरेन्द्र सिंह से जान पहचान है इस आधार पर हमें फंसा रहा है। जबकि हमारा नाम किसी एफआईआर में नाम नहीं है फिर भी एक फर्जी पीए बन कर फर्जी आदमी के नाम पर हमें फंसा रही है। एसपी लीपि सिंह 4 फरवरी को ज्वाईन करती हैं और 6 फरवरी को ही इस केश का रजिस्टर मंगा कर एक षड्यंत्र के तहत अपने लोकसेवक का मर्यादा का हनन करते हुए एक पार्टी के कार्यकर्त्ता के रूप में कार्य कर रहीं हैं। हम इस तरह के कार्रवाई से डरने वाला नहीं हूँ। 9 फरवरी को पटना में भी यहाँ पर लोग धरना प्रदर्शन करेंगे। नरेन्द्र सिंह कहते हैं कि हम जनता के अदालत में जाएगें। वहीं उनके पुत्र सुमित सिंह बताते हैं कि अगर मेरे उपर आरोप साबित हो जाता है तो हम राजनीति से सन्यास ले लेंगे।

गौरतलव है कि नरेन्द्र सिंह विगत दिनों नरेन्द्र सिंह जदयू के वागी नेता के रूप में नीतिश कुमार के खिलाफ विगुल फूंक रखा है। हाल के दिनों में लालू प्रसाद यादव से मिलने रिम्स भी जा चुके हैं। वे एक साथ भाजपा और जदयू दोनो पर मुखर विरोध कर रहे हैं। उनका दो बेटा जमुई से जदयू और भाजपा के लिए राजनीति कर रहे हैं। दोनो पूर्व में विधायक भी रह चुके हैं और वर्तमान में गिरफ्तारी की तलवार लटके सुमित चकाई से जदयू के तथा अजय प्रताप भाजपा के प्रवल दावेदार के रूप में हैं। हालांकि राजनीति के जानकार मानते हैं कि जमुई सांसद और लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान नरेन्द्र के दोनो बेटों को किसी भी हालात में एनडीए के टिकट से बंचित रखने के रणनीति पर काम कर रहे होंगे। नरेन्द्र और रामबिलास का यह अंदरूनी, पारिवारिक या फिर कहें तो पारंपरिक लड़ाई है। हालांकि सुमित पर एक ठग जो मुंगेर सांसद ललन सिंह का फर्जी पीए के नाम पर कई लोगों को ठगने का काम किया है बिना कोई आधार का बिना सूचना और एफआईआर का एक करोड़ रूपये का फायदा पहुँचाने में शामिल होने का आरोप लग जाने का कारण भी सुमित का एनडीए के टिकट से बंचित रखने के रूपरेखा के रूप में तैयार किया गया एक षड्यंत्र के रूप में देखा जा रहा है। कुछ दिनों से आरजेडी के विधानपार्षद संजय सिंह भी चकाई से विधानसभा चुनाव की तैयारी में लगे हैं। हाल के दिनों में सुमित और संजय सिंह दोनो के द्वारा जदयू का अलग-अलग सम्मेलन करा कर अपनी क्षमता को साबित करने का भरपूर प्रयास किया गया था। एक तरफ सुमित को जदयू जिलाध्यक्ष और पूर्व मंत्री दामोदर रावत का साथ मिला था तो दूसरी ओर संजय सिंह को बांका सांसद गिरधारी यादव

का। संजय सिंह राजद में रहते हुए भी मुंगेर सांसद ललन सिंह के कॉफी करीब रहे हैं। ठग की गिरफ्तारी के पीछे भी संजय सिंह का ही हाथ रहा है। पूर्व में लीपि सिंह ही मोकामा सांसद को गिरफ्तार करने में महती भूमिका निभाया था। वर्तमान में नीतिश कुमार का नरेन्द्र सिंह से 36 का रिश्ता होना। इन भूमिकाओं को जोड़ा जाय तो स्पष्ट है कि पूरा मामला राजनीति से प्रेरित लगता है। जमुई में नरेन्द्र-सुमित के गिरफ्तारी का वारंट का विरोध कर रहे लोगों की मांग सीबीआई से जांच कराने की हो रही है। लोगों का मानना है कि क्या एक ठग के कहने पर एक निर्विवादित जनप्रतिनिधि को बिना आधार का गिरफ्तारी का वारंट निकालना कतई उचित नहीं है। इस संबंध में सुमित-नरेन्द्र से पूछा भी जा सकता था। पर ऐसा नहीं कर के एसपी लीपि सिंह एक पार्टी के मुखौटा के रूप में काम कर रहे हैं जो एक एसपी के लिए कतई उचित नहीं है।

☆ **क्या है पूरा मामला** :- ठगी के एक मामले में 14 अगस्त 2019 को मुंगेर के सर्किट हाउस में रूके मुंगेर सांसद का फर्जी पीए के रूप में टेंटिया बंपर के भुना गांव निवासी ब्रजेश उर्फ बमबम सिंह पिता स्व0 सुनिल सिंह को विधान पार्षद संजय सिंह के सूचना पर गिरफ्तार किया गया। इस मामले को मुंगेर के कोतवाली थाना में कांड संख्या 348/19 दर्ज है। ब्रजेश के निशानदेही पर पुलिस ने उसके तीन अन्य सहयोगियों गौतम कुमार, मुकेश यादव और विजय कुमार सिंह को भी गिरफ्तार किया गया था। चारो अभी भी जेल में है। बताया जाता है कि बमबम सिंह बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में मंत्रियों, विधायक और सांसदों के फर्जी पीए बनकर सर्किट हाउस में रूका करता था। ठगी का पराकाष्ठा पार कर

चुका महाठग बमबम सिंह विजय सिंह को अधिकारी, गौतम कुमार को कलर्क और मुकेश यादव को ऑफीस का स्टाफ के रूप में प्रस्तुत किया करता था। बमबम सिंह के वयान के अनुसार वर्ष 2008 में उसके पिता की मौत फौज की नौकरी करते हुए कश्मीर में हो गया था। वर्ष 2010 में अनुकम्पा के आधार पर उसका बीएसएफ में नौकरी लगा। वर्ष 2015 में उसे भ्रष्टाचार के आरोप में नौकरी से निकाल दिया गया। उसके खिलाफ पश्चिम बंगाल के अलावे बिहार-झारखांड में दर्जनों लोगों से करोड़ों की ठगी का मामला दर्ज है। इसी में से एक मामला झारखंड के देवघर जिले के रिखिया मौजा के बजरंगी महतों से पॉच करोड़ रूपये में एक भूखंड का एग्रीमेंट बमबम सिंह ने कराया था। इसमें जमुई के नरेन्द्र सिंह और उनके पुत्र सुमित कुमार सिंह ने मध्यस्थता किया था। इसके एवज में पिता-पुत्र को एक करोड़ रूपया मिलना था। इस मामले के सुक्ष्मता पूर्वक किये गये अनुसंधान, मोबाईल सीडीआर

तथा अन्य इनपुट के आधार पर पूर्व मंत्री नरेन्द्र सिंह और उनके पूर्व विधायक पुत्र सुमित कुमार सिंह को अबिलंब गिरफ्तार करने का आदेश मुंगेर आरक्षी अधीक्षक लीपि सिंह के द्वारा निकाला गया था। इस मामले में ब्रजेश उर्फ बमबम सिंह समेत गौतम, विजय और मुकेश कुल चार आरोपी की गिरप्तारी पूर्व में ही हो चुकी है। आरोप बबन सिंह जो बमबम सिंह का बाडीगार्ड हुआ करता था उसे तथा उसके साथ बजरंगी महतों को भी बनाया गया है।

अब देखना यह है कि क्या नरेन्द्र सिंह और सुमित कुमार सिंह की गिरफ्तारी होती है या फिर यह भी राजनीति का सूत्रधार बन कर रह जाता है। फिलहाल नरेन्द्र समर्थकों का जमुई में विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। क्या होगी नरेन्द्र-सुमित की गिरफ्तारी यह एक यक्ष प्रश्न है। अभी जमुई का राजनैतिक तापमान उबाल पर है। रोज घरना प्रदर्शन आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिल रहा है। छः माह बाद बिहार में विधानसभा चुनाव होना है। ऐसे में राजनैतिक तापमान बढ़ना लाजमी भी है। ●

तीर्थंकर सुविधिनाथ का जन्म काकन

● **प्रो० रामजीवन साहू**

जैन धर्म ग्रंथों के अनुसार तीर्थंकर का अर्थ इस प्रकार है—जिन साधकों ने अपने तप के आधार पर आत्मज्ञान प्राप्त किया हो, साथ हीं जिन्होंने क्रोध, अभिमान, छल और इच्छा पर विजय प्राप्त कर लिया है, वहीं साधक तीर्थंकर कहलाते हैं। इस धर्म में पाँच कल्याणक होते हैं यानि तीर्थंकर जिस स्थान पर अपने माँ के च्यवन(गर्भ) में आते हैं, वह स्थान कल्याणक कहलाता है। जिस स्थान पर जन्म होता है वह स्थान कल्याणक कहलाता है इसी तरह दीक्षा कल्याणक, केवल ज्ञान कल्याणक और निर्वाण कल्याणक होते हैं। तीर्थंकर सिर्फ राजपरिवार में हीं जन्म लेते हैं। आज तक जितने भी तीर्थंकर हुए हैं उनके नाम इस प्रकार हैं :— श्री ऋषभनाथ, श्री अजितनाथ, श्री संभवनाथ, श्री अभिनंदननाथ, श्री सुमितिनाथ, श्री पद्युम्नप्रभ, श्री सुपार्श्वनाथ, श्री चंद्रप्रभ, श्री सुविधिनाथ, श्री शीतलनाथ, श्री श्रेयांसनाथ, श्री वासुपूज्य, श्री विमलनाथ, श्री अनन्तनाथ, श्री धर्मनाथ, श्री शांतिनाथ, श्री कुन्थुनाथ, श्री अरहनाथ, श्री मल्लिनाथ/मल्लीबाई(स्त्री तीर्थंकर), श्री मुनीसुव्रतनाथ, श्री नमीनाथ, श्री नेमिनाथ, श्री पार्श्वनाथ और 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर।

इनमें से 5 तीर्थंकर का प्रादुर्भाव बिहार में ही हुआ है :— श्री सुविधिनाथ, श्री वासुपूज्य, श्री मल्लिनाथ/मल्लीबाई (स्त्री तीर्थंकर), श्री नेमिनाथ, भगवान महावीर। इन पाँचों में से दो तीर्थंकर श्री सुविधिनाथ, और भगवान महावीर का पदार्पण जमुई जिले में ही हुआ। श्री सुविधिनाथ, जमुई वासियों के मस्तिष्कपटल से बिल्कुल ओझल हो गए हैं। उन्हें मैं पुनः जनमानस में उन्हें स्थापित कर देना मेरा कर्तव्य बनता है। तीर्थंकर सुविधिनाथ का आविर्भाव बिहार प्रांत के जमुई जिला अंतर्गत जमुई प्रखंड के काकन गाँव (काकन्दी) गाँव में माघशीर्ष कृष्णपक्ष पंचमी को मूल नक्षत्र में लगभग 3300 वर्ष पूर्व उनका जन्म हुआ था। काकन जमुई जिला केंद्र से मात्र 8 किलोमीटर की दूरी पर है। इस मंदिर के पुजारी अरुण कुमार जी ने बताया कि प्राचीन काल में काकन में लगभग 10,000 घर जैनियों का था। आज भी वहाँ कहीं गहरी खुदाई होती है, तो उस काल के अवशेष मिलते हैं। राजा सुग्रीव यहाँ के राजा थे। उनकी पत्नी थी रामाबाई। एक बार यहाँ भयंकर अकाल पड़ा। पेड़-पौधे सूखने लगे। सभी लोग बहुत दुःखी हो गए। प्रजा के इस दुख से राजा भी बहुत दुखी हो गए। उसके बाद उन्होंने प्रभु से प्रार्थना किया कि हे प्रभु! मेरी प्रजा के इस दुख को दूर कर दीजिए। उनकी हार्दिक प्रार्थना को

प्रभु ने सुन लिया। और फिर क्या था माता रमाबाई के च्यवन (गर्भ) में श्री सुविधिनाथ आ गए। ऐसा होते ही पेड़ पौधे हरे होने लगे। लोगों को सभी सुविधाएँ मिलने लगी। इसलिए इनका नाम राजा में जन्म लेने के बाद सुविधिनाथ रखने का निश्चय किया। माघशीर्ष कृष्णपक्ष पंचमी को मूल नक्षत्र में श्री सुविधिनाथ का जन्म हुआ। जन्म के बाद इस बालक का दाँत कमल के फूल जैसा दिखता था। इसलिए इनका नाम पुष्पदंत पड़ा। इनका प्रतीक चिन्ह मगर है। काकन श्री सुविधिनाथ का चार कल्याणक है – (क) च्यवन कल्याणक (ख) जन्म कल्याणक (ग) दीक्षा कल्याणक और (घ) केवल ज्ञान कल्याणक है। लेकिन इनका पाँचवा कल्याणक निर्वाण शिखर में हुआ।

पूजा विधि :–जैन धर्म धर्मावलंबी सूर्योदय के बाद भोजन करते हैं। और सूर्यास्त के बाद भोजन नहीं करते हैं। फलस्वरूप प्रातःकाल शौचादि और मुखमार्जन के बाद नवकास्सी (अल्पाहार) करते हैं। फिर स्नान कर पूजा अर्चना करते हैं। मंदिर का रखरखाव उत्तम कोटि का हो इसलिए पूजा के प्रत्येक प्रकार के साथ बोली (डाक) लगाई जाती है। जिनकी बोली सबसे अधिक राशि की होती है। वही व्यक्ति सर्वप्रथम भगवान की पूजा करते हैं। पूजा के प्रकार इस तरह है :–

1. प्रक्षाल पूजा :– इसमें सबसे पहले भगवान को जल फिर दूध, फिर जल से स्नान किया जाता है।

2. बरास पूजा :– स्नान के पश्चात् चमेली के तेल का मालिश किया जाता है। चमेली को ही बरास कहा जाता है।

3. चंदन पूजा या केसर पूजा :– तेल लगाने के पश्चात् भगवान को चंदन लगाया जाता है।

4. फूल पूजा :– चंदन के पश्चात फूल से पूजा किया जाता है।

5. हार पूजा :– भगवान को सोने का हार पहनाया जाता है।

6. मुकुट पूजा :– हार पूजा के बाद भगवान को मुकुट पहनाया जाता है।

7. आरती पूजा :– मुकुट पहनाने के बाद भगवान की आरती की जाती है।

8. मंगलदीप पूजा :– आरती के बाद मंगलदीप प्रज्वलित किया जाता है। इसके अतिरिक्त एक पूजा और है, जो लकड़ी के पीढ़ा पर अक्षत को विभिन्न आकारों में सजाया जाता है और स्वेच्छा से कुछ राशि समर्पित किया जाता है। इसमें बोली नहीं लगाई जाती है।

नोट :– यहां यह मैं आपको जानकारी देना चाहता हूँ कि 60 वर्ष पूर्व यहाँ अवस्थित पुरानी प्रतिमा व्रजपात के कारण खंडित हो गई थी, इसलिए यहाँ नयी मूर्ति स्थापित की गई है। इस मंदिर की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा 10 सैन्य जवानों को नियुक्त किया गया है। प्रत्येक जवान यहाँ दो–दो घंटे की पाली में पहरा देते हैं। भगवान में आस्था रखने से समाज एवं राष्ट्र का हित निश्चित होता है। ●

सभी के चहेते जितेन्द्र सिन्हा हुए सेवानिवृत

● **अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

किसी भी मीडिया हाउस को, चाहे वह अखबार हो, चैनल हो या फिर पत्र–पत्रिका सहित अन्य सभी के लिए सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यहां से आपको प्रेस संबंधित सारे दस्तावेज एवं सरकार के द्वारा किये कार्य, योजनाएं सहित किसी भी कार्यक्रम की सूचना उपलब्ध होती है। मसलन, बिहार प्रदेश की राजधानी पटना स्थित सूचना जनसम्पर्क विभाग अपना दायित्व अच्छे से निभाता आया है और इस कार्य के लिए अगर श्रेय किसी को जाता है तो वह यहां के कार्यरत्त कर्मचारी एवं पदाधिकारियों को जाता है। सनद् रहे कि इसी विभाग में लगभग 33 वर्षों से सेवा देते आ रहे सभी पत्रकारों के दिल अजीज जितेन्द्र कुमार सिन्हा बीते 31 जनवरी को अपने इस सरकारी कार्य से सेवानिवृत हो गये।

बताते चले कि सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग की ''प्रेस शाखा'' में कार्यरत श्री जितेन्द्र कुमार सिन्हा की सेवानिवृत्ति के मौके पर सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग की ओर से उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। सूचना भवन के सभागार में आयोजित एतद् विषयक समारोह के अवसर पर श्री सिन्हा ने बताया कि लगभग 33 वर्षों की सरकारी सेवा में पदाधिकारियों तथा कर्मचारियों का उन्हें निरंतर सहयोग मिलता रहा, जिस वजह से इतनी लम्बी सरकारी सेवा में मेरे द्वारा यथासंभव पूरी लगन एवं तत्परता से कर्त्तव्य का निर्वहन किया जाना संभव हो सका। साथ ही ''प्रेस'' शाखा में कार्य करते हुए मीडिया से लगातार समन्वयन कर विभागीय कार्यों के निष्पादन में मीडिया के भी व्यापक सहयोग की उन्होंने सराहना की। इस अवसर पर सहायक निदेशक डॉ0 नीना झा ने अपने संबोधन में बताया कि यद्यपि सरकार की व्यवस्था में कोई भी अपरिहार्य नहीं होता है, लेकिन कुछ लोग अपनी काबिलियत से, व्यवहार कुशलता से अपनी एक खास जगह बना लेते हैं, जो चिरस्मरणीय होता है और जितेन्द्र जी उन्हीं लोगों में से एक हैं। सनद् रहे कि विदाई समारोह के दौरान पारंपरिक रीति–रिवाज के तौर पर माल्यार्पण तथा उपहार प्रदान कर सेवानिवृत्त, प्रेस सहायक श्री जितेन्द्र कुमार सिन्हा की ससम्मान विदाई की गयी तथा उनके सुदीर्घ स्वस्थ जीवनचर्या की सभी ने शुभकामना की। इस मौके पर प्रशाखा पदाधिकारी सर्वश्री शिवशंकर लाल श्रीवास्तव, सतीश कुमार, धनंजय कुमार, मोअज्जम अली अकबर, ज्ञान प्रकाश पाण्डेय, हरेन्द्र मोची सहित सभी प्रेस कर्मी उपस्थित थे। प्रशाखा पदाधिकारी ने सभा का संचालन किया तथा सहायक निदेशक ने सभा की अध्यक्षता की। ●

पर्यावरण सुरक्षा को लेकर बनाया गया मानव श्रृंखला

मानव श्रृंखला में 23 किलोमीटर की दूरी में 53 हजार 975 लोगों ने दिखाई भागीदारी

● अरविन्द मिश्र

जल,जीवन,हरियाली,दहेज प्रथा व बाल विवाह उन्मूलन,नशा मुक्ति की सफलता कों 19 जनवरी 2020 यानि रविवार को मानव श्रृंखला का निर्माण कराया गया। इस कार्यक्रम में नारदीगंज के हर तबके लोगों ने बढचढ़ कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी संस्थानों के अधिकारी व कर्मियों निजी व सरकारी विद्यालय के शिक्षक समेत पार्टी कार्यकर्ताओं के अलावा पेंशनर समाज, लोग मानव श्रृंखला में गवाह बन गये। इस कार्यक्रम में ग्रामीण इलाके से भी लोग निकल आये। और सड़क पर मानव श्रृंखलाबद्ध हो गये। इस दौरान लोगों की चाह रही कि पर्यावरण बचाना है, के साथ समाजिक कुरीतियों के विरूद्ध हमसबों को एक होना है। इस प्रदेश में जल, जीवन, हरियाली को लाना है, और नशा मुक्ति, के साथ दहेज मुक्त व बाल विवाह जैसी कुरीतियों को मिटाकर नया बिहार बनाना है। मानव श्रृंखला का निर्माण 11 बजकर 30 मिनट से 12 बजे तक रहा। नारदीगंज मे बनगंगा से जेठियन जाने बाली मार्ग में गया नवादा सीमा के पेश गांव तक,नारदीगंज चौक से दयाली बिगहा मोड तक निर्माण कराया गया है। वही नारदीगंज चौक से मसौढ़ा स्थित पैक्स गोदाम व बस्तीबिगहा बाजार से ओड़ो स्टेशन तक मानव श्रृंखला बनाया गया। बीडीओ राजीव रंजन ने बताया 23 किलोमीटर की दूरी में तकरीबन 53 हजार 975 लोग इस अभियान में शरीक हुए। कहा गया मुख्य मार्ग व उपमुख्य मार्ग में 29 हजार 210,वार्ड स्तर पर 12 हजार 305 के अलावा विद्यालय परिसर से छात्र व छात्राओं की संख्या 12 हजार 460 लोगो ने मानव श्रृंखला मे अपनी भागीदारी दिखाई। इस अभियानं को सफल बनाने में सरकारी कर्मी समेत अन्य लोग ने अपनी भागीदारी निभायी, लेकिन अभियान सफल नहीं हो पाया। मानव श्रृंखला के लिए 23 किलोमीटर की लम्बी दूरी तक में कही कही मानव का कड़ी नहीं बन पाया, तो कहीं – कहीं सड़क पर लोग नदारथ देखे गयें। इस अभियान में सरकारी विद्यालय व निजी विद्यालयों के बच्चों की भूमिका अहम रही। इसके अलावे जीविका दीदी, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य कर्मी, पेंशनर समाज, नारदीगंज कॉलेज, जदयू, भाजपा कार्यकर्ताओं के अलावा आम लोगों के साथ इस दौरान सेक्टर पदाधिकारी, व कॉडिनेटर ने मानव श्रृंखला को सफल बनाने में तत्तर रहे। वही नारदीगंज में प्रखंड प्रभारी सह भूमि सुधार उपसमाहर्ता बीरेन्द्र कुमार, बीडीओ राजीव रंजन, सीओ कुमार विमल प्रकाश ने मानव श्रृंखला का निरीक्षण किये। वही थानाध्यक्ष दीपक कुमार राव नेतृत्व में गठित पुलिस टीम में शामिल एसआई रामकृपाल यादव राय, एएसआई प्रेमजीत पासवान, एएसआई अनिल कुमार पुलिस बल सुरक्षा में मुस्तैद रहे। महिला पुलिस भी तैनात रही। इस दौरान मानव श्रृंखला में आये हुए लोगो के लिए जगह जगह पर पेयजल, शौचालय व एम्बुलेन्स की व्यवस्था की गयी थी। उत्सवी मौहाल रहा, ढोल बाजे के साथ लोग मग्न रहे। निजी विद्यालयों में, आवासीय मॉर्डन इंगलिश स्कूल पंडपा, मॉर्डन कैरियर लॉउण्चर, सृष्टि इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, दलेलपुर, संत जोसफ इंग्लिश स्कूल, बिमला ब्राइट कोचिंग सेन्टर, सीएमआई समेत अन्य सरकारी व निजी विद्यालयों, कोंचिंग के छात्र व छात्राओं ने भागीदारी दिखाई। इसके अलावा कहुआरा मानव कल्याण संस्थान, के समूह की महिलाऐं, पेंशनर समाज ने अपनी भागीदारी निभायी। मौके पर जेएसएस दिनेश कुमार, बीपीएम देवेन्द्र कुमार मिश्र, एमो रविरंजन कुमार, डा0 वीरेन्द्र कुमार,मास्टर टेनर अनिलेश कुमार,बीपीआरओ उमेश कुमार, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी राजीव रंजन, बीसीओ ओमप्रकाश, कशिश समन्वयक राजेश रंजन,अभय कुमार,

रामाशंकर, प्राचार्य सुनील कुमार शर्मा, प्राचार्य विपिन कुमार विमल, मनोज कुमार झा, प्रभारी प्राचार्य अच्चुतानंद पाण्डेय, भाजपा पूर्व प्रखंड अध्यक्ष कश्श्णदेव सिंह, विद्यालय निदेशक कश्श्णदेव भाम्मर्ण चक्रवर्ती, नीरज पांडेय, मारूतिनंदन मौर्य, शैलेश कुमार, पीटी बिजू समेत अन्य विभाग के अधिकारी व कर्मियों के साथ पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद थे। वही मानव श्रृंखला की सफलता को लेकर मगध प्रक्षेत्र के प्रमंडलीय आयुक्त असंगवा चुबा आओ, आई0जी0 राकेश राठी ने 15 जनवरी 2020 को यानि बुधवार को नये मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इनके साथ में, गया डीएम अभिशेक सिंह, नवादा डीएम कौशल कुमार सपी हरी प्रसाथ एस, डीडीसी वैभव चौधरी, सदर एसडीओ अनु कुमार,सदर एसडीपीओ विजय कुमार झा समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। मौका था अगामी 19 जनवरी 2020 को पूरे बिहार में बनने बाली मानव श्रश्ंखला की सफलता को लेकर पदाधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण किया। प्रमंडलीय आयुक्त समेत अन्य अधिकारियों ने बनगंगा से जेठियन जाने बाली मार्ग में नवादा व गया सीमा पर स्थित पेश गांव तक मार्ग तक जायजा लिया। उसके बाद नवादा नालंदा सीमा पर बनगंगा तक मार्ग का भी निरीक्षण किया। आयुक्त असंगबा चुबा आओ ने कहा यह मानव श्रृंखला के लिए नये मार्ग बनाया गया है।

उन्होंने कहा जल, जीवन, हरियाली, नशा मुक्ति, बाल विवाह, दहेज प्रथा को उन्मूलन के उदेश्य से मानव श्रृंखला बनाया जा रहा है। यह ऐतिहासिक मानव श्रृंखला बनना है। कहा गया कि गया जिले के मोहडा प्रखंड के अंतगर्त आने बाले लोग अपने सीमा तक मानव श्रृंखला को बनायेगे, उसके बाद नवादा जिले का दायित्व है, कड़ी टुटने ने पाये, इसका ख्याल रखना है। डीएम कौशल कुमार ने कहा इस मार्ग में तीन पंचायत है, घनी आबादी है। जिसमें पेश पंचायत के अलावा हंडिया व डोहडा पंचायत है। जीविका के अलावा पंचायत के जन प्रतिनिधियों, छात्र व छात्राओं के साथ आमलोग आमलोग भी इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भागीदारी निभायेंगे। सभी को जिम्मेवारी सौंपी गयी है। बनगंगा से पेश गांव तक 7 किलोमीटर की दूरी है। इसके अलावा नारदीगंज प्रखंड के अन्य मार्ग मार्ग में भी मानव श्रृंखला बनाया गया है। बीडीओ राजीव रंजन,सीओ कुमार विमल प्रकाश,बीपीएम देवेन्द्र मिश्र, जेएसएस दिनेश कुमार, मोहडा बीडीओ थानाध्यक्ष दीपक कुमार राव, एसआई रामकश्पाल यादव,मास्टर टेनर अनिलेश कुमार, समाजसेवी बुन्देल मांझी, दिलीप साव,नवीन सिह समेत काफी संख्या में गणमान्य लोग इस मौके पर मौजूद रहे। ●

प्रतिभा खोज परीक्षा में सफल छात्रों को किया गया सम्मानित

● **मिथिलेश कुमार**

संयम सहनशीलता एवं सहजता जीवन को सफल बनाती है। इसे सर्वदा आत्मसात करें। उक्त बातें दिग्मनी एडुकेशन दिल्ली द्वारा प्रायोजित मगही मंडप समर हिल के सहयोग से आयोजित प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में सफल छात्रों के सम्मान मे आयोजित समारोह को संबोधित करते हुये जिले के निवर्तमान एसडीओ एवं वर्तमान में पटना के एसडीएम राजेश कुमार ने कहा। उन्होनें जिले के वारिसलीगंज प्रखंड मुख्यालय स्थित नेशनल इंटर विधालय के सभागार में तीन सौ शिक्षकों एवं सैकड़ों सफल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुये कहा कि दिग्मनी एडुकेशन दिल्ली के निदेशक आलोक रंजन हमारे संघर्ष के साथी रहें है। आज वारिसलीगंज के लिये यह ऐतिहासिक दिन है कि वारिसलीगंज के श्री गणेश बीके साहु इंटर विधालय से अपनी शिक्षा ग्रहण कर देश की राजधानी में देश के सबसे बड़े प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कराते हुये सामाजिक जीवन में भी अपना बहुमूल्य समय दे रहे है। उन्होनें छात्रों को कहा कि अगर जीवन में सफल होना चाहते है तो अपने माता पिता एवं गुरू के आदेश का पालन एवं अनुशाशित होना सीखें। सफलता आपके कदम चूमेंगी। उन्होनें समरहिल टीम द्वारा आयोजित प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कराने के लिये टीम के सदस्यों के प्रति आभार प्रकट करते हुये उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होनें कहा कि भौतिकवादी युग में बिना स्वार्थ के कोई व्यक्ति एक कार्य भी नही करता है वैसे समय में दिग्मनी एडुकेशन के निदेशक ने अपनी मिट्टी की खुश्वु को अपने आगोश में समेट कर उसके कण को भी राष्ट्रीय फलक पर पहुँचाना चाहते है जो स्वागत योग्य है। उन्होनें उपस्थित शिक्षकों एवं छात्रों को विस्तार पूर्वक सफलता के मूल मंत्रों को आत्मसात करने को कहा। कार्यक्रम के प्रायोजक एवं गरीब प्रतिभावान छात्रों को उनके लक्ष्य तक पहुँचाने की सोच रखने वाले दिग्मनी एडुकेशन के निदेशक आलोक रंजन ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों एवं छात्रों को प्रेरित करना था। उन्होनें कहा कि शिक्षण विधि, आधुनिक शिक्षा की प्रासंगिता एवं रोजगार परक शिक्षा आज की जरूरत है। शिक्षा का प्रवेष स्वच्छ एवं सुन्दर मन में होता है। अत सामाजिक व्यमिचार,दुर्विचार, कलुपता एवं एक दुसरे से ईष्या द्वेष से बचने की आवश्यकता है। उन्होनें अपनी शिष्या एवं वर्तमान में अरवल जिले की एसडीएम अनिता सिन्हा को छात्राओं के लिये आईकॉन बताया। उन्होनें कहा कि यह हमारी छात्रा रही है और इसमें विपरीत परिस्थितियों में भी गरीबी से संघर्ष कर अपनी प्रतिभा के दम पर भविष्य का निर्माण किया है। कार्यक्रम में उपस्थित अरवल की एसडीएम अनिता सिन्हा ने छात्राओं को स्वयं में शक्तिशाली बनने एवं परस्थितियों से लड़ने का मंत्र दिया। कार्यक्रम के आयोजक समरहिल टीम के संयोजक नवलेश कुमार, कार्यक्रम के संचालक अमित कुमार, कुमार

प्रतिभावन छात्रों के लिए वरदान है दिग्मनी एडुकेशन

उसे गुमां है कि मेरी उड़ान कुछ कम है। मुझे यकीं है कि ये आसमान कुछ कम है। जिंदगी की असली उड़ान अभी बाकी है। जिंदगी के कई इम्तहान अभी बाकी है। अभी तो नापी है मुठी भर जमीं हमने अभी तो पुरा आसमान बाकी है। यह पंक्तिया ऐसी व्यक्तित्व के लिये है जो बिहार के पिछड़े जिले में शुमार मगध क्षेत्र का अंग नवादा के वारिसलीगंज प्रखंड मुख्यालय स्थित श्री गणेश बीके साहु इंटर विधालय से प्रारंभिक शिक्षा को प्राप्त कर अपने लक्ष्य को लेकर सपनों की उड़ान भरने दिल्ली पहुँचा और आज सम्पूर्ण भारत में अपने प्रतिभा एवं विद्वता के बल पर हजारों आइएस बना कर देश की सेवा में लगा दिया। मगध की धरती कई प्राचीन धरोहरों और एतिहासिक घटनाओं का साक्षी रहा है। एक ओर जहॉ आधुनिक बिहार के निर्माता एवं बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ0 श्री कृष्ण सिंह की जन्मभूमि रही वही किसान आंदोलन के प्रणेता स्वामी सहजानंद की कर्मभूमि भी रही। तो दुसरी ओर समाजवाद के पक्षधर और गरीबों वंचितों की लड़ाई लड़ने वाले जयप्रकाश नारायण का सर्वोदय आश्रम जहॉ से गरीबों की आवाज पूरे बिहार में पहुँची थी। आज बिहार के छोटे कस्बे से निकला युवा जिसने अपने हौसले और प्रतिभा के दम पर राष्ट्रीय फलक पर अपनी पहचान कायम किया है। दिग्मनी एडुकेशन के चेयरमैन आलोक रंजन ने अपनी जमीं और अपने जन्मभूमि पर अपनी अलग पहचान बना कर यहॉ के प्रतिभाओं मे अपनी छवि और अपना अक्श बनाने की कल्पना भी कर रहा है। दिग्मनी एडुकेशन के सहयोग से नवादा जिले के वारिसलीगंज प्रखंड में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन कर प्रतिभावान छात्रों को उसके आयाम तक पहुँचाने का संकल्प लिया है। अपने माता प्रो0 मणीमाला सिंहा एवं पिता प्रो0 दिग्विजय प्रसाद सिंह को अपना आर्दश मानने वाले आलोक रंजन का यह सफर आने दिनों में अपनी मंजिल तक अवश्य पहूँचेगा।

पंकज सहित सभी सदस्यों एवं शिक्षकों के द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने में सरहानीय योगदान के लिये आलोक रंजन ने आभार प्रकट करते हुये निरंतर अपने कार्य को करने के लिये प्रेरित किया। समारोह में एडुकेशन के चेयरमैन आलोक रंजन ने स्थानीय पत्रकारों को शॉल एवं डायरी देकर सम्मानित किया। समारोह में सैकड़ों छात्रों को नकद राशि एवं मेमोंटो देकर सम्मानित किया गया। मौके पर कवि मिथिलेश, राजकुमार सिंह, सेवानिवृत प्रधानाध्यापक श्री गोविन्द तिवारी, केशव पांडेय,पीयूष रंजन,राधे श्याम सहित सैकड़ों की संख्या में शिक्षक शिक्षिकायें एवं छात्र मौजुद थे।●

शिक्षा से कोसो दूर है अनुसूचित परिवार

● अरविन्द मिश्र

जिले के नारदीगंज प्रखंड में पेश पंचायत की विजयनगर गांव के बच्चें शिक्षा से कोसों दूर है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू रहने के बाद भी ऐसी स्थिति बनी हुई है। समाज के सबसे निचले तबके से आने बाले मांझी परिवार का यह गांव राजगीर की पहाड़ की तलहटी मे बसे हुए है। वही गांव में साक्षर परिवारों की संख्या नगण्य है। इसके पीछे गांव में एक भी शिक्षण संस्थान का नहीं होना मूल वजह बताया जा रहा है। आलम यह है कि तीन किलोमीटर की दूरी तक एक भी विद्यालय नहीं है। यह हाल तब है,जब सरकार शिक्षा को सुव्यस्थित करने के लिए करोड़ो रूपये भी खर्च कर रही है। शहरी व ग्रामीण इलाके में विद्यालय खोले जा रहे है,ताकि टोले व कस्बे के बच्चे शिक्षित हो सकें। लेकिन अनुसूचित बाहुल्य गाव में विद्यालय की व्यवस्था नहीं हो सकी है,नतीजन इस गांव के बच्चे जहां बकरी चराने के साथ खेलकूद में जीवन को बीता रहे है।

इस गाव में विद्यालय की आवश्यकता है। स्थलीय निरीक्षण के उंपरांत वरीय पदाधिकारी को अवगत कराया जायेगा। ताकि बच्चों को शिक्षा का अधिकार मिल सकें।

महेश्वरी ठाकुर, बीईओ

बुंदेल मांझी

सकुंती देवी

नरेश मांझी

दिलचंद मांझी

आकांक्षा देवी

कुंती देवी

इस उम्र में उन्हे शिक्षित होना चाहिये था,लेकिन विवशतावश बाल मजदूरी भी करना पड़ रहा है,जबकि गावं के बच्चे में शिक्षा पाने की ललक है। लेकिन व्यवस्था नदरथ है। यहां से तीन किलोमीटर से अधिक दूरी पर पेश गाव है,जहां एक नहीं तीन विद्यालय है। अधिक दूरी पर विद्यालय रहने के कारण वहा तक बच्चे नहीं पहुंच पा रहे है। ग्रामीण बताते है कि ऐसा विभागीय अधिकारियों व जनप्रतिनिधियेां के अनदेखी के कारण यह स्थिति बनी हुई है । इस गाव में तकरीबन सौ घर मूसहर जाति के परिवार निवास करते है। वही इस गाव के निकट रूस बिगहा (पचेया पहाडतली) गांव है,जहां अनुसूचित परिवार रहते है। वहां भी शिक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है।

★ **क्या कहते है विजयनगर के ग्रामीण :–**

☞ **रीता देवी :–** गांव में सरकारीं विद्यालय नहीं है,जिससे बच्चे पढ़ लिख नही रहे है। इस गांव में एक सरकारी विद्यालय होना चाहिये।

☞ **कुंती देवी :–**विद्यालय के अभाव में बच्चे खेलकूद मे समय बीता दे रहे है। कोई भी ध्यान नहीं दे रहे है,ताकि हमसब के भी बच्चे पढ़ते।

इस गांव के बच्चे को पढ़ने के लिए व्यवस्था किया जायेगा। सरकारी विद्यालय खोलने के लिए विभागीय अधिकाारियों को भी अवगत कराया जायेगा। इस गांव में अनुसूचित परिवार के लोग निवास करते है। समाज के मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सार्थक प्रयास किया जायेगा।

पिंकी भारती
(जिला पार्षद अध्यक्षा, नवादा)

☞ **नरेश मांझी :–** हमलोग जमाने से इस पहाड़ के निकट रह रहे है,अधिकांश लोग अंगुठा लगाते है,इसके पीछे गांव में स्कूल नहीं है,गांव से काफी दूर पर स्कूल रहने के कारण बच्चे वहां पर पढ़ने नहीं जाते है।

☞ **आकांक्षा देवी :–** हमनी सबके के कहते कहते थक गेलि,एगों स्कूल बना देते,तो हमनी सब के भी बचबा पढ़ लिख जैइतल हल।

☞ **शंकूती देवी :–** इस गांव में सौ घर मूसहर परिवार रहते है,स्कूल के बिना कोई भी गांवबाले पढ़ नहीं पाये है। स्कूल के बिना यहां के बच्चे खेलकूद के साथ गाय बकरी चराने मे लगे रहते है।

☞ **दिलचंद मांझी :–** बनगंगा से जेठियन जाने बाली मार्ग में यह गांव है,। पेश गाव में तीन विद्यालय है,यहां से काफी दूर पर गांव है,लेकिन इस गांव में एक भी सरकारी विद्यालय नहीं होने से बच्चे भी निरक्षर बने हुए है। इसके लिए अधिकारी व जनप्रतिनिधि दोनो दोषी है। कोई भी सुध लेने को तैयार नहीं है।

☞ **बुन्देल मांझी :–** समाजसेवी सह पूर्व लोक सभा प्रत्यार्शी–यह इलाका पूर्णरूपेण अनुसूचित बाहुल्य है,ऐसे में इस गांव में शिक्षण संस्थान नहीं होना एक दुखद बात है। इस गांव में सरकारी विद्यालय की स्थापना होने से अनुसूचित परिवार के बच्चों को शिक्षा का अधिकार प्राप्त हो सकेगा। ●

जिम्मेवार पुलिस बक्सर में

● **बिन्ध्याचल सिंह**

बिहार के पश्चिमोत्तर में बसा विश्वामित्र की नगरी बक्सर अधिकतर शराब के लिये बदनाम रहता था, परन्तु बक्सर पुलिस की कर्तव्यनिष्ठता के आगे शराब माफिया बौना साबित हो गये हैं, जिसके कारण शराब नाम का चीज है ही नहीं, अगर जिले में शराब है, तो ब्रहम्मपुर प्रखण्ड के रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन के दक्षिण–पूरब तरफ महुआ निर्मित दारू/शराब मिलती है। जो महुआ निर्मित है न कि विदेशी। जो स्वयं स्थानीय लोग द्वारा निकाला जाता है। नये साल की दस्तक देने के साथ बक्सर पुलिस की कार्य पद्धति व कर्तव्यनिष्ठता में भी नई मोड़ आई, जिसका जीता–जागता प्रमाण बक्सर पुलिस द्वारा की गई विभिन्न उद्भेदन व गिरफ्तारी से प्राप्त कर सकते है। आपको बताते चले कि जिले के बगेन थाना 40 मिनट में हत्यारे को पकड़ने में सफल रही है, वही राजपुर थाना 40 घंटों में लुटेरा व लूट की गई समान बरामद करने में सफल रहती है, जबकि कोरान सराय थाना जिले के सीमा का विदेशी शराब को दस्तक देते ही बरामद कर लेती है। सिमरी थाना तो लुट की योजना या हत्या की साजिश करते ही अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफल हो रही है। बक्सर की बात की जाये तो वर्तमान पुलिस अधीक्षक की नेतृत्व में एक दिन में आठ गिरफ्तारी की गई है। यानि दूसरे शब्द में – वर्ष 2020 बक्सर पुलिस के लिये बहुत ही सफलता का वर्ष साबित हो रहा है। जिसका श्रेय जिला में सेवा दे रहे उच्च पुलिस पदाधिकारियों की सक्रियता की देन है। प्रिय पाठकगण आपलोगों को ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि आप जब बक्सर जिला में प्रवेश करेंगे, बक्सर पुलिस जिला के प्रत्येक सीमा पर आपकी सुरक्षा के लिये मुस्तैद रहती है। जैसे–भोजपुर जिला के कुडेश्वर के समीप ब्रहम्मपुर थाना, भदवर मोड़ के पास सोनवर्षा थाना, मलिया बाग के पास नावानगर थाना, यानि प्रत्येक थाना जो जिस सीमा से लगते हैं। अपनी जिम्मेवारी के साथ वही मुस्तैद दिखती है। विश्वामित्र की नगरी बक्सर में सालो भर तीर्थ यात्रियों का आना–जाना रहता है, जिसके कारण शहर के चौक–चौराहे व्यस्त रहते हैं। अतः शहर की व्यवस्था को देखते हुये बक्सर पुलिस हर सौ मीटर की दूरी पर उपस्थित रहती है ताकि किसी भी तीर्थ यात्री को किसी प्रकार की परेशानी न हो। हालांकि तीर्थ की समय महिला पुलिस की सक्रियता विशेष रहती है, क्योंकि तीर्थ यात्री में विशेषकर महिलाओं की बहुलता रहती है। ●

विकास के नए आयामों को गढ़ते बीडीओ वेद प्रकाश

● शिवचन्द्र झा

केवल सच से एक भेंट के दौरान जब उनसे पूछा गया कि कैसे आप इतनी जल्दी टिकारी प्रखंड को विकास की नई उड़ान दे दी। उसके जवाब में उन्होंने जो बताया वह बेहद चौंकाने वाला था काम तो सभी करते हैं लेकिन मैं थोड़ा अलग तरीके से करता हूं । एक-एक विभागों पर खोजबीन करना समस्याओं को खोजना और उस पर गहन मंथन करना और फिर उसका समाधान निकालना यानी एक कैप्टन की भांति अपने सारे टीम के सदस्यों को गाइड करना और उनसे जीत हासिल कैसे हो इसका जज्बा उन सब के भीतर भरना और सबको साथ लेकर चलने की खूबियों से ही लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। जब मैंने टिकारी प्रखंड का कार्यभार संभाला तो मात्र 17 लोगों को पेंशन मिल रहा था जो आज की तारीख में लगभग 2000 पार कर गया है प्रखंड नाजिर राम कृपाल सिंह ने बताया कि वेद बाबू में प्रशासनिक दक्षता और सूझबूझ से हम सारे प्रखंड कर्मी कायल हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के बारे में सुपरवाइजर मुन्ना कुमार और अकाउंटेंट सुधाकर मिश्रा ने बताया की अभी लगभग हंड्रेड परसेंट लक्ष्य के करीब पहुंच चुका है स्वच्छता मिशन के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर अमरेंद्र कुमार ने केवल सच को बताया कि शौचालय निर्माण और राशि भुगतान की प्रक्रिया जारी है और हम लोग 75% लक्ष्य को पूरा कर लिए हैं जो गया जिले में नंबर 1 के स्थान पर है चौता पंचायत की मुखिया श्रीमती मिनी देवी ने बताया कि वीडियो साहब का महिला मुखिया के प्रति बहुत ही सकारात्मक रवैया रहता है तकनीकी रूप से एक-एक बात की जानकारी और उस जमीन पर उतारने में हम लोगों को काफी मदद मिलती है लाव पंचायत के मुखिया बुलेट बाबा उर्फ आशुतोष मिश्रा ने बताया कि पिछले कई सालों से महादलित टोला में लगभग 25 लोगों का आवास अधूरा पड़ा था इस वीडियो साहब ने वहां बैठकर उनके मकानों के ढलाई करवा दी शिव नगर के युवा मुखिया सुबोध कुमार सिंह ने बताया कि पंचायत जनप्रतिनिधियों के अलावे आम जनता के लिए सर्व सुलभ रहने वाले पदाधिकारियों से ही विकास की धारा आज गांव-गांव

में पहुंची है और शिव नगर पंचायत आज प्रखंड में के विकास के मामले में नंबर 1 पर बना हुआ है।

मुख्यमंत्री की अति महत्वपूर्ण योजना के परिवहन योजना के आयोजन को एक इवेंट का रूप देते हुए बड़े स्तर पर करने के बारे में उन्होंने बताया कि किसी भी योजना की जानकारी समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मिले तभी वह सफल मानी जाती है दिघोरा पंचायत की रहने वाली विकलांग महिला मूर्तिदेवी खुश होकर यह बताया कि बाबू वीडियो साहब ना रहतन हल त हमरा पेंशन न मिलती हल। नेपा पंचायत के निवासी अमेरिका मांझी ने भी हाथ में चाबी आते ही खुशी से झूमते हुए केवल सच को यह बताया कि आज नीतीश कुमार ने हम गरीबों के लिए योजना को लाया है लेकिन अगर वीडियो वेदप्रकाश नहीं रहते तो इसका लाभ हम जैसों को मिलना मुश्किल था अब हम आत्मनिर्भर हैं और अपने बच्चों को अच्छे ढंग से परवरिश और पढ़ाई की व्यवस्था कर पाएंगे इस कार्यक्रम के आयोजन के अवसर पर क्षेत्रीय विधायक अभय कुशवाहा जनार्दन शर्मा और डीसीएलआर नलिन कुमार ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि यह योजना नीतीश कुमार की बड़ी सोच को दर्शाता है गांव गांव के सुदूरवर्ती क्षेत्रों की जनता को मुख्य पथ पर लाने में यह योजना मील का पत्थर साबित हो रही है इस अवसर पर विधायक अभय कुशवाहा कजव जनार्दन शर्मा डीसीएलआर नवीन कुमार ने सामाजिक कार्यकर्ता और मगध इंटरनेशनल के स्कूल के डायरेक्टर सुधीर कुमार को पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करने के लिए पीपल का पौधा देकर उन्हें सम्मानित किया वीडियो प्रकाश बताया कि प्रखंड कार्यालय के सामने एक तालाब को गोद लेकर उसका सुधीर कुमार ने उसका कायाकल्प कर दिया सुधीर कुमार ने सम्मानित करने वाले तमाम अधिकारियों और विधायक को धन्यवाद दिया धन्यवाद देते हुए केवल सच को बताया कि सामाजिक कार्य करने की अभिरुचि मुझे बचपन से ही है जिसे टिकारी वीडियो से मिलकर मैं उसे धरती पर उतार रहा हूं। कनीय अभियंता अंजनी शर्मा ने कहा कि लाव पंचायत के साहोपुर महादलित टोला में 25 आबास की ढ़लाई करबाई। अपने कर्तव्यों के प्रति ऐसा जूनिनी व्यक्ति बहुत कम होते है। ●

संस्कार समेकित शिक्षण का शाला है डीएवी

● **नवीन कुमार रौशन**

इस आधुनिकता के दौर में जब हर युवा पश्चिमी संस्कार और उसके अर्ध-नग्न संस्कृति की ओर आकर्षित हो रही हो,तथा जिन संस्कृतियों पर देश के जेएनयू जैसे शैक्षणिक संस्थाने आधुनिकता की मुहर लगा रहीं हो। जहाँ धर्मनिरपेक्षता के नाम पर ईसाई मिशनरियों द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थानें भरतीय संस्कृति को तार-तार करने में लगीं हो,तब भारतीय संस्कार और संस्कृति की बातें करने वाली शैक्षणिक संस्थानों का महत्व निश्चित रूप से बढ़ जाता है। अगर देश मे ऐसी शैक्षणिक संस्थानों की सूची बनाई जाए,तो गिने चुने संस्थान ही ऐसे सूचियों में अपना नाम दर्ज करा पाएंगे।

सरस्वती शिशु मंदिर, सरस्वती विद्या मंदिर और डीएवी जैसे संस्थानों की अगर बात की जाये तो ये चंद मुठ्ठी भर संस्थानें ही ऐसी होंगी जो ऐसे सूचियों में अपना स्थान दर्ज करा पायेंगी। डीएवी और शिशु मंदिर ऐसी संस्थानें हैं जहाँ केवल आधुनिक शिक्षा ही नही बल्कि बच्चों के लिए संस्कार आधारित आधुनिक शिक्षा पर बल दिया जाता है। इन संस्थानों में वर्ष भर भारतीय संस्कृति पर आधरित ऐसे गतिविधियां आयोजित होती रहती हैं कि इनके आधुनिक पाठ्यक्रम में ही संस्कार समेकित हो जाया करते हैं। इसकी झलक पिछले दिनों बिहार की राजधानी पटना में स्थापित डीएवी की बीएसईबी शाखा में भी देखने को मिला। स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती के 93 वां बलिदान दिवस के अवसर पर आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा मन्दिर मार्ग,नई दिल्ली के मार्गदर्शन में आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उप सभा तथा आर्य समाज, बिहार के द्वारा तीन दिवसीय चरित्र निर्माण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बिहार प्रक्षेत्र के 84 डीएवी से 700 छात्र-छात्राओं के साथ कुल 168 शिक्षकों ने भाग लिया। 2 जनवरी से प्रारम्भ होकर 4 जनवरी को सम्पन्न होने वाली इस शिविर का उद्घाटन

आर्य समाज के ध्वज का रोहण से हुई। ध्वजारोहण के उपरांत छात्राओं ने ध्वज गीत, प्रार्थना गाये तथा संस्कार आधारित लघु नाट्य भी प्रस्तुत किये। वहीं आर्य प्रतिनिधि उप सभा बिहार के प्रधान और डीएवी बिहार जोन के निर्देशक डा. उमाशंकर प्रसाद ने अतिथियों के अपने स्वागत भाषण तथा शिविर के आयोजन के महत्ता पर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब समाज के बच्चों में नैतिक बल का पतन हो रहा हो तब आर्य समाज द्वारा आयोजित ऐसे चरित्र निर्माण शिविरों का विशेष महत्त्व हो जाता है। उन्होंने कहा कि डीएवी एक ऐसी संस्था है जो प्रयोगशाला और यज्ञशाला दोनों को ही साथ-साथ लेकर चलती है। प्रयोग जहाँ हमारे बच्चों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ती है वहीं यज्ञशालायें संस्कार से। तीन दिनों के इस शिविर में बच्चें भारतीय संस्कार और संस्कृति से परिचित होंगें।

पीताम्बरी धोती-कुर्ता गले मे गायत्री मंत्र लिखा पट्टा,माथे पर भगवा पगड़ी हाथों में हवन सामग्री लिए इधर से उधर छात्र-छात्राओं का घूमना विद्यालय परिषर में गुरुकुल परम्परा की यादें तरोताजा करा रहीं थी। 51 हवन कुंडों पर सस्वर मंत्रोचार के साथ बच्चों की हवन आहुति निश्चित रूप से देखने वालों को डीएवी को अन्य विद्यालयों से अलग दिखा रही

संस्कारों पर हावी भौतिकवादिता : विमर्शिनी

अंग्रेजी को भौतिकवादी सम्पदाओं तक पहुँच की कुँजी मान आज स्कूली शिक्षा अंग्रेजी तक सीमित हो गयी है यही कारण है कि विद्यालयों के पाठ्यक्रमों से संस्कृत विलुप्त होते जा रही है। संस्कृत के विलुप्त होने से बच्चों में संस्कार का ह्रास और बच्चों में संस्कारों के ह्रास होने से भारतीय संस्कृति कमजोर हो रहीं है। संस्कृत अब न बच्चें पढ़ना चाह रहें हैं न ही कोई विद्यालय इसे पढ़ाना चाह रहा है। शैक्षणिक संस्थानों के साथ साथ सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए।शिक्षा व्यवस्था का आधार या तो मातृभाषा होनी चाहिए या फिर भारतीय भाषा। इससे बच्चों का समझ बेहतर बनेगा।शिक्षा पैसे कमाने का साधन नही बल्कि चरित्र निर्माण और जीवकोपार्जन का साध्य होना चाहिए।लेकिन ऐसा नही हो रहा यही कारण है कि आज चारों तरफ मर्यादाओं की दुहाइयाँ दी जा रहीं है। समाज और देश को बचाना है तो अपने संस्कार और संस्कृतियों से दूर होते जा रहे बच्चों को वेद और अध्यात्म की ओर लौटना होगा। पाठ्यक्रमों को एक बार फिर संस्कार और संस्कृत से जोड़ना होगा।

थीं।यही नही शायद ही ऐसा कोई विद्यालय होता होगा जिनमें बच्चों के बीच शंख नाद प्रतियोगिता, मंत्रोचार प्रतियोगिता जैसे भारतीय संस्कृति को सबलता तथा बच्चों में संस्कारिता प्रदान करने वाले प्रतियोगिताएं आयोजित होती होंगी।मेजवान विद्यालय डीएवी बीएसईबी पटना के प्रचार्य सह डीएवी के क्षेत्रीय पदाधिकारी डॉ. विष्णुशंकर ओझा ने बताया कि शंखनाद प्रतियोगिता में डीएवी खगौल के बच्चे प्रथम,डीएवी बीएसईबी और डीएवी मसौढ़ी के बच्चे द्वितीय तथा डीएवी कंकड़बाग के बच्चे तृतीय स्थान प्राप्त किये।डीएवी बिहटा और खगौल वाल्मी के बच्चों को सांत्वना पुरस्कार मिला। वहीं मंत्रोचार प्रतियोगिता में डीएवी अनीसाबाद को प्रथम, डीएवी बीएसईबी को द्वितीय और डीएवी आईजीआईएमएस को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। जबकि डीएवी खगौल,डीएवी इंद्रपुरी और डीएवी पाटलिपुत्रा को संतावना पुरस्कार मिला। इसके अलावे भारतीय धर्म और संस्कृति के रक्षा के लिए लाहौर से आये छात्र सत्यदेव आर्य को सम्मानित करते हुए डॉ. वी.एस.ओझा ने कहा कि यह हमारे और हमारे विद्यालय के लिए गौरव का विषय है कि हमें ऐसे धर्म रक्षकों को सम्मानित करने का मौका मिला है। 1947 में डीएवी के छात्र रहे सत्यदेव आर्य ने कहा लाहौर में डीएवी की स्थापना 1886 में हुई थी।उस समय उसका भवन किसी स्कूल की तरह नही बल्कि किसी विश्वविद्यालय की तरह था। जहाँ प्रतिदिन हवन और मंत्रोचार से छात्रों की सुबह और संध्या वंदन से शाम हुआ करती थी। चारों वेद इस विद्यालय में रखे रहने के कारण उनके अवलोकन का सौभाग्य वहाँ के छात्रों को प्राप्त था। देश विभाजन के बाद हिन्दुओं को जब वहां प्रताड़ित किया जाने लगा तब भी डीएवी नैतिकता का पाठ पढ़ाया करता था।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आर्य प्रदेशिक प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के मंत्री सह डीएवी कॉलेज प्रबन्धकत्री समिति के प्रकाशन विभाग के निर्देशक एस के शर्मा,रणवीर रंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष सह वैदिक प्रवक्ता प्रो ज्वलंत कुमार शास्त्री,पाणिनि कन्या महाविद्यालय वाराणसी के आचार्या डॉ प्रिति विमर्शिनी मुख्य रूप से उपस्थित थे। इनके अलावे विभिन्न डीएवी के प्रचार्य और क्षेत्रीय निदेशको में एस. के.झा, के.के.सिंह, नीरज कुमार,ए. के.जेना, आर.एन.पाठक, सीमा कुमारी प्रमुख रूप से उपस्थित थे। ●

विद्यालयों में नहीं सिखाये जा रहें नैतिकता का पाठ : ज्वलन्त शास्त्री

स्कूली शिक्षा में विषयगत शिक्षा तो दी जा रही है,परन्तु नैतिकता का पाठ नही पढ़ाया जाता। इसका परिणाम समाज मे आये दिन दुष्कर्म और समाज विरोधी गतिविधियों के रूप में देखने को मिल रहा है। पढ़ाये गए नैतिक मूल्यों से हमें धैर्य, क्षमा, करुणा, प्रेम, आदि की सीख मिलती है।उक्त बातें डीएवी बीएसईबी में आयोजित चरित्र निर्माण शिविर में अपने प्रवचन में रणवीर रणजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अमेठी के बैदिक प्रवक्ता ज्वलंत शास्त्री ने कही। शास्त्री ने आगे कहा कि आज न तो घरों में न ही विद्यालयों में ही नैतिक मूल्यों पर चर्चायें कराई जाती है। ज्वलंत शास्त्री ने तीन स्तरीय शिक्षा की चर्चा करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति मातृ देवों भव,पितृ देवों भव और गुरु देवों भव की रहीं है लेकिन आज ये तीनों ही स्तर बच्चों में संस्कार की बजाय केवल पुस्तक आधरित ज्ञान पर ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षा से अगर संस्कार का निर्माण नही होता तो वैसी शिक्षा सामाजिक पतन का कारण भी बनता है।

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

नल-जल योजना में मची है लूट

● विकाश कुमार

मुख्यमंत्री के सात निश्चय योजना में हर घर नल जल योजना मुख्य योजना में आता है। मुख्यमंत्री का सपना है कि पुरे बिहार में हर घर में नल का पानी पहुंच जायेगा। नल जल योजना में इससे बड़ी लूट और क्या हो सकती है। जिसे कार्यपालक अभियंता अररिया शंकर दयाल के द्वारा निविदा में खुली धांधली किया गया है। इसका शिकायत आवेदन के द्वारा लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग पटना मुख्यालय बिहार को 27/12/2019 को दिया गया है। जिसमें साफ-साफ कहा गया है कि कार्यपालक अभियंता अररिया के द्वारा निविदा में धांधली की गई है। उदाहरण के तौर पर समाचार पत्रो में बिना विज्ञापन कराये हुए ही निविदा को सिर्फ EPROC पर डाल कर कुछ ठीकेदारों को इक्कठा कर जो मोटी रकम देने को तैयार हुए उनको टेन्डर दिया गया। उनमें कुछ खास NIT में से NIT संख्या 2/R2 भी है। जिसका समाचार पत्रो में विज्ञापन नही डाला गया था। वही दुसरी सबसे बड़ी धांधली बिना निविदा समिती बैठाये 80 प्रतिशत डबल बीड निविदा का निशपादन किया गया है। निविदा समिती की ना तो बैठक की जाती है और नही किसी सदस्य का हस्ताक्षर होता है। जिसकी मुख्य बजह कार्यपालक अभियंता द्वारा मनमाने ढ़ंग से निविदा निष्पादन में देरी कर के ठीकेदारों से मोटी रकम बसूली गई। निविदा समिति बैठक रजिस्टर की जॉच कराई जाये तो सारे तथ्य सामने आ जायेगा। आवेदनकर्ता का कहना है कि निविदा समिति बैठक की जॉच अररिया जाकर औचक निरिक्षण द्वारा ही किया जाये क्योकि कार्यपालक अभियंता को पता लगने पर समिति सदस्यो को

मैनेज कर हस्ताक्षर करवाई जा सकती है। वही जो पुराने व एक्सपीरीयंस संवेदक कार्यपालक अभियंता अररिया को बिना पैसा दिए एग्रीमेंन्ट करवा लिए PHED secretary और D.M. के V.C.व बैठक के प्रेशर की वजह से Agreement हो गया, उन संवेदक को कार्य भुगतान में 1.5 से 2 प्रतिशत का डिमान्ड किया जा रहा है। जो CPET व Independent Engineer द्वारा Quality Work मांगने की वजह से संभव नही हो पा रहा है। यह है नल जल योजना के जमीनी हकीकत। मै इस आवेदन के बारे में जानने के लिए अभियंता प्रमुख-सह-विशेष सचिव दया शंकर मिश्र से 2 से 3 बार मिला। उनका कहना है कि इसकी जॉच के लिए दे दिया हूँ। अब देखना यह होगा कि जॉचकर्ता निष्पक्ष जॉच करते है या इसे लिपापोती करके रिर्पोट देते है।

जल शिखर सम्मेलन के आखरी दिन अर्थात 12 जनवरी 2020 को लोक स्वास्थ्य अभियंता विभाग के सचिव जितेंद्र श्रीवास्तव ने कहा था कि मुख्यमंत्री द्वारा चलायी जा रही हर घर जल योजना अभी तक पूरे बिहार में करीब 90 प्रतिशत वाडों में पहुंच चुकी है जबकी आने वाले महज कुछ ही महीनों में पूरे बिहार में हर घर में नल का जल पहुंच जाएगा। इस प्रकार से बिहार देश का पहला ऐसा राज्य होगा। क्या इस तरह के खुली धांधली से बिहार देश का पहला राज्य होगा? मुख्यमंत्री नितिश कुमार के सात निश्चय योजना में मुख्यमंत्री ग्रामीण पेयजल योजना जनता के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है। जिसका उद्देश्य प्रत्येक घर को वर्ष भर पाईप द्वारा पेयजल उपलब्ध कराना है। ताकी स्वच्छ एवं साफ पीने का पानी हर घर तक नल से पानी पहुँच सके। यह पीने का पानी हर घर तक उपलब्ध कराने का सबसे अच्छा तरीका है। इससे पानी आपके घर के अन्दर लगातार मिलेगा। नल का जल आपके घर तक पहुँचने से घर के बाहर से पानी ढ़ोकर नही लाना पड़ेगा और बाहर से पानी लाने के क्रम में जो पानी के गंदा होने का खतरा रहता है वह भी नही होगा। गंदे पानी से होने वाली बीमारियों से भी बच सकेंगे। हर घर नल के जल उपलब्ध होने से विशेषकर महिलाओं की काफी सहायता हो जायेगा। उन्हें बाहर या घर से दूर जाकर पानी ढ़ोकर नही लाना पड़ेगा। यह जनता के लिए बहुत ही लाभदायक योजना है। परन्तु जिस तरह से कार्यपालक अभियंता द्वारा खुली धांधली किया गया तो इससे तो लगता है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सपना सिर्फ सपना ही रह जायेगा। अब देखना यह होगा कि आलाअधिकारी जॉच के बाद क्या फौसला लेते है। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

सामंती अपराधियों को नीतीश-मोदी की सरकार से मिल रहा संरक्षण : मनोज मंजिल

● गुड्डू कुमार सिंह

भाकपा-माले के नेतृत्व में चालक धीरेन्द्र यादव की हत्या के खिलाफ में आज सुबह 8 बजे से आरा-अरवल मुख्य पथ को पवना में जाम कर दिया गया। जाम स्थल पर लोग हत्यारों के तत्काल गिरफ्तार करने , मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपया मुआवजा देने, आश्रित को सरकारी नौकरी, बच्चों को मुफ्त शिक्षा देने की माँग के नारे लगा रहे थे। पवना थाना से वार्ता विफल होने के बाद घटना स्थल पर एसपी को बुलाने की मांग पर अड़ी है जनता और परिजन। जाम का नेतृत्व भाकपा माले केंद्रीय कमेटी सदस्य मनोज मंजिल, अगिआंव अंचल सचिव रघुबर पासवान, पवना पंचायत समिति सदस्य विष्णु मोहन, माले नेता भोला यादव, जयकुमार यादव, नंद जी यादव, रामनरेश यादव, डॉ विनोद यादव, दामोदर यादव, गुड्डू यादव, राम सुरेश राम, राम कुमार राम, भुवर यादव, विष्णु शंकर और विनोद केशरी कर रहे थे। जाम और जनआंदोलनमें सैकड़ों जनता शामिल थीं। जाम को सम्बोधित करते हुए भाकपा माले केंद्रीय कमिटी सदस्य मनोज मंजिल ने कहा कि बिहार आज सामंती अपराधियों के चंगुल में है। सरेआम लोगों की जाने जा रही है। राज्य में कही दलित-गरीबों, महिलाओं पर हमले जारी हैं। बिहार हत्या, अपराध का गढ़ बन गया और खास कर भोजपुर में लगातार हत्या की घटनाएं हो रही है। अपराधियों के मन में कानून-व्यवस्था का कोई भय नहीं है क्योंकि प्रशासन अपराधियों को सजा दिलाने में विफल है .भोजपुर में अपराधियों -राजनेताओं और प्रशासन का गठजोड़ कायम हो गया है। उन्होंने कहा कि सामंती अपराधियों को नीतीश-मोदी की सरकार में मिल रहा है संरक्षण।

जाम को सम्बोधित करते हुए भाकपा माले अंचल सचिव रघुवर पासवान ने कहा कि नीतीश राज्य से दलितों, गरीबों को उम्मीद थी कि उनकी सरकार में हमे सुरक्षा मिलेगी, लेकिन हो उल्टा रहा है। एक तरफ सामंती अपराधियों के द्वारा उनपर हमले तेज हो गये हैं। उनकी हत्याएं हो रही हैं तो दूसरी तरफ नीतीश सरकार जल-जीवन-हरियाली के नाम पर वर्षों से बसे गरीब दलितों को उजाड़ने का काम कर रही है।

विदित हो कि छोटकी खड़ाव सहार थाना के नासरीगंज-सकड्डी रोड में अशोक राय ने मवेशी लदी पिकअप गाड़ी जो धीरेन्द्र यादव चला रहे थे को रोक कर कहा कि 5000 ते रंगदारी दो। जब धीरेन्द्र ने कहा कि मेरे पास तो मात्र 100 रुपया है ले लीजिए, मुझे धनबाद जाना है मवेशी को लेकर। इसी पर अशोक राय अपने गुर्गों के साथ जबरदस्ती करने लगा और मारपीट करने लगा। इसी पर धीरेन्द्र यादव विरोध करने लगा और चिल्लाने लगा तो अशोक राय ने सटाकर सामने से सिर में गोली मार दी। जिसके चलते धीरेन्द्र की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मृतक का गांव खनेट, थाना-पवना, प्रखंड-अगिआंव, जिला-भोजपुर है। मृतक धीरेन्द्र यादव, उम्र-26 वर्ष, पिता-अमूल यादव, माता-चिंता देवी, मृतक के बच्चे-2 लड़का, आकाश कुमार, उम्र-6 साल, विकास, उम्र-5 साल, लड़की-खुशी कुमारी, उम्र-8 साल, खुशबू कुमारी-7 साल, पिता-गरीब किसान, धीरेन्द्र यादव 3 भाई हैं, शेष दोनों भाई इनसे छोटे हैं। लगभग 6 घण्टे सड़क जाम के बाद जाम स्थल पर पहुंचे। डीएसपी नीतीन कुमार, एसडीपीओ पीरो, प्रभारी एसडीएम, सीओ, बीडीओ और आंदोलनकारियों के बीच वार्ता हुई, जिसमें मृतक के आश्रित को एक लाख रुपये श्रम विभाग से, इंदिरा आवास, उनकी पत्नी को सीट खाली होने पर आंगनबाड़ी में नौकरी, घटनास्थल पर 20 हजार का चेक देने तथा अपराधी को तत्काल गिरफ्तार करने के वादे के साथ सड़क जाम समाप्त हुआ। ●

देशी कट्टा व जिंदा कारतूस के साथ तीन लूटेरे गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

चरपोखरी थाना क्षेत्र के मनैनी बाजार से गुप्त सूचना के आधार पर चरपोखरी थानाध्यक्ष ओम प्रकाश कुमार दलबल के साथ पहुंच मौके पर ही तीन लुटेरे को धर दबोचा, साथ ही बिंगो गाडी को भी जप्त कर लिया गया। थानाध्यक्ष द्वारा बताया गया कि पुलिस वाहन देख लुटेरे भागने लगे लेकिन सैफ जवानों की बहादुरी से लुटेरे को धर दबोचा गया। लुटेरों के पास से देशी कट्टा व जिंदा कारतूस भी बरामद किया गया। बिंगो कार के साथ लुटेरों को गिरफ्तार कर वाहन सहित थाने लाया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि

लुटेरे औरंगाबाद जिले के दाउदनगर थाना के दाउदनगर तालाब मोहल्ले के मुकेश कुमार पिता दिनेश सिंह दुसरे एजाज आलम पिता रहमान इदरीसी मोहम्मद जन्नत पिता अब्दुलदीन व तीसरे रोहतास जिले के करहगर थाना क्षेत्र के बडहरा गाँव निवासी मुकेश कुमार पिता दिनेश सिंह है तीनो को आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया। इसके पूर्व मे दिनांक 2 फरवरी 2020 को रफी गंज से बेककर ले जा रहे थे कि सुनसान जगह देख गाडी ले भागे लेकिन भोजपुर पुलिस की सबसे बडी कमयाबी मिली इसकी सूचना पुलिस अधीक्षक को मिली थी। जिसके आधार पर चरपोखरी पुलिस को कामयाबी मिली। ●

हर्षोल्लास के साथ मना गणतंत्र दिवस

● गुड्डू कुमार सिंह

71वीं गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को देश भक्तिमयी के साथ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा सरकारी और गैर सरकारी कार्यालयों में ध्वारोहन किया गया। रंगारंग कार्यक्रम और झांकियां निकाली गयी। पीरो मुख्यालय अनुमंडल कार्यालय में अनुमंडल पदाधिकारी व डीएसपी कार्यालय में एसडीपीओ अशोक आजाद पीरो थाना परिसर मे थानाध्यक्ष पंकज कुमार झंडा फहराया अगिआंव थाना में थानाध्यक्ष फारुक अहमद ने झंडा को सलामी दी। हसनबाजार ओपी में ओपी प्रभारी शम्भु प्रसाद ने झंडा फहराया इमादपुर थाना में थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने झंडे को सलामी दी सिकरहटा थाना में थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने झंडा फहराया वहीं चरपोखरी प्रंखड कार्यालय में चरपोखरी थाना में थानाध्यक्ष ओम प्रकाश कुमार गुप्ता ने झंडे को सलामी दी। उ०म०वि० सेमरॉव में प्रधानाचार्य जीतेंद्र कुमार पांडेय ने धूमधाम से क्षंडा फहराया आयर थाना परिसर में थानाध्यक्ष विजय प्रसाद ने झंडा को सलामी दी गडहनी प्रंखड कार्यालय में प्रंखड प्रमुख अनिता देवी व प्रंखड विकास पदाधिकारी तेज बहादुर सुमन व अंचलाधिकारी नंद किशोर सिंह उपप्रमुख नजारा खातुन सामजिककर्ता निर्मल कुमार सिंह व सामजिककर्ता मोहम्मद असलम जी, हितेश कुमार सिंह प्रियांका कुमारी आवास सहयक राजीव सुहैल

सीडीपीओ कार्यालय में मधुरिमा प्रसाद पीएचसी अस्पताल प्रभारी डा० रीता शर्मा गडहनी थाना परिसर में प्रभारी थानाध्यक्ष अखिलेश्वर प्रसाद व हिंदी उ०म०वि० गडहनी गढ के प्रधानाध्यापिका कुसुम कुमारी सेंट्रल कॉपरेटिव बैंक के शाखा प्रबंधक बिनोद कुमार प्रसाद दक्षिण ग्रामीण बैंक के शाखा प्रंबंधक विनय कुमार भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रंबंधक मधु कुमारी ने झंडा फहराया तथा समाजिक सेवी मे लोजपा प्रंखड अध्यक्ष सह पूर्व मुखिया श्याम कुमार मिश्र डाक्टर अकबर अली जदयू प्रंखड अध्यक्ष अवधेश पांडेय गडहनी पंचायत के जदयू पंचायत अध्यक्ष अली इमाम अमजद हुसैन समिति रंजन सिंह बडौरा पैक्स अध्यक्ष राजनाथ सिंह पूर्व राजद अध्यक्ष देवेंद्र यादव व राजद प्रंखड अध्यक्ष मोहम्मद रफी रिजवी डाक्टर पीएन सिंह जनसहकारी कॉलेज के प्राचार्य सह सचिव डा०ऐ०के० पंकज बगवां कुणाल बीडी राय कॉलेज के अध्यक्ष डा०नवल किशोर राय ने झंडा फहराया इसी तरह के ग्रामीण क्षेत्रों में झंडा फहराया गया। उ०म०वि० पहरपुर के प्रधानाचार्य राघो राम बडौरा मुखिया पंचायत भवन मे शारदा देवी व मुखिया पति चंदन कुमार चौधरी व बलिगांव मुखिया सुनील पाल डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य अभय कुमार ने झंडा फहराया गया। वहीं अगिआंव प्रंखड कार्यालय में प्रमुख मुकेश कुमार यादव व प्रखंड विकास पदाधिकारी कलावती देवी ने झंडा फहराया। पवना थाना परिसर में थाना प्रभारी क्रांति रमण ने झंडा फहराया पवना पंचायत के पूर्व मुखिया बृदानंद सिंह ने झंडा फहराया नारायणपुर थाना परिसर में थानाध्यक्ष निकुंज भूषण व सहार थाना परिसर में हरेंद्र कुमार सिंह अगिआंव राजकीय बुनियादी विधालय में प्रधानाचार्य केदार नाथ तिवारी सहायक शिक्षक विनय कुमार मिश्र व विपीन कुमार तिवारी ने झंडा फहराया गया। संदेश थाना परिसर में थानाध्यक्ष सुदेह कुमार ने झंडा की सलामी दी चौरी थाना परिसर में थाना प्रभारी राजकिशोर सिंह ने झंडा फहराया, उदवन्तनगर थाना कार्यालय मे थानाध्यक्ष नंद किशोर राय व गजराजगंज ओपी अध्यक्ष मनीष कुमार अजिमाबाद थाना परिसर थानाध्यक्ष प्रभात कुमार व अगिआंव बाजार थाना कार्यालय मे फुरुकान अहमद व पवना थाना कार्यालय मे थानाध्यक्ष कांति रमण ने झंडे फहराया व हसन बाजार ओपी अध्यक्ष मे शम्भु प्रसाद ने झंडे की सलामी दी। इसी तरह सभी जगहों पर धूमधाम से झंडा फहराया गया। ●

सीडीपीओ ने किया विभिन्न केन्द्रों का निरीक्षण

● गुड्डू कुमार सिंह

गड़हनी प्रंखड अंतर्गत बाल विकास परियोजना पदाधिकारी मधुरिमा प्रसाद द्वारा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर टीएचआर वितरण सहित शैक्षणिक कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परियोजना पदाधिकारी मधुरिमा प्रसाद ने बताया कि प्रखंड के बलिगाँव पंचायत के बलिगाँव के विभिन्न केंद्रो का निरीक्षण किया गया साथ ही टीएचआर का वितरण केन्द्र संख्या 51 लालगंज, 48 बलिगाँव पूर्वी , 49 बलिगाँव उतरी, 46 बलिगाँव पश्चिमी पर मात्र दो बच्चे टीएएचआर के लिए मात्र 5 लाभूक उपस्थित जबकि टीएचआर वितरण का समय 12 बजे निर्धारित होने के बावजूद भी लाभूकों की संख्या मे कमी पाई गई साथ ही उपस्थिति पंजी भी संधारित नही,घोर अनियमितता को देखते सेविका से राशि की वसूली एवं चयनमूक्ति की अनुशंषा की जायेगी। केन्द्र संख्या 38 के केन्द्रों का निरीक्षण

किया गया है। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र पर सेविका द्वारा उपस्थित लाभुको के बीच नियमानुसार टीएचआर वितरण किया गया है। स्कूल पूर्व शिक्षा कार्य भी दुरुस्त पाया गया।निरीक्षण के दौरान वितरण में कोताही व कार्य में कमी पाये गये आंगनबाड़ी के संबंधित जिम्मेवार सेविकाओं एवं सहायिकाओं को निर्देश दिया गया कि केन्द्रों पर उपस्थिति दर्ज कराया जाये अन्यथा आपके बिरुद्ध करवाई किया जाएगा। साथ ही निरीक्षण के दौरान बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ने उपस्थित सेविका सहायिका को उचित दिशा निर्देश देते हुए वच्चो से भी अन्य बिंदुओं पर पूछताछ किया। उन्होंने कहा कि सेविका शैक्षणिक माहौल के साथ समाज में उचित दिशा निर्देश देने का प्रयास करें ताकि समाज को सार्थक रूप दिया जा सके। अन्य केन्द्रों पर स्थिति सामान्य पाया गया साथ ही टीएचआर का वितरण किया गया। ●

शिक्षक कर रहे छात्रों के भविष्य से खिलवाड़

● गुड्डू कुमार सिंह

गड़हनी प्रंखड अन्तर्गत बराप पंचायत के रामडिहरा मध्य विधालय जाँच के दौरान बंद पाया गया। मिली जानकारी के आधार पर जब रामडिहरा बिद्यालय पहुंचा गया तो शनिवार को साढे ग्यारह बजे ही विद्यालय बंद मिला। रामडिहरा गांव के ग्रामीणों ने बताया कि इस स्कूल की यही स्थिति है। यहाँ शिक्षक कभी भी समय से नहीं आते। शिक्षकों का आने जाने का कोई समय नही है जब मन में आया आये जब मन मे आया चल दिये। बता दें कि यहाँ पढ़ने वाले छात्र छात्राओं का भविष्य अन्धकारमय हीं है। अधिकांश अभिभावक अपने बच्चों को गड़हनी प्राइवेट विद्यालय में पढ़ाने को मजबूर हैं। शिक्षक जहाँ गुरु के श्रेणी में आते हैं जिन्हें हम पथ प्रदर्शक मानते हैं जो अन्ध कार से निकाल कर प्रकाश की ओर ले जाता है, वही आज अपने स्वार्थवश बच्चों के भविष्य से खेल रहा है। सरकार कहती है कि हम शिक्षा के प्रति कोई लापरवाही बर्दाश्त नही कर सकते और

शिक्षक कहते हैं कि हम शिक्षा को ही जड़ से उखाड़ फेकेंगे। अब देखना ये है कि इसमे जीत किसकी होती है।

विद्यालय के कार्य प्रणाली मे बदलाव आता है सरकार की नीतियों में। शिक्षक अपने वरीय पदाधिकारियों को अपने मुट्ठी में रखते हैं। वरीय पदाधिकारियों की ओर से सब कुछ जानते हुए भी कोई कार्यवाही नहीं की जाती है, इसके पीछे क्या रिजन हो सकता है विचार करने वाली बात है। छात्रों का शोषण आखिर कब तक होता रहेगा? इसका जबाब कौन देगा, सरकार या वरीय शिक्षा पदाधिकारी या फिर शिक्षक? भोजपुर जिले के अधिकांश बिद्यालय प्रधानाचार्यो की मर्जी से चल रही है। जब प्रधानाचार्य ही कहते हैं कि हमारा कोई भी वरीय अधिकारी कुछ नहीं बिगाड़ सकेंगे तो फिर आगे कुछ कहने को रह ही क्या जाता है।

वैसे नीतीश सरकार में बेटी पढाओं बेटी बचाओं की योजना चल रही है लेकिन सब कुछ फाईलो तक ही सिमट कर रह गई है। छात्रों ने बताया कि शिक्षक समय से पहले ही गायब हो जाते हैं कभी कभी तो दो से चार दिन विधालय नहीं आते है। विधालय में मध्याह्न भोजन कभी नहीं बनता है। यही खेल सालो से चलता आ रहा है।●

पीरो लौहियां चौक पर प्रधानमंत्री का पुतला फूका

● गुड्डू कुमार सिंह

तरारी विधानसभा के पीरो मुख्यालय के आरा सासाराम मुख्य मार्ग लोहिया चौक पर प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला दहन किसान कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मति रेणु सिंह के नेतृत्व में किया गया। जिसका मुख्य मुद्दा था प्याज के बढ़ती कीमत एवम बक्सर के बेटी जिसका बलात्कार कर निर्मम हत्या कर दी गई उसे इंसाफ दिलाना। श्रीमति रेणु सिंह ने कहा कि आज देश मे प्याज से भी सस्ती बेटियां हो गई हैं क्योंकि हर दूसरे दिन भाजपा सरकार में किसी न किसी के बेटी के आबरू के साथ खिलवाड़ हो रहा है। बक्सर के बेटी की हत्या के कुछ ही दिन पहले ओडिसा में एक महिला को लिफ्ट देने का बहाना कर उसे पुलिस क्वार्टर ले जाकर बलात्कार किया गया जबकि उसके भी ठीक पहले हैदराबाद की बेटी को हैवानियत के दरिंदों ने जलाकर मार डाला था। जिश्म के घाव गिनकर हकीकत तुम जानोगे? वो एक सेकंड में सौ बार मरी थी तुम मानेंगे। रेणु सिंह ने मोदी सरकार पर तंज कसा की काश हमारी सरकार की भी कोई बेटी होती तो इनका दर्द शायद वो समझ पाते। यह घटनाएं एक के बाद एक थमने का नाम ही नही ले रहा है। सरकार को बलात्कारियों

के खिलाफ नई कानून लानी पड़ेगी जिससे फास्ट ट्रैक कोर्ट में जल्द से जल्द निर्णय लेकर फांसी की सजा दी जाय। भोजपुर के अल्पसंख्यक विभाग कांग्रेस के जिला अध्यक्ष जमील खान ने कहा कि महंगाई आज लोगों का कमर तोड़ रखा है आज के किसान और गरीब लोग प्याज को बिना कटे ही आंसू बहा रहे हैं। यही मोदी जी ने अपने 2014 के भाषण में कहा था कि अब प्याज के लिए भी लॉकर खुलवानी पड़ेगी तो आज उनकी सरकार में सचमुच औरतों को अपने जेवर गिरवी रख घर चलानी पैड रही है। सीनियर सिटीजन के अध्यक्ष मुज्जबुर रहमान ने कहा कि जिस महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार पर लंबे लंबे भाषण देकर भाजपा ने अपनी सरकार बनाई वही सरकार आज अपने कान में रुई डालकर सो रही है। इस कार्यक्रम में पिरो के प्रखंड अध्यक्ष सलामू अंसारी उर्फ गुड्डू, इस्तेखार खान, महाबीर यादव, मेराज खान , किसान कांग्रेस के भोजपुर जिला के महासचिव अभिषेक सिंह, रुद्रदत्त पांडेय, कुदुस खान, अली अहमद, चितरंजन, इरफान खान,निखिल पांडेय, रंजन यादव, अजय यादव, प्रद्युम कुमार मोदी, प्रिंस डॉन,एवम सैकडों लोग उपस्थित रहे। ●

फर्जी पत्रकार को शिक्षकों ने किया थाने के हवाले

मध्य विद्यालय संहगी मे दिनांक 22/1/ 2020 को सहायक शिक्षक द्वारा निष्ठा प्रशिक्षण बीआरसी गडहनी मे आया था तभी विद्यालय के सहायक शिक्षक गौतम कुमार द्वारा अपने मोबाइल से फोन कर बताया गया कि आज तक चैनल के दो पत्रकार जैसा कि उनके द्वारा बताया गया नशा मुक्ति बाल विवाह दहेज प्रथा एवं नल जल जीवन हरियाली पर समीक्षा करने हेतु मुख्यमंत्री द्वारा आपके स्कूल पर भेजा गया है। उसमें से एक आदमी जिसका नाम विजय कुमार सिंह पिता का नाम भरत सिंह ग्राम भेल डुमरा थाना आरा मुफस्सिल उसी फोन से जल जीवन हरियाली के बिंदु पर जायजा लिया गया

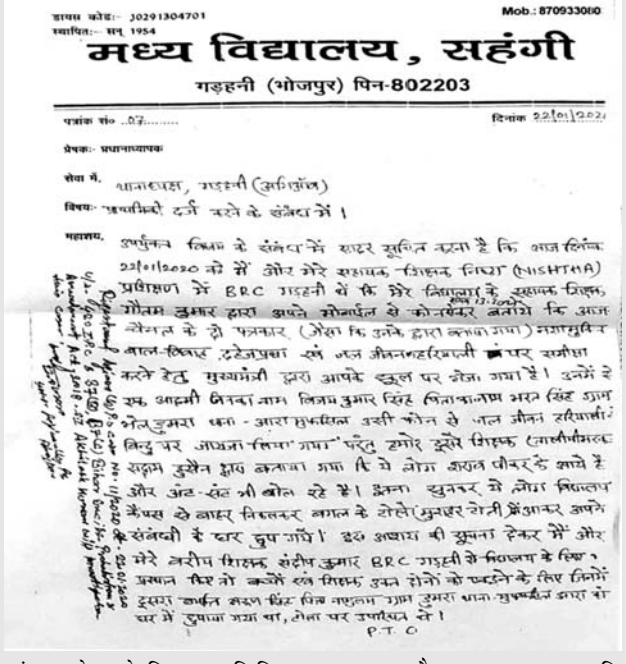

डायस कोड:- 10291304701 Mob.: 8709330100
स्थापित:- सन् 1954

मध्य विद्यालय, सहंगी

गड़हनी (भोजपुर) पिन-802203

पत्रांक सं० ..07..... दिनांक 22/01/2020

प्रेषक:- प्रधानाध्यापक

सेवा में, थानाध्यक्ष, गड़हनी (अतिरिक्त)

विषय:- प्राथमिकी दर्ज करने के संबंध में।

महाशय, उपर्युक्त विषय के संबंध में सादर सूचित करना है कि आज दिनांक 22/01/2020 को मैं और मेरे सहायक शिक्षक निष्ठा (NISHTHA) प्रशिक्षण में BRC गड़हनी में कि मेरे विद्यालय के प्रधानाध्यापक गौतम कुमार द्वारा अपने मोबाईल से कोनर्वेर बताये कि आज चैनल के दो पत्रकार (जैसा कि उनके द्वारा बताया गया) नशामुक्ति बाल-विवाह दहेजप्रथा एवं नल जीवन हरियाली पर समीक्षा करने हेतु मुख्यमंत्री द्वारा आपके स्कूल पर भेजा गया है। उनमें से एक आदमी जिसका नाम विजय कुमार सिंह पिता का नाम भरत सिंह ग्राम भेल डुमरा थाना - आरा मुफस्सिल उसी फोन से जल जीवन हरियाली बिंदु पर जायजा लिया गया परंतु हमारे दूसरे शिक्षक तालिमिमरकज सद्दाम हुसैन द्वारा बताया गया कि वे लोग शराब पीकर आये हैं और अंट-संट भी बोल रहे हैं। इतना सुनकर वे लोग विद्यालय कैंपस से बाहर निकलकर बगल के टोले मुसहर टोली में आकर अपने संबंधी के घर छुप गये। इस आशय की सूचना देकर मैं और मेरे वरीय शिक्षक संदीप कुमार BRC गड़हनी से विद्यालय के लिए प्रस्थान किए तो बच्चों एवं शिक्षक उक्त दोनों को पकड़ने के लिए जिनमें दूसरा व्यक्ति अरुण सिंह पिता नामुलम ग्राम डूंगरा थाना मुफस्सिल आरा को घर में छुपाया गया था टोला पर उपस्थित थे मैं भी वहां गया और शिक्षकों तथा बच्चों के सहयोग से विजय कुमार को पकड़ लिया जबकि दूसरा कहीं छिप गया पुलिस अधिकारी तथा पुलिस बल के सहयोग से विजय कुमार सिंह को थाना पर पकड़ कर लाया गया मेरा दावा है कि दोनों व्यक्ति शराब के नशे में गलत परिचय देकर गलत उपेक्षा लेकर विद्यालय में गए थे जिसकी सूचना वहां के प्रधानाध्यापक मनजीत सिंह ने दिया उस पूरे घटना के क्रम में मौजूद शिक्षकों का नाम इस तरह है गौतम कुमार पिता स्वर्गीय दशरथ प्रसाद ग्राम अनांइट थाना नवादा सद्दाम हुसैन पिता तयुब दीन ग्राम पोस्ट महंगी संदीप कुमार प्रखंड शिक्षक पिता स्वर्गीय रामाशंकर राय ग्राम पोस्ट उमरपुर जिला बक्सर। **रिपोर्ट :- गुड्डू कुमार सिंह**

डांसर बनाने के लिए बेची गई लड़कियां

सासाराम से मानव तस्करी का पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है. बार डांसर बनाने के लिए बेची गई 7 लड़कियों को पुलिस ने बरामद किया है. छत्तीसगढ़ और झारखंड से 7 लड़कियों को लाकर बेचा गया है. रोहतास पुलिस सभी लड़कियों को बदमाशों की चंगुल से आजाद कर उनसे पूछताछ कर रही है.आर्केस्ट्रा वालों से बेची लड़कियां घटना रोहतास जिले के बिक्रमगंज थाना इलाके की है. जहां पुलिस ने बदमाशों के चंगुल से आधा दर्जन से अधिक लड़कियों को आजाद कराया है. इन लड़कियों को रेस्टोरेंट में काम करने के नाम पर बुलाकर एक- एक लाख में आर्केस्ट्रा वालों से बेच दिया गया था. मुक्त कराई गई लड़कियां छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर, ककनेशा, कोरिया और बाजरा की हैं. पीड़ित लड़कियों ने बताया कि उनके जान पहचान के राजकुमार, महेश कुमार और अमित नाम के युवक ने रेस्टोरेंट में काम कराने के नाम पर लाकर आर्केस्ट्रा वालों से बेच दिया था। तथा गंदा काम कराने का दबाव बिक्रमगंज थाना में पोस्टेड दारोगा रमेश कुमार ने बताया कि बरामद लड़कियों में झारखंड के गढ़वा जिले के भंडरिया थाना की भी एक लड़की शामिल है. लड़कियों को रेस्टोरेंट में काम दिलाने के नाम पर लाकर दुर्गा देवी नाम की एक महिला के हाथों बेच दिया था. झारखंड की एक लड़की को 27 दिसंबर को लाया गया, जबकि छत्तीसगढ़ की छह लड़कियों को इसी 5 जनवरी को लाकर यहां रखा गया था।

☞ **एक लड़की भागकर पहुंची थाने :-** पुलिस ने बताया कि इस मामले का खुलासा तब हुआ जब जब लड़कियां भागकर थाने पहुंची. लड़कियों ने बताया कि उन लोगों से गंदा काम करने के लिए भी दबाव बनाया जा रहा था. बताया जा रहा है कि एक लड़की भागकर थाने आई थी. उसकी सूचना के आधार पर पुलिस ने फौरन रेड मारते हुए बाकी की 6 लड़कियों को भी आजाद कराया. पुलिस ने महिला धंधेबाज दुर्गा देवी और उसके 3 साथियों को भी अरेस्ट किया गया. सभी लड़कियों को मेडिकल के लिए सासाराम हॉस्पिटल में लाया गया है. पुलिस ने बताया कि बरामद लड़कियों को उनके घर भेजने की प्रकिया में पुलिस जुटी हुई है। **रिपोर्ट :- गुड्डू कुमार सिंह**

अपराधी अजय डोम के झूठे केश से फंसा प्रशासन

● श्रवण कुमार चंचल

महाभारत काल में दु:शासन ने द्रोपदी का चिर-हरण कर जिस तरह से धर्म व इज्जत पर अंतिम धावा बाल दिया था और गौरव वंश का विनाश भी नजदीक ले विनाश के गोद में बैठ, विनाश भी करा लिया। ठीक उसी तरह से आज आधुनिक युग में प्रशासन पैसा खा कर झुठे केस लिख कर प्राथमिकी दर्ज व सत्यापन भी कर कोर्ट तक पहुँचाकर अपने फंसने से बचने के लिए न्यापालिका के इमानदारी पर झुठा का ठपा लगा, चिर-हरण करा दे रहे हैं जिस पर न्यायपालिका को सख्त होने की अतिशीघ्रताशीघ्र जरूरी है नहीं तो प्रशासन पर से जनता की उठी विश्वास अब न्यायपालिका पर से उठ सकती है विश्वास?

कहिए मत समझने की जरूरत है? सुशासन, सुशासन, सुशासन की डंका इतना जारों से बिहार में नीतिश सरकार की बज रही है कि जनता को सुनते-सुनते कान ही पक गई है। सुशासन में विकास का हवा जितना बनाया जा रहा है। वो हवा उतना ही नहीं सारा का सारा हवा टॉय-टॉय फीस हो गया है। अपराध चरम सीमा पर है। अपराधी खुलेआम घुम रहे हैं पुलिस के रेकार्ड में अपराधी है फिर भी निर्दोष लोगों व किशोरों को अपराधी बनाया जा रहा है। सोयी सरकार न्यायपालिका तक को सुला दी है। भ्रष्टाचार, आतंक, अपराध, चोरी-डकैती, गाड़ी छिनतई इत्यादि-इत्यादि से पुन: एक बार गड़हनी थानांतर्गत क्षेत्र की जनता त्रस्त हो चुकी है, जिसका जीता जागता नमूना अगिआँव ग्राम से उठकर चिनगारियों से लगे आग पूरे क्षेत्रों को हवन करने में कोई कसर नहीं छोड़ रखा है। जो प्रस्तुत है:- अगिआँव ग्राम के एक ही घर के सभी परिवार पुलिस के रिकार्ड में अपराधी है जो स्व. ललन डोम सहित सारे परिवार लूट, डकैती, अपहरण, फिरौती, ट्रेन डकैती व पॉकेट मारी में निपुन है। इनकी इतनी चलती है कि जनता नाम सुनते ही थर्राती है। प्राप्त सूत्रों के अनुसार जहाँ कहीं से लूट की माल आते है अगर बराबरी की हिस्सा नहीं लगा तो आपस में भारी भिड़ंत भी कर केस भी थाने में दर्ज करा लेते हैं। आपस में पट गया तो सब ठीक हो जाता है कोई कानों कान तक नहीं जान पाते हैं। ठीक उसी तरह से उस स्व. ललन डोम के घर में आपसी विवाद बढ़ते गया जो लूट का माल बंटवारा का कारण बना कि 14.12.18 को उनके बड़े बेटे व छोटे बेटों में जमकर मार हो गया व थाने में इस मामला का केस भी दर्ज हो गया। मार हुआ उनमें और दो निर्दोष, बेकसुर किशोरों (पढ़ने वाले लड़के उम्र 16-17 वर्ष) को फंसा दिया गया। गोविन्द कुमार पिता-मंटू राय और गौरव कुमार, पिता-हरेन्द्र राय (प्राथमिकी दर्ज के अनुसार) ये डोम सभी अपराधी के रिकार्ड में हैं जो आर.टी.आई. से प्राप्त सूचना के आधार पर है। इन डोमों से न इनके कोई पूर्व की दुश्मनी भी है और इनका इनसे दुश्मनी का रिकार्ड भी पुलिस के पास भी नहीं है। उस केस के अनुसार भारी डकैती लूट पॉकेट मारी ट्रेन डकैती पॉकेटमारी की सरगना चलाने वाला, अन्डर वर्ल्ड अपराधी, हिरोइनची अजय डोम द्वारा कहा गया है कि दोनों ने कहा कि मार दो हम देख लेंगे न ही इनका कोई उनसे केस दर्ज के पूर्व की दुश्मनी ही है और न ही दोनों कोई भारी अपराधी भी है। तो उनके खुद के आपसी विवाद में ये कहाँ से वहाँ उपस्थिति हुए। क्या स्काई लैंड से उड़कर चले आयें। ये वहाँ रहते ही नहीं है। इनका समय अधिकतर पढ़ने में बितता है। ये उन डोमों जैसा कैरेक्टरलेस भी नहीं है। तो ये केस में दी गई ब्यान अजय डोम द्वारा सीधे तौर पर झुठा प्रतीत होता है और झुठे ढंग से इन किशोरों को फंसाया गया है। फिर भी जब मंटू राय को इस बात की पता चलती है तो वे पाँच लोगों को पंच बनाकर साथ मिलकर उन डोमों से समझौता कर लेते हैं। इस बारे में पुलिस से आर.टी.आई. के तहत केवल सच पत्रकार द्वारा जानकारी लिया गया तो पुलिस को पता ही नहीं है और तो और पुलिस कहती है कि समझौता करने वक्त मंटू राय ने पुलिस को सूचना नहीं दिये थे, कितना निसक्रिय है सुशासन की पुलिस? वाह रे सुशासन की दुशासन बनी पुलिस? तुम्हें वर्दी किसने पहना दिया? ऐ सुशासन की प्रशासन अभी तुम्हें प्रेमचन्द के लिखित कहानी नाम के दारोगा से सिख लेने की जरूरत है अभी बहुत पीछे हो। आरक्षण वाले क्या संरक्षण देगें ईमानदार व निर्दोष लोगों को इस पर न्यायपालिका महोदय को चंचलता दिखानी होगी तभी न्यायपालिका की ईमानदारी पर बंटाधार नहीं लगेगी।

जब उक्त अजय डोम केस करने गया तो केस दर्ज हो गया और एक इन्सान सीधा-साधा समझौता करने गया तो पुलिस को सूचना देना पड़ेगा। जबकि उसके दोनों बेटे नहीं थे। इनके दूसरे जगह रहने के ढेर सारे सबूत भी मौजूद है। पुलिस केस लिखना जानती है और खबर लेना नहीं जानती है। इसमें जरूर कुछ राज छिपा है। यानी पैसे पर केस दर्ज हुआ है। चाहे झुठ ही क्यों न हो। सच्चाई को पुलिस दबाती है और झुठाई को सच्चाई बनाती है बाकी जनता की परेशानी से पुलिस को मतलब ही नहीं दिखती है। मंटू राय के समझौता करने के बाद पुन: 16.12.18 को ललन डोम की हत्या कर दी जाती है। तो पुन: मंटू राय के नावालिक किशोर लड़का गौरव कुमार को प्रथम और द्वितीय सरवन राय के नावालिक किशोर लड़का गौतम कुमार को उसके बाद और नौ डोमों का नाम केस में दर्ज किया गया है। जबकि ये दोनों थे ही नहीं यहाँ सोचने की बात है समझौता करने के बाद और सरवन राय का बेटा यहाँ रहता ही नहीं है, जिनका बाहर रहने का कार्य करने, पढ़ने का सी.सी.टी.वी. कैमरा सहित और भी प्रुफ है। तो फिर उन डोमों के आपसी विवाद में जाने की व ललन डोम की हत्या में जाने की सवाल ही कहाँ पैदा होता है। गुप्त सूत्रों से प्राप्त खबर के अनुसार ललन डोम के घर में आपसी चोरी डकैती के माल बंटवारे में हुई विवाद ने ललन डोम के छोटे बेटों ने अपने बड़े भाई हलचल डोम को मार कर पैर तोड़ दिया, जिसके गुस्से में आकर हलचल डोम के लड़का सनी डोम ने अपने बालिक रिश्तेदारों को बुलाकर अपने बाबा की शर्मनाक हत्या करा दी। इस मौके का लाभ उठाकर अजय डोम पैसा कमाने के लालच में मंटू राय के नावालिक किशोर लड़के व सरवन राय के बालिक किशोर लड़के का नाम केस में दर्ज करा दिया। इन सभी परिवारों को जान से मारने की धमकियाँ भी दी जा रही है। घर में डकैती भी कराया जा सकता है। पुलिस निष्क्रीय है यहाँ यह बताते चले कि ये ललन डोम के सभी परिवार अपराधी है। इनका चोरी डकैती ट्रेन में पॉकेटमारी करने की बहुत ही दिनों से गुप्त भारी सरगना चलती है। जिससे अगिआँव गड़हनी रोड में व आरा-सासाराम रेलवे में व बक्सर-पटना तक के सभी ट्रेनों में हाथ की सफाई से जनता भारी परेशानी में रहती है। जिनका प्रशासन के कानों तक थोड़ा भी जू भी नहीं रेंगता ये जाने क्यों?

अजय डोम अगिआँव के लहरपा हरिजन स्कूल में फर्जी सर्टिफिकेट पर फर्जी ढंग से बहाल होकर शिक्षक बन बच्चों को पढ़ाने का काम भी करता है, जिससे संबंधित आर.टी.आई. से अगिआँव प्रखंड विकास पदाधिकारी सह लोक सूचना पदाधिकारी से पूछा गया तो जवाब नहीं मिला है जो राज्य सूचना आयोग तक अपील में भी है। इधर अगिआँव (गड़हनी) थाना के लोक सूचना पदाधिकारी-सह-थानाध्यक्ष से जब आर.टी.आई. के तहत पूछा गया कि किस आधार पर केस दर्ज किया गया क्या कारण है और जाँच कब तक किया जाता है तो जवाब में मिला है कि अजय डोम के लिखित आवेदन के आधार पर केस दर्ज किया गया है। जाँच के बारे में पुलिस ने नहीं बताया है। अगर पुलिस किसी के द्वारा दिये गये आवेदन पर भी केस दर्ज कर कोर्ट तक

पहुँचा सकती है, चाहे झुठा ही क्यों न हो इसके अंतर्गत पुलिस अपने को फंसने से बचने में अजय डोम को फंसा दिया व पुलिस भी फंस गई है। इससे सीधे साफ-साफ सच्चाई सामने आ रही है कि उन डोमों के आपसी विवाद में ये जान-बुझकर गरीब लोगों से पैसा ऐंठने के चक्कर में प्रशासन ने अजय डोम के झुठे लिखित आवेदन पर इन उक्त नावालिक किशोरों को फंसाने का काम किया है। केवल सच पत्रकार ने इसकी पड़ताल अगिआँव ग्राम को छोड़ बाहरी गाँवों से गुप्त ढंग से किया, जिसमें प्राप्त सूचना के आधार पर बताया गया है कि पुलिस की सख्ती के चलते इनका अब कहीं चोरी-डकैती, पॉकेमारी बहुत कम मात्रा में हो रही थी, जो इस तरह से अपने में मारपीट कर हत्या कर कमाने के लिए दूसरों को फंसाने का धंधा अपना लिये हैं, जिससे इनका कमाई हो सके। इधर सूत्रों से खबर के अनुसार यह खबर छपने तक अजय डोम के सभी भाई-औरतों व उसके माँ द्वारा खुलेआम हिराइन, चरस, अफीम, अगिआँव ग्राम सहित आस-पास के गाँवों में धड़ल्ले से बिक्री किया जा रहा है। जिसपर गड़हनी थाना द्वारा कोई भी अभी तक कार्यवाई नहीं किया गया है। इनके द्वारा धड़ल्ले से हिरोइन, अफीम के बिक्री से बेरोजगार युवक हिरोइन अफीम के लगे लत से अपने घर में चोरी भी करने लगे हैं। इनके इस तरह के रवैया से जनता में भारी खलबली मची है। ●

सुशासन में अगिआँव केन्द्र कर्मियों की चल रही रंगदारी

● **श्रवण कुमार चंचल**

नीतीश सरकार की सुशासन की धज्जियाँ उड़ाने में सरकारी कर्मचारी कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। एक तरफ प्रशासन आँख मिचोली खेल रही है, गुप्त ढंग से बेचने वाले दारू तस्करों के साथ तो दूसरे तरफ स्वास्थ्य कर्मी सहित ए.एन.एम., लेखपाल अपने रंगदारी से जनता को परेशान कर एन मौके पर दवा के लिए ठेंगा दिखा, भगा दी देते हैं।

आप एक बार जरूर अगिआँव प्रखंड कार्यालय के ठीक पीछे उत्तर साइड में स्वास्थ्य केन्द्र में जाएं और दवा के लिए कहें तो आपको कोई दवा उपलब्ध नहीं मिलेगा। जबकि आरा सरकारी दवा स्टोर में रिपोर्ट के मुताबिक बहुत तरह के दवा इस स्वास्थ्य केन्द्र में आता है पर यहाँ जाने क्या हो जाता है पता ही नहीं चलता है। दवा में यहाँ पानी, आयरन, विटामिन, कुत्ता काटने पर दी जाने वाली दवा, रूई, सूई इत्यादि 2 रूमों में बंद रहता है पर जब जरूरत पड़ता है तो दूसरे दुकानों से रोगियों को लेना पड़ता है एक दिन अचानक केवल सच पत्रकार ने स्वास्थ्य केन्द्र गया और खाँसी का सीरप माँगा तो एक स्वास्थ्यकर्मी ने कहा कि सीरप नहीं है। फिर पुछा की आरा तो होगा, मँगा दीजिए साहब तो उसने सीधे कहा कि भोजपुर जिला के किसी स्वास्थ्य केन्द्र में ही नहीं है। लेकिन स्वास्थ्य केन्द्र में ए.एन.एम. रेखा देवी को जब नजर पड़ा तो सब सतर्क कर दिया कि यह पत्रकार है चेक करने आया है, उस व्यक्ति को भी बता दिया। फिर मैं धीरे से वहाँ से निकल गया। इस स्वास्थ्य केन्द्र में सरकारी नियमों का खुलेआम धज्जियाँ उड़ाई गई है। किसी भी ए.एन.एम. चिकित्सा पदाधिकारी लेखपाल तीन वर्ष से अधिक पदस्थापित नहीं रह सकते इनका तबादला होना चाहिए पर सुत्रों से खबर के अनुसार कोई सी.एस. से ऊपर पदाधिकारी हैं उन्हें अधिक-2 पैसा घुस में देकर अपना नौकरी में समय बढ़वा कर ये इस स्वास्थ्य केन्द्र में रह जा रहे हैं और कानून सहित सुशासन की छवि को धूल में मिला रहे हैं। गुप्त सूत्रों से जानकारी के मुताबिक दवा जब छिपाये-2 डेट फल होने लगते तो उसे उचित जगह पर आगों में हवन कर दिये जाते हैं ताकि किसी को वो स्पायर दवा हाथ न लग सकें। यहाँ यह भी सूचना मिला है कि ज्यादा दिन से इन स्वास्थ्य केन्द्र में ए.एन.एम. रेखा कुमारी हैं जो रोगियों पर रोबाब भी दिखाती है और धमकी भी देती है स्टोर में दवा रहते भी ये दवा दुकानों से खरीदने को कहती है। केवल सच के पत्रकार ने आर.टी.आई. से सूचना माँगा अगिआँव स्वास्थ्य केन्द्र के लोक सूचना पदाधिकारी से तो सही ढंग से सूचना नहीं दिया गया है, सूचना में सभी ए.एन.एम. व लेखपाल पदस्थापित स्थान व मो. नं.- ही दिया गया है बाकि उपस्थिति पंजिका दवा, कम्पलेन, कार्यवाई से संबंधित कोई सूचना नहीं दिया गया। जिसपर प्रथम अपील किया, भोजपुर सिविल सर्जन के पास, जो डेट दिया गया, तो 11.01.2020 को मैंने प्रतिनिधि को भेजा। मेरे प्रतिनिधि को धमकी दिया गया फोन से प्रतिनिधि बात करने को सी.एस. से कहा तो कहा कि कहीं आप दाउद इब्राहिम से तो नहीं बात करा देंगे। आप यहाँ से सीधे चले जाइये। फिर भी कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराया गया। तब द्वितीय अपील और एक प्रतिनियुक्त प्रतिनिधि के साथ सी.एस. द्वारा दुर्व्यवहार करे की कार्यवाई बिहार राज्य सूचना आयोग को 22.01.2020 को किया गया है। अब देखना है आगे की राज्य सूचना आयोग बिहार की सुशासन की धज्जियाँ उड़ाने वाले अगिआँव स्वास्थ्य केन्द्र के लोक सूचना पदाधिकारी सहित भोजपुर के सी.एस. पर सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत धारा 18-19 के अंतर्गत कौन सी कार्यवाई की जाती है। अतएव बिहार के सुशासन के शासन में ऐसे बैठे राक्षसों पर त्वरित जाँच कर कार्यवाई की जानी चाहिए ताकि सुशासन की छवि मिट्टी में मिलने से बच सकें। ●

बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़

टाउन थाना पुलिस की टीम ने मंगलवार को बाइक चोर गिरोह का उद्भेदन किया है।इसकी जानकारी एएसपी अमरीश राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी कि 17 दिसंबर को टाउन थाना क्षेत्र के रजिस्ट्री मुहल्ला निवासी मो. खुर्शीद राईन की बाइक चोरी हो दर्ज कराया गया था। इस मामले मे पुलिस अधीक्षक टीम का गठन किया गया था। टीम ने अलग-अलग को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार सदस्यो में चांदी का पुत्र नीतीश कुमार और गडहनी के बड़ौरा निवासी वर्तमान में शहर के धरहरा में चालान चेक करता है।

ऑफिस के सामने सड़क से शहर के भलुहीपुर गई थी। इस सिलसिले में नगर थाना में कांड के द्वारा आरा नगर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एक स्थानों पर छापेमारी कर गिरोह के दो सदस्यों थाना क्षेत्र के नरबीरपुर गांव निवासी धर्मेंद्र सिंह विनय यादव के पुत्र विकास यादव है। विकास छापेमारी दल में नगर थाना इंचार्ज जन्मेजय राय, पुसअनि पुण्यदेव प्रसाद, क्रॉस मोबाइल के जवान बृजराज कुमार, अजय कुमार, पिंटू चौहान, आजाद आलम, चालक सुकेश कुमार, सशस्त्र बल के जवान राजकिशोर यादव, रघुनंदन प्रसाद, अमिरी सिंह एवं विक्रांत कुमार है। **रिपोर्ट :- गुड्डू कुमार सिंह**

अररिया में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

● अब्दुल कय्युम

अररिया जिला मुख्यालय सहित विभिन्न प्रखंडों में गणतंत्र दिवस काफी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न सरकारी संस्थान, गैर सरकारी संस्थान व राजनीतिक दलों के कार्यालय में शान से झंडोतोलन किया गया। सुभाष स्टेडियम, गोपनीय शाखा व समाहरणालय में डीएम वैधनाथ यादव ने झंडा फहराया। डीआरडीए कार्यालय व जिला परिषद कार्यालय में जीप अध्यक्ष आफताब आजीम, अनुमंडल कार्यालय में एसडीओ रोजी कुमारी, एसडीपीओ कार्यालय में केडी सिंह, नगर परिषद कार्यालय में मुख्य पार्षद रितेश कुमार रॉय,, पुलिस लाइन में प्रभारी एसपी के डी सिंह, नगर थाना मसीन थानाध्यक्ष किंग कुंदन, आइसीडीएस कार्यालय में डीपीओ सिमा रहमान, अररिया ब्लॉक में प्रमुख शमसाद आलम, अररिया हाई स्कूल में डीईओ अशोक कुमार मिश्र, समग्र शिक्षा कार्यालय में डीपीओ बालेश्वर यादव, एमडीएम कार्यालय में डीपीओ चंद्र प्रकाश ने झंडा फहराया। गणतंत्र दिवस के मौके पर सुभाष स्टेडियम में विभिन्न स्कूली बच्चों द्वारा झांकी प्रस्तुत की गई। वही दूसरी और पलासी प्रखंड में गणतंत्र दिवस हर्षोलश के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर प्रखंड मुख्यालय में उप प्रमुख मोहम्मद तस्लीम, मनरेगा में पीओ अख्तर आलम, कृषि कार्यालय में बीएओ राजेन्द्र चौधरी, स्वास्थ्य केंद्र में डॉ जहांगीर आलम, सीडीपीओ कार्यालय में सीडीपीओ राहुल कुमार मिश्र, थाना में थानेदार ओम प्रकाश, आदर्श मध्य विद्यालय में मोहम्मद नोमानी, कन्या मध्य विद्यालय प्रखंड कॉलोनी खुर्शीद आलम, पशु अस्पताल में राहुल कुमार, बीआरसी में बीआरपी प्रेम पुजारी, पोस्ट आफिस में केदार भगत, जदयू कार्यालय में सदानंद मंडल, बीडीओ आवास में बीडीओ अविनाश झा, प्रमुख आवास में सदानंद यादव, चहटपुर पंचायत में शांति देवी, पिपरा बिजवार में उर्मिला देवी, बरदबट्टा में सबा परवीन, मजलिसपुर सरकार भवन में रामेश्वर विश्वास ने झंडोतोलन किया। ●

अररिया पुलिस एवं उत्पाद विभाग ने किया चार ट्रक विदेशी शराब जब्त

● अब्दुल कय्युम

अररिया नगर पुलिस व उत्पाद विभाग के अधिकारियों को एक बड़ी मात्रा सफलता हाथ लगी हैं। गुप्त सूचना के आधार पर अररिया नगर पुलिस व उत्पाद विभाग के अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल से चार ट्रक पर लाई जा रही विदेशी शराब को अररिया के दो अलग अलग जगहों से जब्त कर नगर थाना लाया। सूचना मिलते ही अररिया डीएम बैधनाथ यादव, एसडीओ रोजी कुमारी, एसडीपीओ के डी सिंह नगर थाना पहुँच कर मामले की जानकारी ली। अररिया पुलिस व उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर सबसे पहले हड़िया टोल प्लाजा के पास वाहन चेकिंग कर भूसा से भरा एक ट्रक की तलासी ली। तलासी के क्रम में भूसा के बोरा के नीचे विदेशी शराब की कार्टून जप्त किया। इस के बाद जीरो मील के समीप तीन अन्य भूसा से भरा ट्रक से विदेशी शराब जब्त की। बताया गया कि उक्त सभी ट्रक पर विदेशी शराब बंगाल से लोड होकर समस्तीपुर ले जाया जा रहा था। मिली जानकारी के अनुसार उत्पाद विभाग को सूचना मिली थी कि पश्चिम बंगाल के दालकोला से विदेशी शराब की एक बड़ी खेप अररिया के रास्ते से समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर जा रही हैं। इस के बाद उत्पाद विभाग व नगर थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से हड़िया टोल प्लाजा के समीप सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस क्रम में एक भूसा से भरा ट्रक को जांच किया तो भूसा के नीचे से विदेशी शराब का कार्टून बरामद किया गया। इस के बाद अररिया जीरोमाइल के समीप खड़ी अन्य तीन ट्रक को भी जब्त किया गया। इस बाबत नगर थानाध्यक्ष किंग कुंदन ने बताया कि चारो ट्रक से 1409 कार्टून शराब जब्त की गई हैं। जब्त सभी कार्टून को थाना के समीप रखा गया। उन्होंने बताया कि दो ड्राइवर व एक खलासी के विरूद्ध मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत भेजा गया हैं। पकड़ाया गया चालक व खलासी प्रेम सिंह, गुरप्रीत सिंह जसदीप शाहिद भगत सिंह लुधियाना का रहने वाला है। सघन चेकिंग अभियान में अररिया नगर थाना उनके अलावे उत्पाद विभाग के प्रशांत कुमार, राकेश कुमार, संजीत कुमार, दिनकर कुमार, नवीन कुमार आदि शामिल थे। ●

जिले की शिक्षा व्यवस्था चौपट

एक तरफ प्रधान सचिव शिक्षा विभाग ,बिहार पटना का आदेश तो दूसरे तरफ आदेश का खुल्लम-खुल्ला उलंघन। सभी पदाधिकारी को लिखने के बावजूद भी शिक्षक स्कूल ना जाकर कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं।

दिनांक-04.02.2020 समय 12:24 बजे जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय के सामने शिक्षक अपना समय काट रहे है। जबकि इन लोगो का समय अभी विद्यालय में है। अगर यह भी मान लिया जाए कि शिक्षक परीक्षा ड्यूटी में है तब भी इनको अपना सेंटर पर होना चाहिए था। उक्त फोटो में जो शिक्षक दिख रहे हैं वो डिप्टेशन पर हैं। अभी किशनगंज शिक्षा विभाग में डिप्टेशन का खेल जोरो पर चल रहा है, जिससे शिक्षक स्कूल नही जाकर अधिकारियों का कार्यालय का चक्कर लगाते अक्सर दिखने को मिलता है। जिससे छात्र/छात्राओं का भविष्य के साथ खिलवाड़ तो है ही, और वरीय पदाधिकारी अधिकारियों का आदेश का खुल्लम खुल्ला उलंघन वो अलग। अब तो ये सब चर्चा शहर के पान दुकान, चाय दुकान पर भी सुनने को मिलता है। फिर भी कोई फर्क नही। शिक्षा विभाग के विभिन्न शिक्षकों की प्रातिनियुक्ति किया गया है या नहीं इसकी मासिक समीक्षा करने का दायित्व जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं संबंधित प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी की है। वह मासिक रूप से संबंधित जिला पदाधिकारी को अवगत करायेंगे कि उनके क्षेत्र के अन्तर्गत किसी भी शिक्षक की प्रतिनियुक्ति किसी भी पदाधिकारी के आदेश से नहीं की गयी है। साथ ही यह सुनिश्चित करायेगे कि ऐसी प्रतिनियुक्ति किसी भी स्तर से नहीं की जाय। इस कार्य के लिए जिला स्तर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं प्रखंड स्तर पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेवार होंगे। प्रस्तुत है **धर्मेन्द्र सिंह** की रिपोर्ट :-

जिला शिक्षा पदाधिकारी किशनगंज, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना-1 किशनगंज, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी किशनगंज, यहाँ तक जिला पदाधिकारी किशनगंज, क्षेत्रिय शिक्षा उप निदेशक पूर्णिया प्रमंडल पूर्णिया, प्रधान सचिव शिक्षा विभाग, बिहार पटना, को जानकारी देने के बाबजूद भी किशनगंज शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों/ अधिकारियों को कोई फर्क नही पड़ने वाला है। उत्क्रमित मध्य विद्यालय जुलजुली किशनगंज की बात करे तो ये स्कूल कक्षा 1 से 8 तक है। इस विद्यालय में 279 छात्र/छात्रा नामंकित है। शिक्षक कुल 9 है।जिसमे 5 शिक्षक परीक्षा ड्यूटी (इंटर का) में है और एक शिक्षिका डिप्टेशन पर है। आपको मालूम हो कि स्कूल का क्लास रूम कुल 7 है, जिसमे 3 कमरा बिल्कुल ही चलने लायक नही है। छत भी क्रेक किया हुआ है। आनंदायी कक्ष है पर बच्चो को बैठने का कोई व्यवस्था नही है। टूटा फूटा पलस्तर में बच्चे बैठने को मजबूर हैं। उत्क्रमित मध्य विद्यालय जुलजुली के प्रधानाध्यापक, मोव सादिक अमीन से पूछने पर उन्होंने बताया कि विद्यालय विकाश राशि 75 हजार रुपया विद्यालय को दिया गया था। जो रिपेयरिंग वैगरा.. करवाए। उपयोगिता प्रमाण पत्र अब तक नही जमा किया गया है। वही बात करे किशनगंज जिले के पोठिया प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय टुपामारी, की इस विद्यालय का हाल आप देख लीजिए कितने बच्चे हैं और कितने शिक्षक हैं? एक भी बच्चे स्कूल ड्रेस में नहीं है।प्रधान शिक्षक और एक शिक्षिका इस स्कूल को चला रही है। उसमें भी प्रधान शिक्षक गायब मिले क्या हो गई है किशनगंज की शिक्षा व्यवस्था को? कहीं शिक्षक नहीं है और कहीं शिक्षक है तो वो कार्यालय में रखा जा रहा है।कार्यालय का कार्य करने के लिए। वही किशनगंज प्रखंड अंतर्गत चकला पंचायत का प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला, चकला घोर अनियमित्ता और वित्तिय मदो के दुरुपयोग का शिकार हो रहा है। उक्त परिस्थिति में पूर्णत: अनुसूचित जाति एव अनुसूचित जनजाति वाले पोषक क्षेत्र में बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ एव उनके अधिकारों का हनन हो रहा

है। विद्यालय में वर्ष 2018-19 में विद्यालय विकास एवं रख-रखाव मद से विद्यालय में रंग रोगन नही करवाया गया है तथा वर्ग एक एवं दो में आनंददायी कक्ष का निर्माण भी नही करवाया गया है। उक्त मद में गबन प्रत्येक वर्ष इसी प्रकार किया जाता है। विद्यायल में ना ही चापा कल है और ना शौचालय उपयोग के लायक है जबकि अपूर्ण शौचालय को कागज पर पूर्ण दिखाया गया है। उक्त परिस्थिति में वंचित समाज के बच्चे आज भी शुद्ध पेयजल और शौच के मौलिक अधिकारों से वंचित है। ध्वनि प्रसार यंत्र एवं खेल सामग्री का क्रय नही किया गया है। उक्त मदो से प्रधान शिक्षक द्वारा पूर्णत: गबन कर लिया गया है। मध्याह्न भोजन नियमित संचालित नही होता है (माह में यदा-कदा) मेनू और निर्धारित मात्रा का अनुसरण नही किया जाता है साथ ही विद्यालय में मेनू बोर्ड अंकित नही है। विद्यालय की अव्यवस्था का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विद्यालय में एक घण्टी तक उपलब्ध नही है।

वही बात करे किशनगंज जिले के पोठिया प्रखंड के हल्दागाँव की ये स्कूल 1 से 10 तक है। इस स्कूल में 277 छात्र/छात्राएं नामंकित है। शिक्षक कुल 8 है।जिसमे प्रकाश कुमार ठाकुर शिक्षक वर्ष 2018 से जिले में डिप्टेशन पे है..जबकि डिप्टेशन करने का कोई प्रावधान नही है। अब बात करते हैं किशनगंज जिले उत्क्रमित मध्य विधालय, बहेराकोल 2 की इस स्कूल में बच्चे की संख्या 325 है।और शिक्षकों की संख्या-9 जिसमे दो शिक्षक डिप्टेशन पे है। जबकि डिप्टेशन करने का प्रावधान है ही नही..तब किस नियम के तहत जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना 1 के हस्ताक्षर से किया गया है। विद्यालय के विकाश राशि में महागबन है। जो

प्रखंड संसाधन केंद्र में वर्षों से जमे हैं पांच शिक्षक, विभाग मौन

संस, किशनगंज : प्रखंड संसाधन केंद्र किशनगंज में प्रतिनियुक्ति के तौर पर वर्षों से पांच शिक्षक जमे हैं। खास बात यह है कि 10 वर्षों से अधिक समय से लेखा सहायक के पद पर रेहान शम्सी जमे हैं। वहीं साधन सेवी के पद पर लगभग सात वर्षों से शिक्षक अबु रेहान व नागेंद्र कुमार, चार वर्षों से मो. इजहारूल हक व एक वर्ष से अबु एजाज अख्तर प्रतिनियुक्त हैं। अब तक इन लेखा सहायक और साधन सेवी के पद पर जमे शिक्षकों का स्थानांतरण नहीं किया गया है। इनके अलावा अजीत कुमार साधन सेवी (आइ.इ.) के पद पर लगभग चार वर्षों से जमे हुए हैं। किन परिस्थितियों में इन सबों का स्थानांतरण नहीं किया गया, इसका जवाब विभागीय अधिकारियों के पास भी नहीं है।

आरटीआई कार्यकर्ता सैयद आबिद हुसैन के द्वारा सूचना के अधिकार के तहत मांगे गए सूचना के तहत यह जानकारी मिली। जिसमे बताया गया कि प्रखंड संसाधन केंद्र किशनगंज में कुल पांच कर्मी और शिक्षक ऐसे हैं जो दस वर्षों, सात व चार वर्षों से अधिक समय से पदस्थापित हैं।14 विभागीय अधिकारी का कहना है कि साधन सेवी पद के लिए कोई अप्लाई नहीं करता है। जिस कारण उन्हें ही उन पदों पर दोबारा रख लिया जाता है। लेकिन कुछ शिक्षकों का यह भी कहना है कि साधन सेवी पद के लिए निकाले जाने वाली सूचना को सार्वजनिक नहीं किया जाता है। जिस कारण कोई अप्लाई समय पर नहीं कर पाता है। जबकि किसी भी कार्यालय में तीन वर्ष से अधिक किसी भी पदाधिकारी या कर्मचारी से कार्य नहीं लिए जाने का नियम है। प्रत्येक तीन वर्ष के अंदर स्थानांतरण करना जरूरी माना जाता है।

> यह मामला मेरे संज्ञान में आया है। जल्द ही स्थानांतरण किया जाएगा। साधन सेवी पद के लिए कोई अप्लाई नहीं होने से दोबारा उन्हें ही रख लिया जाता है। - कुंदन कुमार, प्रभारी जिला शिक्षा पदाधिकारी, किशनगंज।

कार्यालयः प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी, किशनगंज।

कार्यालय में पदस्थापित कर्मियों एवं शिक्षकों की विवरणी

क्र0	कर्मी/शिक्षक का नाम	पदनाम	योगदान की तिथि	अभ्युक्ति
1	रेहान शम्सी	लेखा सहायक	02/01/2010	
2	अबु रेहान	साधन सेवी	10/01/2013	
3	नागेन्द्र कुमार	साधन सेवी	10/04/2013	
4	मो0 इजहारूल हक	साधन सेवी	28/01/2015	
5	अजीत कुमार	साधन सेवी (आई0ई0)	02/07/2015	
6	अबु ऐजाज अख्तर	कम्प्यूटर ऑपरेटर	13/02/2019	

क्र0 संख्या 01, 05 एवं 06 कर्मी
क्र0 संख्या 02, 03 एवं 04 शिक्षक

30.12.19

लोक सूचना पदाधिकारी-सह-
प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी,
प्रखण्ड - किशनगंज

खबर संकलन के दौरान पत्रकार पर हमला

SAHARA EXPRESS
Friday 07.02.2020
8 सहारा
ایک طرف سیکریٹری محکمہ تعلیم بہار، پٹنہ کا حکم، دوسری طرف بغیر سمجھے حکم جاری؟

किशनगंज मीडियाकर्मी केवल सच के पत्रकार धर्मेंद्र सिंह एवं उनके सहयोगी आरटीआई कार्यकर्ता सैयद आबिद हुसैन रिपोर्टिंग करके वापस लौटते हुए लहरा चौक के समीप समय लगभग 12:45 दिन को शिक्षक दीपांकर चौधरी एवं शिक्षिका तैयबा जबी अफरोज प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला चकला के प्रधानाध्यापिका ने मीडिया कर्मी को घेरकर मारपीट कर रुपए एवं कैमरा छीन ली है साथ ही उन्होंने धमकी दीया की अगर हम लोगों का कोई खबर लिखा या न्यूज छापा तो जान से मार दूंगा, गाली-गलौज करते हुए धक्का-मुक्की करने लगा और कुछ गुंडे मंगवा कर मारपीट की है।मीडिया कर्मी एवं उसके सहयोगी किसी तरह वहां से भागकर टाउन थाना किशनगंज पहुंचे और शिक्षक शिक्षिका के विरोध शिकायत दर्ज की मीडिया कर्मी प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है क्योंकि अगर मीडियाकर्मी ही सेफ नहीं है तो आम नागरिक का क्या हो सकता है।

जांच का विषय है। रसोइया का कहना था कि दो माह से हम लोगो का तनख्वाह नही मिला है। विद्यायल में दिनांक-23.01.2020 को छात्रों की उपस्थिति संख्या 20 से 25 था और शिक्षको का मात्र 03।क्या है प्रधान सचिव शिक्षा विभाग बिहार पटना का आदेश..शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009 अप्रैल, 2010 से प्रभावी है। अधिनियम की धारा 27 में यह प्रावधानित है कि कोई भी शिक्षक दसवर्षीय जनगणना, आपदा सहहाय तथा विधान मंडल, संसद एवं स्थानीय निकास के चुनाव को छोड़ अन्य किसी भी गैर शैक्षणिक कार्यो के लिए प्रतिनियुक्त नहीं किये जायेंगे।इस क्रम में भारत सरकार द्वारा यह निदेशित किया गया है कि चुनाव संबंधी कार्य यथा प्रशिक्षण, चुनाव सामग्रियों की प्राप्ति, मतदान एवं मतगणना से संबंधित कार्य शिक्षण के लिए निर्धारित कार्य दिवसों/समयावधियों में किये जा सकते है, लेकिन मतदाता सूची के निर्माण/पुनरीक्षण का कार्य गैर शैक्षणिक कार्य दिवसों, अवकाश एवं छुट्टियों के दिन में ही किया जाय अर्थात् मतदाता सुची से संबंधित किसी भी कार्य का प्रभाव शिक्षक के

शैक्षणिक गतिविधियों पर न पड़े। हाल में अनौपचारिक सूत्रों से सुचनायें प्राप्त हो रही है कि स्पष्ट निदेश के बावजूद स्थानीय स्तर पर शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों द्वारा या अन्य प्रशासनिक पदाधिकारियों द्वारा शिक्षकों की प्रविनियुक्ति स्थानीय स्तर पर की जाती है। यह अत्यन्त ही खेदजनक है और इसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जयेगा। अत: सम्यक वियारोपरान्त निर्णय लिया जाता है कि विभाग के पूर्वानुमति के बिना किसी भी प्रकार की प्रतिनियुक्ति वर्जित रहेगी। भविष्य में अगर ऐसा दृष्टांत पाया जाता है कि ऐसी प्रतिनियुक्ति की गयी है तो उक्त प्रतिनियुक्ति अवधि का भुगतान शिक्षा विभाग का दायित्व नहीं होगा और उक्त व्यक्ति द्वारा किये गये कार्य के भुगतान हेतु वह पदाधिकारी जिम्मेवार होगा, जिनके द्वारा प्रतिनियुकित की गयी है। इसके अतिरिक्त उक्त प्रतिनियुक्ति करने वाले पदाधिकारी पर अनुशासनिक कार्रवाई भी की जा सकेगी। ●

डीजीपी ने दिया लंबित कांडों के निष्पादन करने का निर्देश

● अब्दुल कय्युम

बिहार के डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे इन दिनों पुलिस महकमा को ठीक करने की नीयत से सीमांचल दौरे पर हैं। इसी क्रम में डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे दो फरवरी को अचानक अररिया नगर थाने पहुँच गए। थाना पहुँच कर उन्होंने पुलिस अधिकारियों के साथ वार्ता की। साथ ही साथ सभी पुलिस पदाधिकारियों के साथ हाथ मिलाकर हौसला अफजाई भी की। इस क्रम में उन्होंने नगर थाना में पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर लंबित कांडो के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया। डीजीपी के अचानक अररिया

पहुचते ही पुलिस महकमा में हड़कंप मच गया। डीजीपी के साथ पूर्णिया प्रक्षेत्र आईजी विनोद कुमार, एसपी धुरत सायली, एसडीपीओ के डी सिंह,नगर थानेदार किंग कुंदन आदि पदाधिकारी मौजूद थे। डीजीपी ने बताया कि वे फिलहाल सीमांचल के दौरे पर है। बताया कि वे सीमांचल के दौरे के क्रम में सुबह सात बजे कटिहार पहुँचे विभिन्न थानों कस निरीक्षण करते हुए पूर्णिया पहुचे। वहां अधिकारियों के साथ बैठकर कई आवश्यक दिशा निर्देश देने के बाद अररिया पहुँचे। उन्होंने बताया कि वे अररिया के एसपी के कार्यकलपो से काफी संतुष्ट हैं। सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण तरीके से करने के लिए डीजीपी ने अररिया एसपी धुरत सायली की प्रशंसा करते हुए उन्हें धन्यवाद भी दिया। ●

त्वरित न्याय सुलभ कराना ही ध्येय है

● धर्मेन्द्र सिंह

संघर्षों के बल पर रचा इतिहास। वह है कर्तव्यनिष्ठ आईपीएस कुमार आशीष। श्री कुमार किसी परिचय के मोहताज नहीं है। इनके द्वारा मधेपुरा, नालंदा और किशनगंज के पुलिस कप्तान के तौर पर कई प्रयोग किये गए जिनकी व्यापक रूप से प्रशंसा हुई है और सामुदायिक पुलिसिंग के क्षेत्र में मील के पत्थर सिद्ध हुई है। बिहार पुलिस में सर्वप्रथम फेसबुक पेज और वाटसअप ग्रुप द्वारा आम जनता से सीधा संपर्क बनाने का श्रेय, इन्होने ये प्रयोग आईपीएस प्रशिक्षु के रूप में सन 2014 में मोतिहारी जिले से किया था। आइये जानते हैं विस्तार से उनके द्वारा अबतक किये गए कुछ प्रशंसनीय कार्यों को जिन्होंने व्यापक रूप से आम जनमानस में गहरी पैठ बनाई है। कॉफी विथ एसपी-ये प्रोग्राम नालंदा जिले से 2016 में शुरू किया गया था जिसमें युवाओं के करियर काउंसलिंग पर फोकस करते हुए उनकी समस्याओं पर तुरंत कारवाई की जाती है साथ ही, पुलिस और प्रशासन की क्या युवाओं से क्या आशाएं है, कैसे युवा अच्छे नागरिक बन कर देश हित में अपना योगदान कर सकते हैं, इन विषयों पर श्री कुमार आशीष एवं उनकी टीम के द्वारा व्यापक चर्चा की जाती है। पिंक पेट्रोलिंग-शहरों में छेड़खानी और यौन उत्पीडन की घटना पर रोकथाम के लिए एक स्पेशल दस्ता का गठन जो निर्धारित समय और स्थानों पर गतिशील रह कर मनचलों की गतिविधियों पर विधिसम्मत कार्रवाई करता है। इसकी शुरुआत जुलाई 2016 में बिहारशरीफ से की गयी थी। मिशन वस्त्रदान-गरीब और साधनहीन जनता से जुड़ने के लिए लोगों की सहायता से नए-पुराने गर्म वस्त्र इक्कट्ठा कर पुलिस द्वारा उन्हें वितरित किया जाता है। अबतक 30 हजार से ज्यादा लोग इससे लाभान्वित हो चुके हैं। थाना दिवस-आम जनता की समस्या, सुझाव और शिकायत सीधे उनसे ही सुनकर त्वरित करवाई करने के लिए प्रत्येक सप्ताह विभिन्न थानों और सार्वजनिक जगहों पर थाना दिवस का आयोजनस्कूल विजिट-हरेक हफ्ते एक स्कूल विजिट कर वहां बच्चों से सीधा वार्तालाप, पुलिस का अज्ञात भय बच्चों के दिमाग से निकालने का प्रयास, उनकी करियर काउंसिलिंग तथा पुलिस की अच्छी छवि का निर्माण। सामुदायिक पुलिसिंग के तहत बहुत सारे प्रोजेक्ट्स जिसमें विभिन्न स्तरों पर खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन, वृक्षारोपण कार्यक्रम, साहित्यिक गोष्ठी, चित्रकला आदि का नियमित आयोजन। कौमी एकता को बढ़ावा देने के लिए मुशायरा एवं हिंदी कविता सम्मेलनों का नियमित आयोजन। सोशल मीडिया के माध्यम से आम जनता से सीधा संवाद, समस्याओं का तुरंत निराकरण और पुलिस की अच्छी उपलब्धियों को जनता के बीच लाने से पुलिस की छवि में लगातार सुधार करना।विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं एवं अखबारों में लगातार लेखन के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य, अब तक 20 से

ज्यादा रचनाएँ छप चुकी है। छठ पूजा पर विस्तृत आलेख फ्रेंच भाषा में लिखा जो 54 देशों के लोगों तक छठ पूजा की महिमा को बताने में सहायक सिद्ध हुआ है।स वयं भी दिल्ली से फ्रेंच भाषा में डॉक्टरेट किये हुए हैं।

"उठ जाग मुसाफिर भोर भईए यह बेर नही है सोने की" वाली कहावत को चरितार्थ करते हुये जीवन में आये कई विध्न वाधाओं को पार कर देश की सर्वोच्च सेवा भारतीय पुलिस सेवा में अपने प्रतिभा के दम पर ये शख्स अपना डंका बजा रहे है। वैसे बिहार की माटी से प्रत्येक वर्ष सैकड़ों आइएस, आइपीएस, डॉक्टर इंजिनियर निकलते है। लेकिन गाँव की गलियों में कभी बेट बॉल खेलने वाला छोरा आज अपने प्रतिभा के बल पर देश के प्रत्येक कोने में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कर बिहार का नाम पूरे देश में कर रहा है।हम बात कर रहे वैसे पुलिस अफसर की जो कम ही दिनों में अपने कर्मठता और नेकनियती के बदौलत हजारों दिलों का सुकून बना है।वह है किशनगंज जिले के युवाए ओजस्वीए तेज तर्रार पुलिस कप्तान कुमार आशीष भा०पु०से० के 2012 बैच।वैसे तो इनके कारनामें की तस्वीर तो प्रत्येक दिन भारत के किसी न किसी अखबारों में छपती है परन्तु इन्होनें किस परिस्थिति से गुजरते हुये भारतीय पुलिस सेवा के अवसर को ग्रहण किया ये उन्हीं की जुबानी के शब्द है जो शायद बिहार के प्रत्येक जिलें के युवाओं के लिये प्रेरणा और मिसाल साबित हो सकते है।वैसे ही हालात से उपजे बिहार के जमुई जिले के एक छोटा सा कस्बा सिकन्दरा जो बिहार के पिछड़े जिले और नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। उस छोटे से गाँव से निकल कर अपनी प्रारंभिक शिक्षा की शुरूआत मुंगेर जिला के संग्रामपुर स्थित सरकारी मिडिल स्कूल एवं रानी प्रभावती देवी हाई स्कूल से नौवीं क्लास तक की पढ़ाई पुरी की। देहाती वेश, भूषा में हाथ में स्लेट और बैठने के लिये बोरा लेकर पैदल पाँव विधालय

स्टूडेंट पुलिस कैडेट परिकल्पना की हुई शुरूआत

पुलिस मुख्यालय और शिक्षा-विभाग के दिशा-निर्देश में किशनगंज जिले में स्टूडेंट पुलिस कैडेट नामक प्रोग्राम चलाया जा रहा है जिसमें जिले के कुल 22 विद्यालयों के 40-40 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। इन्हें पुलिस के चिन्हित पदाधिकारियों तथा सम्बंधित स्कूल के शिक्षकों द्वारा ट्रेनिंग दी जा रही है।ये स्टूडेंट पुलिस के कार्यों को नजदीकी से देखेंगे, जानेंगे और समझकर आम जनता में भी जागरूकता लायेंगे। पुलिस जनता की मित्र है और जनता के सहयोग के लिए ही है, यह भाव विकसित करना तथा समय समय पर पुलिस के विभिन्न कार्यों में सहयोग करना इनका ध्येय होगा। इसी सिलसिले में दिनांक 5 फरवरी को जवाहर नवोदय विद्यालय के ये बच्चें किशनगंज थाना का भ्रमण किये जहाँ कोढोबारी थानाध्यक्ष नीरज कुमार निराला, सदर थानाध्यक्ष राजेश तिवारी एवं अंचल निरीक्षक इरशाद आलम ने थाना के कार्यों की जानकारी दी। फिर वे एसपी कार्यालय पहुंचे और पुलिस कप्तान कुमार आशीष से मुलाकात कर पुलिस के विभिन्न कार्यों की जानकारी ली।पुलिस के प्रति डर का भाव आम आदमी में ना हो, वही अपराधी तत्वों पर कड़ी कारवाई हो, इसके महत्त्व को बखूबी समझाया गया। बच्चों को ट्रैफिक रूल्स और नशाबंदी के प्रति भी जागरूक किया गया। जीवन अनमोल है और हम सभी को कानून का पालन करना चाहिए-ऐसा इन बच्चों ने संकल्प भी लिया। किशनगंज पुलिस द्वारा किये जा रहे कार्यों की बच्चों ने प्रशंसा की और कई बच्चों ने भविष्य में पुलिस सेवा में अपना करियर बनाने की इच्छा भी जताई। पीड़ित जनता को त्वरित न्याय दिलाने में पुलिस की भूमिका को समझा और भविष्य में सदा पुलिस के कार्यों में सहयोग करने का प्रण भी लिया। इस अवसर पर बच्चों ने पुलिस कप्तान कुमार आशीष के साथ ढेर सारी तस्वीरें-सेल्फी भी खिंचवाई। इस मौके पर जिला पुलिस कप्तान कुमार आशीष ने कहा की शीघ्र ही महिलाओं और बच्चियों के लिए सेल्फ-डिफेन्स टेकनीक और मार्शल आर्ट की विशेष कक्षाओं का आयोजन किया जायेगा। पुलिस कप्तान कुमार ने अपने छात्र जीवन की बेहतरीन यादें भी बच्चों के साथ शेयर की और अपने जीवन-संघर्षों की चर्चा करते हुए उन्हें अपने जीवन में समाज-राज्य-राष्ट्र के लिए कुछ अच्छा करने को प्रेरित किया, साथ ही सभी बच्चों को भविष्य के लिए बहुत शुभकामनाएँ भी दी।

पहुँच कर अपने गुरू के दिये ज्ञान को अपने शिशु मन में वैठाते हुये कल्पनाओं की उँची उड़ान और सपने पालते हुये उन सपनों को उड़ान देने की जिद आज सफलता का पर्याय बन गया।दसवीं की पढ़ाई श्री कृष्ण उच्च विधालय सिकंदरा से पूरी की जो वर्तमान में इंटर विधालय का दर्जा प्राप्त कर गया है। इंटर की शिक्षा धनराज सिंह कॉलेज, पिरहिंडा सिकन्दरा से पुरी किया। पारिवारिक स्थिति कोई खास अच्छी नही होने के बाबजुद अपने हौसले और मेहनत के बल पर उच्च शिक्षा के लिये 2001 में दिल्ली के जबाहरलाल नेहरू विश्वविधालय के इंट्रेस परीक्षा में ऑल इंडिया टॉपर होकर अपने परिवार का नाम रौशन किये। अपने परिवार में सबसे छोटे होने का लाभ और परिवार का स्नेह इन्हें संबल प्रदान करता रहा। पिता ब्रजनंदन प्रसाद सिंचाई विभाग में मोहरिर के पद पर से सेवानिवृत हुए है।दो बड़े भाई और तीन बहनों ने भी अपने शिक्षा ग्रहण करने के दौरान अभावों को देखा था। संघर्ष करते हुये बड़े भाई संजय कुमार रेलवे में उज्जैन में सहायक स्टेशन प्रबंधक तो दुसरे भाई सम्प्रति देहरादून में लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ मुकेश कुमार आर्मी में चिकित्सा सेवा से जुड़ें। कुमार आशीष को उच्च शिक्षा के सबसे महत्वपुर्ण पड़ाव एंव लम्बें अन्तराल तक संघर्ष दिल्ली में ही झेलना पड़ा।अध्ययन के दौरान आर्थिक तंगी को इन्होने अपने पढ़ाई पर कभी हावी नही होने दिया। और हालात से लड़कर अपने हिम्मत और मेहनत के बल पर अपनी पढ़ाइ करते हुये श्रछन् विश्वविद्यालय में अपने जुनियर कक्षाओं में पढ़ाया भी।आल इंडिया रेडियो दिल्ली के विदेशी सेवा विभाग में चार सालों तक फ्रेंच भाषा का प्रोग्राम भी किया। इस संन्दर्भ में उन्होनें कहा कि जीवन में शिक्षा के लिये आर्थिक आवश्यकता तो होती ही है परन्तु अगर दिल में लगन और हौसला है तो अपने कर्म पर विश्वास कर कोई भी मंजिल को हासिल करना कठिन नही होता है। प्रारंभिक दौर में मन कभी विचलित भी होता तो उसे नियत्रंण मे करने

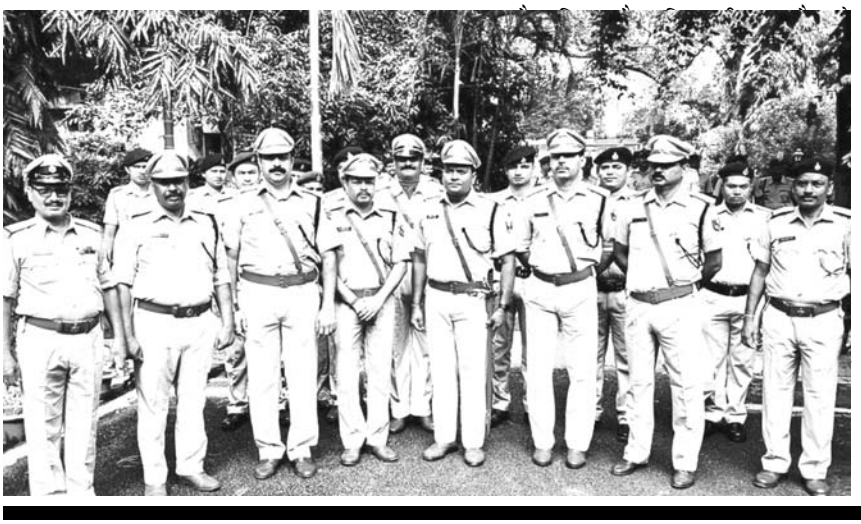

कारण एक फ्रेंच आदमी ने इन्हें बताया की बिहार के मेधावी एवं अच्छे युवा बिहार से बाहर पढाई करने जाते हैं परन्तु लौट कर वापस बिहार नहीं आते। जिस वजह से बिहार जहाँ था वही खड़ा है। यह बात इनके मन में टीस पैदा कर गयी। इन्होंने वहॉ निर्णय कर लिया कि मै अपने बिहार अपनी माटी के लिये ही कुछ करूँगा। भारत वापस लौटने के बाद ये सिविल सेवा की तैयारी में लग गये। जेहन में एक बात हमेशा कौंधती थी, देश के लिए बिहार के लिए कुछ करना है। उस सपने को साकार करने में इनके परिवार ने काफी सहयोग और संबल दिया। कभी भी विचलित होने नही दिया। सिविल सेवा की परीक्षा उर्तीण करने पर इन्हें भारतीय पुलिस सेवा अर्थात आईपीएस के लिए चुना गया। 2012 में ये सपना साकार

हुआ और सहर्ष इन्होने एक अच्छे समाज के निर्माण में अपना योगदान एक अच्छे पुलिस ऑफिसर के रूप में करना स्वीकार किया तथा ये जहाँ भी रहे सबसे अच्छा एवं कुछ अलग हट के करने का प्रयास किया। पुलिसिंग के साथ साथ सामाजिक, और रचनात्मक कार्य के साथ आम लोगों से जुड़ने और उनकी भावनाओं को परखने का कार्य करते हुये अपना कार्य करते रहे।वर्ष 2014 में मोतिहारी जिले में बतौर आईपीएस की ट्रेनिंग ली। फिर सदर दरभंगा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी की जिम्मेवारी दी गयी। वहां के सिर्फ एक महीने के कार्यकाल में इन्होने काफी प्रशंसा बटोरी। इनके असामयिक तबादले ने लोगों में काफी रोष उत्पन्न किया एवं आम जनता ने रोड जाम तक किया। फिर इनकी पोस्टिंग बलिया, बेगुसराय, के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के रूप में हुई जहाँ इन्होने कल्चरल पोलिसिंग के तरीके को आजमाया और आशा से कही ज्यादा सफलता प्राप्त की। बलिया अनुमंडल की जनता आज भी इन्हें श्रद्धा और शिद्दत से याद करती है।फिर वर्ष 2015 के अगस्त महीने में इन्हें मधेपुरा के पुलिस कप्तान के रूप में पदस्थापित किया गया जहाँ इन्होंने सफलता के नए आयाम गढ़े एवं अपराधियों के लिए काल साबित हुए। सभी बड़े-छोटे बदमाशों को सलाखों के पीछे पहुँचाया और जनता के दिल में पुलिस की नरम दिल छवि बनायीं। इनके महती कार्यो को देखते हुए सरकार ने इन्हें संकट की घड़ी में नालंदा जैसे अतिमहत्वपूर्ण जिले का कार्यभार दिया जिसे ये बड़ी लगन एवं अथक परिश्रम से बाखूबी निभाये। इनके कम्युनिटी पुलिसिंग के कॉन्सेप्ट ने आम लोगों को पुलिस से जोड़ दिया है।इनका ब्रेन चाइल्ड प्रोग्राम कॉफी विथ एसपी काफी सफल रहा है जिसके माध्यम से पुलिस कप्तान कुमार आशीष द्वारा युवाओं के साथ इंटरेक्शन किया जाता है। इसकी सफलता कई जिलों में आदर्श बन चुकी है। साथ ही पुलिस कप्तान द्वारा शुरू किये गए शहर का निगरानी दस्ता हॉक ब्रिगेड महिलाओं की सुरक्षा के लिए पिंक ब्रिगेड काफी कारगर साबित हुए है। जिले में कल्चरल पोलिसिंग की शुरुआत हुई है। पुलिस और पब्लिक सभी त्योहारों में साथ मिलकर सुख-दु:ख बाँटते है। हाल में ही दिवाली में सुदूर तेल्हाडा थाना के लोदीपुर एवं पूरा गाँवों में गरीबों के बीच दीया जलाना, स्वतंत्रता दिवस पर मुशायरा सह कवि सम्मलेन का आयोजन क्रिकेट, फुटबॉल एवं वॉलीबॉल की प्रतियोगिताएं रक्तदान, वस्त्रदान एवं नेत्र, शिविर का आयोजन, विभिन्न सामाजिक संगठनों को अपनी मुहिम से जोड़ना, जरूरतमंद बच्चों के लिए लाइब्रेरी, क्रीडा गृह की स्थापना, ट्रैफिक जागरूकता के कई प्रोग्राम, नशामुक्ति की दिशा में सक्रिय भागीदारी निभाना, हाईटेक फेसबुक, व्हात्सप्प के अलावा आम जनता से जुड़ने के लिए शिकायत पेटिका, जरुरतमंदों को त्वरित एवं उचित सहायता आदि जैसे कई कार्य पुलिस प्रशासन ने किए हैं जो सराहनीय एवं आम जनता के लिए फायदेमंद रहे हैं। जरुरत है ऐसे प्रयासों को जारी रखने की जो पुलिसिंग की गुणवत्ता में चार चाँद लगाकर समाज में सकारात्मक रूप से अपराध में कमी लाकर नयी पीढ़ी को एक नयी दिशा दे रही है। इन्होंने नालंदा में कार्यभार संभालने के बाद अपने दाम्पत्य जीवन की शुरूआत भी किया। इनके जीवन मे कब किस वक्त देवयानी ने दस्तक दिया कुछ पता नही चला और यह रिश्ता परवान चढता गया। अप्रैल 2016 में दोनों एक दुसरे से जीवन की डोर को बांध कर दामपत्य जीवन में प्रवेश कर गये।इस बीच इस दुनियॉ मे लाने वाली इनकी ममतामयी मॉ मुंद्रिका देवी इनको सदा के लिए छोड़कर चली गयी। मॉ की ममता और छॉव ये हमेशा के लिए मरहूम हो गये।परन्तु वटवृक्ष के रूप में पिता श्री ब्रजनंदन प्रसाद तथा भाई एंव बहनों का स्नेह काफी हद तक इनका मजबूत संबल बना रहा है। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं और विधार्थियों को भी अपने भविष्य को बनाने के लिये सतत प्रयत्नशील होकर मेहनत करने की जरूरत है। जिस क्षेत्र को चुनें उसमें इमानदारी पुर्वक नियमित गहन अध्ययन कर निरंतर प्रयत्नशील रहें सफलता अवश्य मिलेगी। आपको बता दे कि यह कहानी नही हकीकत है जीवन में मुश्किल काम भी आसान होता है जब हम अपने हौसले को बुलंद कर सपनों को उड़ान देते है।

आज किशनगंज पुलिस कप्तान कुमार आशीष युवाओं के लिये प्रेरणा और मध्यमवर्गीय, गरीब परिवार के लिये बंराड एम्बेस्डर है। जिन्होंने अपने मेहनत और कर्मठता के बल पर देश की सर्वोच्च सेवा में अपना मुकाम हासिल कर अपने बिहार की माटी और यहॉ के लोगो के लिये कुछ करने की तमन्ना पाले है। बिहार की प्रतिभा को भेदने वाला नही है। बिहार के गॉव की गलियों और पगडंडी एवं माटी के कण कण में हजारों आशीष है और देश के मानचित्र पर अपने राज्य गॉव और अपने परिवार के नाम को उकेरा है। कहा गया है "पंख से कुछ नही होता हौसलों से उड़ान होती है। मंजिले उन्ही को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है। ●

भ्रष्टाचार को लेकर पुलिस कप्तान की सख्त कार्रवाई

● **धर्मेन्द्र सिंह**

दिनांक-01.02.2020 को रात्री करीब 12:30 बजे दो वायरल वीडियो किशनगंज पुलिस कप्तान को मिला। जिसमे एक पुलिस पदाधिकारी ट्रक चालक से भयादोहन कर पैसा मांगते हुए दिखाया गया है। एक वीडियो की तस्वीर में कुछ धुंध लापन है। दूसरे वीडियो में एक पुलिस पदाधिकारी को रुपया गिनते हुए दिखाया गया है एवं बगल में पुलिस वर्दी में जवान दिखाई दे रहे है तथा एक अन्य व्यक्ति भी है, जो तस्वीर में स्पष्ट दिखाई नही दे रहे है। दोनों वायरल वीडियो की जांच पुअनि अश्वनी कुमार, अंचल पुलिस निरीक्षक, ठाकुरगंज से कराई गई। जांच से गलगलिया थाना में पदस्थापित पुअनि बुद्धदेव तिवारी द्वारा ट्रक चालक/मालिक से भयादोहन कर पैसा लेने की घटना की पुष्टि हुई है। इस आरोप के लिए पुलिस कप्तान किशनगंज कुमार आशीष द्वारा पुअनि बुद्धदेव तिवारी को घोर अनुशासनहीनता संदिग्ध आचरण, पुलिस की छवि धूमिल करने के आरोप में निलंबित कर पुलिस

केंद्र हाजिर कर दिया गया है एवं उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही प्रारंभ करने का आदेश दिया गया है। वही प्राप्त तीसरा वायरल वीडियो की जांच पुवनिव मोव इरसाद आलम, अंचल पुलिस निरीक्षक किशनगंज से कराई गई। जांच से किशनगंज थाना में पदस्थापित तत्कालीन सवअवनिव अनिल कुमार सिंह द्वारा किशनगंज थाना कांड सँव-437/19 में लाभ पहुचाने हेतु चंदन मंडल पिता राजेंद्र मंडल साव-रुईधाशा थाना व जिला किशनगंज से दस हजार रुपया रिश्वत लेने का प्रथम दृष्टया सत्य पाया गया है। इस आरोप के लिए पुलिस कप्तान किशनगंज कुमार आशीष ने द्वारा सअनि अनिल कुमार सिंह, तत्कालीन किशनगंज थाना वर्तमान चिचुआबाड़ी ओपी को निलंबित करते हुए पुलिस लाइन वापस किया गया है तथा उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही प्रारंभ करने का आदेश दिया गया है। भष्टाचार के आरोप में दोनों पुलिस पदाधिकारी की सेवा बर्खास्तगी संभावित है। वही जिला पुलिस कप्तान कुमार आशीष ने बताया कि मिली शिकायत और प्राप्त वीडियो फुटेज के आधार पर हुई प्रारम्भिक जांच के पश्चात 02 पुलिस पदाधिकारी को तत्काल निलंबित कर लाइन हाजिर कर दिए है। ●

सारी योजनाओं पर कार्य है जारी : अखिलेश

आदरनीय मुख्यमंत्री जी के गृह जनपद जिला नालन्दा के हरनौत प्रखण्ड में पदस्थापति प्रखण्ड अंचल पदाधिकारी अखिलेश चौधरी जनमानस के समस्याओं एवं जनसंवाद कायम कर जिला में काफी लोकप्रिय हो गये है। इनकी कार्यशैली से लोगों में आत्म-विश्वास जगा है। अपने कार्य के प्रति दृढ़ निश्चिय के साथ समर्पित रहते हैं। आम अवाम इनके कार्य से काफी सरल और सहज महसूस करते हैं। प्रस्तुत है प्रखण्ड अंचल पदाधिकारी **अखिलेश चौधरी** जी का पत्रिका प्रतिनिधि **सोनू कुमार** द्वारा किये गये साक्षात्कार के प्रमुख अंश :-

★ आप अपने बारे में पाठको को कुछ बताऐ।

मेरा नाम अखिलेश चौधारी है। मैं पटना जिला के नदौल ग्राम का रहने वाला हुँ। इसके पहले कई पदों पर मैंने कार्य किया है, मैं एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखता हूँ और अपने जीवन में काफी संघर्ष कर हरनौत प्रखण्ड के अंचलाधिकारी के पद पर पहुँचा हूँ। संघर्ष ही जीवन में सफलता दिलाती है और संषर्घ से ही मेरा जीवन पर्याय बन गया है।

★ आजकल सतत विकास की बाते ज्यादा होती है, इसपर आप प्रकाश डालें?

सतत विकास वह विकास है जो भावि पीढ़ियो को आवश्कताओं को ध्यान में रखते हुए उनसे बिना कोई समझौता किये बगैर वर्त्तमान समय की जरूरतों को पूरा करता है।

★ आप विभिन्न पदों पर काम कर चुके हैं, वैसे में माननीय मुख्यमंत्री जी के गृह प्रखण्ड हरनौत में कितना चुनौतीपूर्ण है?

माननीय मुख्यमंत्री जी के गृह अंचल में कार्य करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण कार्य है, लेकिन काम के प्रति लगन एवं मेहनत व ईमानदारी से करने में चुनौती कम हो जाता है।

★ आपके प्रखण्ड में विकास के क्षेत्रों में अब तक कौन-कौन से कार्य किये गये है?

मेरे प्रखण्ड में विकास के कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। माननीय मुख्यमंत्री जी के अति महत्वपूर्ण महत्वकांक्षी सात निश्चय योजना क्रियान्वयन में काफी योगदान किया हूँ। नल-जल, गली-नली योजना क्रियान्वयन में काफी मेहनत की है। नली-गली योजना क्रियान्वन में जमिनी विवाद को नहीं आने दिया और यदि आया भी तो उसपर त्वरीत कार्यवाई की गई। मोटेशन में काफी कार्य किया है। सन् 1970 के पहले पंजी नहीं रहने के कारण काम में कुछ समस्याऐं उत्पन्न हुई है। जमाबंदी खाता आदि कामों में सरल ढ़ंग से कार्य किये हैं।

★ भ्रष्टाचार पर आप क्या कहेंगें?

भ्रष्टाचार के खिलाफ माननीय मुख्यमंत्री जी के साथ कदम-ताल मिलाते हुए कार्य किया हूँ, जिरो टॉलेन्श पर काम किया हूँ। प्रखण्ड में भ्रष्टाचार पर काफी नकेल कसकर काबू पाने की कोशिश हमेशा रहती है।

★ जल जीवन हरियाली, दहेज बंदी और नशामुक्ति के लिए पिछले माह 19 जनवरी को बनाई गई मानव श्रृंखला पर आपके द्वारा अंचल में तैयारी कैसे की गई?

माननीय मुख्यमंत्री जी के जल जीवन हरियाली योजना पूरे दुनियां में सराहा गया है। इसकी तैयारी के लिए हमलोग मेहनत और मशक्कत किये हैं। लोगों के बीच में जाकर दहेज उन्मूलन और शराबबंदी पर प्रखण्डवासियों को जागरूक किया गया है। जन प्रतिनिधि यों के माध्यम से काफी प्रचार-प्रसार किया गया है। अपने प्रखण्ड में कर्मचारियों को चिन्हीत कर कार्यो का भार दिया और उनसे समय-समय पर कार्यों की समीक्षा बैठक किया। मेरे तरफ से काफी प्रयास किया गया मानव श्रृंखला को सफल बनाने के लिए।

★ मुख्यमंत्री जी की जल जीवन हरियाली योजना को दुनियां में सराहा गया। आपके प्रखण्ड में इसका कितना योगदान रहा?

यह योजना माननीय मुख्यमंत्री जी का सारी दुनियां में सराहा गया और भारत के प्रधानमंत्री जी ने भी इस योजना को सराहा है। इसके क्रियान्वयन में काफी बल दिया है। मेरे प्रखण्ड में इस योजना को लगातार समीक्षा किया जा रहा है। योजना क्रियान्वयन में जो भी समस्या आ रही है, उसे तत्काल निष्पादन किया जा रहा है। जमीन सम्बंधी विवादों का तुरंत निपटारा किया जा रहा है।

★ नालन्दा के हरनौत प्रखण्ड में आप अपने कर्त्तव्य बोध को महसुस करते है?

माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रखण्ड में जब पदस्थापित हुआ तो अपने आप को सौभाग्यशाली समझा। इनके गृह प्रखण्ड में कार्य करके काफी गौरव महसूस करता हूँ। कभी-कभी काम का दबाब भी रहा है किन्तु इस पर खड़े उतरने का लगतार प्रयास करता हूँ।

स्नातको की आवाज निर्भयतापूर्वक उठाते हैं यमुना यादव

● **ललन कुमार**

आदरनीय यमुना यादव जी सरल-सहज, मृदुभाषी, सर्व सुलभ, लोकप्रिय, समाजिक, सरल हदय के सम्राट नेता काफी प्रिये है। यादव जी बिहार के राजधानी पटना जिले के बख्तियापुर विधानसभा के सालीमपुर के गाँव के मूल निवासी है। भारतीय राजनीत में सियासत का सफर **RSS** में प्राइमरी शाखा से होते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रखण्ड स्तर से होते हुए प्रदेश से देश स्तर तक राजनीतिक सफर तैय किये हैं। ये बिहार प्रदेश के खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष व पटना जिला भारतीय जनता पार्टी के किसान सेल जिलाध्यक्ष तक बखुवी पार्टी में सर्म्पन भाव से सेवा कि हैं। पूर्व रेलवे मंत्री वर्त्तमान लोकप्रिय मुख्यमंत्री के **DRUCC** दानापुर डीविजन सदस्य के रूप में कार्य किये हैं। आम-अवाम से जनसंवाद इनकी लोकप्रियता में चार चाँद लगाता है। यह पार्टी में अपनी बात बेवाकी से रखने के लिए भी लोगो के बीच काफी लोकप्रिय है। जमुना यादव जी इस बार पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से स्वतंत्र उम्मीदवार होंगे। जमुना यादव जी का कहना है कि पढ़े लिखे स्नातक युवाओं को

राजनीत में सक्रिय होना चाहिए तथा जो पढ़े लिखे युवा है और स्नातक बेरोजगार हैं उन्हे बेरोजगारी भत्ता भी मिलने चाहिए एवं साथ में स्नातक युवा वर्ग का एक आयोग का तत्काल गठन हो। उनका साथ में यह भी कहना है कि मेरा उद्देश्य केवल यह होना चाहिए कि समाज कल्याण हमारे समाज का किस तरह तरक्की और उन्नती हो और साथ में गाँव का विकास सर्वोपरी हो तथा क्या-क्या कार्य हैं उसे कैसे त्वरीत दुर करे। उसका साहसीक प्रयास करना चाहिए। श्री यादव जी स्नातकों के रोजगारउन्मुखी योजना चाहते हैं। वे अपनी निर्वाचन क्षेत्र में घर-घर जाकर जन संवाद कायम कर रहे हैं। अपनी बात स्नातकों के बीच वेवाकी से रखते हैं। भावी प्रत्याशी चुनाव जीत कर आते हैं तो अपने स्नातकों के लिए हर प्रखण्ड में स्नातक भवन का निर्माण किया जायेगा। सह स्नातक भवन अपने आप में सारे डिजिटल संसाधानों से लैश होंगे। श्री यादव अपने चुनाव प्रचार हिलसा विधान सभा के कराय परसुराय प्रखण्ड के ग्राम बाहापर में आये थे। यही के स्नातको के द्वारा काफी सहयोग व सर्मथन मिला है। यादव कहते है कि स्नातको के ईमानदारी प्रयासो से ही उनकी समस्या का निदान किया जा सकता है। वे अपने पुरे क्षेत्र के संघन दौरा करते हैं। ये स्नातको के समाज के दर्पण के रूप में देखते हैं। ये युवा आयोग के गठन एवं युवाओं के पलायन पर रोक हेतु अपनी मजबूती से रखते हैं। श्री यादव केवल सच के माध्यम से स्नातको को संदेश देना चाहते हैं कि एक बार हमे भी मौका दे। ●

स्व. कृष्णा प्रसाद की 26वीं पुण्यतिथि मनी

● **अमित कुमार सिंह/अनिता सिंह/मिथिलेश कुमार**

जिले के कृष्णा स्मारक में स्व. कृष्णा प्रसाद का 26वीं पूण्यतिथि मनाया गया। इस अवसर पर उनके सुपुत्र अशोक कुमार जिला परिषद बोले के मैं अपने पिता का अधुरे सपनों का पूरा करने का काम करेंगे। गरीब, गुरबा, दलित, पिछडा, अल्पसंख्यक सभी को साथ लेकर चलने का काम करेगे। इस अवसर पर रजौली विधायक प्रकाशवीर ने कहा कि जब लालू यादव की सरकार बनी थी उस समय कृष्णा बाबू ने 13 विधायक तोड़कर लालू यादव की सरकार बनाने का काम किये। इस अवसर पर नन्दकिशोर यादव ने कहा कि रजौली अनुमण्डल बनाने में इनकी अहम भूमिका रही। इस अवसर पर उनकी

पत्नी पूर्व एमएलसी प्रमिला देवी, जिला राजद के अध्यक्ष महेन्द्र यादव, भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. विजय कुमार सिन्हा, राजद नेता मथुरा यादव, बाल्मिकी यादव, प्रिन्स तमन्ना, अफसर नबाव, रालोसपा नेता मो. कामरान, कम्यूनिष्ट नेता प्रो. नरेशचन्द्र शर्मा, राजद नेत्री प्रेमा चौधरी, बीणा देवी, एकलव्य यादव, अखिलेश यादव, छात्र अध्यक्ष कुन्दन राय, मनोज यादव, सोनु सिन्हा, सुनील यादव, विक्रम यादव, अजय माहतो, पूर्व चेयरमैन के पति कुणाल, नरेश चौधरी, उदय यादव मुखिया, शारदा राजवंशी, तरूण राजवंशी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष सिंह इस अवसर पर सैकड़ों कार्यकर्त्ता मौजूद थे। इस अवसर पर दूसरे दल के कई नेता डॉ. प्रो. विजय कुमार सिन्हा समेत कई लोग शामिल हुये। ●

शतचण्डी महायज्ञ में कलश यात्रा का भव्य आयोजन

● **अमित कुमार सिंह/अनिता सिंह/मिथिलेश कुमार**

या देवी सर्व भूतेषु शक्ति रूपेण संस्तिता नमस्तस्यै नमस्यस्यै नमो नमः से जसौली ग्राम में नौ दिवसीय श्री शत चण्डी मॉ देवी जिर्णोद्वार एवं महायज्ञ का आयोजन किया गया। जिले के अकबरपुर प्रखण्ड के बड़ैल पंचायत में श्री शतचण्डी सह मॉ भगवती के जिर्णोद्वार एवं प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ के लिए भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जसौली के देवी स्थान में अरविन्द सिंह एवं धर्म पत्नी कान्ति देवी ने सुबह वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पंचकर्मो कर विधि ावत यज्ञ का शुभारम्भ किया। यह यात्रा जसौली ग्राम से शोभ मन्दिर तक हजारों श्रद्धालु जिसमे पंचायत के 505 कुँवारी कन्याओं व महिलाओं ने नवादा स्थित शोभ मन्दिर में पवित्र जल भरकर बैण्ड बाजे, ढोलक, पंजाबी भागड़ा, डीजे के साथ थिरकते नजर आये। यह अनुष्ठान ब्राहमण सुखदेव पाण्डेय के मार्ग दर्शन में किया गया। इसके पूर्व वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ जल भराई की रस्म पूरी की गई। गॉव का माहौल पूरी तरह भक्ति मय हो गया। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कन्याऐं महिलाऐं बच्चे और बुढ़ों में विशेष उत्साह देखा गया। जिला प्रशासन के निर्देशन में थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार वर्मा अकबरपुर का इस भव्य कलश यात्रा में भरपुर सहयोग मिला। सुरक्षा का पुरी तत्परता के साथ निभाया। पूजा समिति के अध्यक्ष पत्रकार अमित कुमार सिंह ने बताया कि की यह प्रवचन का कार्यक्रम 14.02.2020 तक चलेगा व अन्तिम दिन जागरण का कार्यक्रम रखा गया है। प्रवचन के प्रथम दिन मॉ दूर्गा, दूसरे दिन मॉ पार्वती, तीसरे दिन महादेव के बारे में इसी तरह मॉ के नौ स्वरूपों की प्रवचन के द्वारा लोागों को बताया गया। संयोजक पंकज कुमार, मनोहर शर्मा, अनुज कुमार ने बताया कि हमलोगों को सभी का सहयोग मिला। कार्यकर्त्ता अमित कुमार मुखिया, उप मुखिया विजय यादव, उमेश यादव, अविकाश कुमार, प्रलाद राजवंशी, आकाश कुमार, मिथिलेश

मिस्त्री समेत सभी ग्रामीणों का भरपुर सहयोग मिला। कलश यात्रा में जगह–जगह पर श्रद्धालुओं के लिए पानी एवं मेडिकल टीम की व्यवस्था की गई थी। आचार्य सुखदेव पाण्डेय के साथ पवन पाण्डेय, पंकज पाण्डेय, मन्टु पाण्डेय, अमित पाण्डेय, दिलीप पाण्डेय, संजय पाण्डेय, अजीत पाण्डेय, गोपाल पाण्डेय, दीपक पाण्डेय ये सभी चाणक्य ज्योतीष केन्द्र के ब्राह्मणों द्वारा विधिवत यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न कार्यक्रम इस प्रकार है। प्रथम कलश यात्रा 151 कलश द्वारा, पंचांग पूजा ब्राह्मणवरण एवं मण्डप पूजा, वेदी पूजा एवं पाठ आरम्भ, मूर्त्ति जलाअधिवाश, पुष्प अधिवाश, अग्नि प्रवेश सह पुष्प अधिवाश, अन्नाधिवास एवं मिष्ठान निवास, मूर्त्ति महास्नान एवं ग्राम भ्रवण तथा रात्री में राज्याधिवास नेत्र मिलन, अंग न्यास मन्दिर में प्राण प्रतिष्ठा एवं पूर्णाहुति। सभी विधि विधान के साथ सभी ब्राह्मणों ने इस यज्ञ को सम्पन्न किया।

अयोध्या से आये प्रवचन कर्त्ता श्रवण दास महाराज कहते है कि मनुष्य के जीवन के सबसे बड़ी चुनौती स्वंय को पहचानना है। स्वंय को जाने के लिए अध्यात्म की गहराईयों तक जाना होता है। अध्यात्म ही एक ऐसा मार्ग है जो किसी व्यक्ति विशेष को स्वंय की अनुभूति करा सकता है। स्वंय को जाने लेने के पश्चात ही दूसरों के ज्ञान का शत उपयोग हो पता है। आत्म ज्ञान व तीव्र प्रकाश है जिससे व्यक्ति का सम्पूर्ण व्यक्तित्व प्रकाश से जगमगाने लगता है। इसी संदर्भ में आगे उन्होनें कहा कि आत्म ज्ञान व सर्वोच्च ज्ञान है जिसकी अनुपस्थिति में हर ज्ञान निरर्थक है। उन्होनें इस ज्ञान को स्वय की पूर्णतः और प्रकाष्ठा बताया। प्रवचन के पूर्व वे शिव विवाह परिचर्चा और मॉ भगवती की महत्ता को विस्तार पूर्वक चर्चा की। प्रवचन सुनने के लिए पंचायत व आसपास के हजारो की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। भजन–कीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। इस यात्रा में अनिता, अंजली, तानिया, आरूसी, अंशु, आदित्य, आयुष एवं नीरज, राजेश, दिनेश सहित हजारों ग्रामीण मौजूद थे। ●

गोलियों की तरतड़ाहट से दहला समसा पंचायत

● निलेश कुमार

समसा में अपराधिक वर्चस्व कायम करने के लिए आपराधिक वारदात होती रहती है, अब तक लगभग 2 दर्जन से अधिक हत्याएं हो चुकी हैं हत्या का सिलसिला होरिल महतो से शुरू हुआ फिर हत्या का मामला बढ़ता ही गया। दो अपराधी गिरोहों की आपसी प्रतिद्वंद्विता के कारण हत्या दर हत्या होती रही, इसके मूल कारणों में समसा के बूढ़ी गंडक नदी के किनारे की दियारा की जमीन है, इस जमीन पर आधिपत्य जमाने के लिए दोनों ओर से हत्याएं होती रहती है। वर्ष 2001 में हुए पंचायत चुनाव में हेमा मौर्य के परिवार से जय कृष्ण महतो मुखिया बने दूसरे पंचवर्षीय चुनाव में उसकी पत्नी मुखिया बनी 2010 में यह पद बम बम महतो की पत्नी अरुणा देवी के हाथ चला गया वह मुखिया बनी, अगले 5 वर्षों के बाद वह पद हेमा मौर्य के जिम्मे में आ गया,वर्तमान में हेमा मौर्य समसा पंचायत की मुखिया थी, राजनीतिक वर्चस्व की हो रही पिछ्ले वर्ष समसा ग्राम कचहरी के सरपंच राम बसंत महतो पर भी जानलेवा हमला हुआ। गोलियां चलाई गई, बमबम महतो व रंजीत महतो परिवार के बीच वर्चस्व को लेकर अदावत बनी रही। इसी कड़ी में दोनों ओर से दर्जनों हत्याएं हुई हैं।

लगातार होती रही हत्याओं के बावजूद फिर एक बार दहला समसा पंचायत हत्या दर हत्या इस पंचायत की फितरत बन गई है आपराधिक वर्चस्व कायम करने के लिए हत्याओं का दौर चलता रहा है। इसी कड़ी में समसा की महिला मुखिया हेमा मौर्य की हत्या शुक्रवार के दिन 2 फरवरी 2020 की शाम सरस्वती पूजा मूर्ति विसर्जन के दौरान कर दी गई। उसके परिवार में अबतक पति अवनी मौर्य चुनचुन महतो की हत्या की जा चुकी है, हत्या के आरोप में उसके देवर रंजीत महतो अभी भी कारागार में बंद हैं। हत्या की चक्की में राजपति महतो, देवनंदन महतो, किशोरी महतो, विजय सिंह, सुरेश सिंह सुरेश सिंह के 2 पुत्र सुरेश सिंह के भाई अविनाश सिंह तुलसी महतो मुन्नू कुमार रामकुमार यादव चमरू पासवान श्याम तांती आदि लोगों की हत्या आपसी रंजिश के कारण की गई समसा मुखिया की हत्या की भर्त्सना मुखिया संघ के अध्यक्ष तथा विभिन्न राजनीतिक दलों ने की है इस घटना को आमानवीय बताते हुए कहा कि इस जनप्रतिनिधि की हत्या लोकतंत्र में विकास बाधक है। समसा पंचायत की मुखिया के अंतिम दर्शन को लेकर उसके आवास पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। शुक्रवार की शाम मूर्ति विसर्जन के दौरान बदमाशों ने समझा पंचायत की मुखिया हेमा मौर्य की हत्या गोली मारकर कर दी थी। गांव शव पहुंचते ही ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी, विधायक बखरी उपेंद्र पासवान पूर्व विधायक राम विनोद पासवान जिला परिषद प्रतिनिधि सभा लोजपा नेता आजाद साहनी, प्रमुख निशा देवी मुन्ना कुमार उप प्रमुख अरविंद सिंह पूर्व प्रमुख विद्यानंद महतो पंसस मनोज महतो सहित अन्य जनप्रतिनिधि पीड़ित परिवार को सांत्वना दे रहे थे। प्रशासन की ओर से वीडियो निरंजन कुमार सीओ राजेंद्र कुमार राजीव कुमार एसडीपीओ बखरी ओमप्रकाश नीमा चंदपुरा थानाध्यक्ष शशि कुमार बखरी पुलिस निरीक्षक राम स्वारथ पासवान एसआई भोलाराम एएसआई जुल्फीकार अली सहित सशक्त बल मौजूद थे, पुलिस प्रशासन को भी नियंत्रित में भी काफी परेशानी हो रही थी। ●

पर्यावरण की रक्षा को लेकर जिले से दिया गया संदेश

● निलेश कुमार

बीते दिनों बूंदा बूंदी व शीतलहर के कारण मौसम प्रतिकूल रहा इससे 10:00 बजे तक मानव श्रृंखला में शामिल होने को लेकर सड़कों पर लोगों की उपस्थिति कम दिखा लेकिन इसके बाद मौसम ठीक होने पर लोगों की भीड़ बढ़ गई। मानव श्रृंखला में स्कूली बच्चे वह महिलाओं की संख्या ज्यादा दिख रही थी,जीविका आंगनवाड़ी सेविका और सहायिका आशा से जुड़ी महिलाओं की भागीदारी अधिक रही जल जीवन हरियाली नशाबंदी दहेज प्रथा वह बाल विवाह पर रोक को ले जागरूकता के लिए मानव श्रृंखला आयोजित की गई थी। सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई थी ट्रैफिक चौक के पास डीआईजी राजेश कुमार डीएम

अरविंद कुमार वर्मा,एसपी अवकाश कुमार बीजेपी जिला अध्यक्ष राज किशोर सिंह जबकि सुभाष चौक के पास विधान पार्षद रजनीश कुमार ने मानव श्रृंखला में हिस्सा लिया! पिछले साल की तुलना में इस बार मानव श्रृंखला सफल रहे जिला प्रशासन के दावे के मुताबिक जिले भर में लगाई गई 377 किलोमीटर लंबाई मानव श्रृंखला में 13 लाख से अधिक लोग शामिल हुए,पिछले साल 290 किलोमीटर की लंबाई में मानव श्रृंखला बनाई गई थी,जिला प्रशासन के मुताबिक सड़क पर 858162 वार्ड स्तर पर श्रृंखला में 260729 व विद्यालय परिषद में भाग लेने वाली चौथी कक्षा तक के बच्चों की संख्या 205116 रही! ●

वास्तविक ज्ञान की प्राप्ति आत्मानुभूति से होती है : बहन कंचन

● निलेश कुमार

गांधी स्टेडियम में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा एवं स्वास्थ्य शिविर का मेला लगा! अध्यात्मिक ज्ञान से ही आत्मा की ज्योति जग सकती है और जीवन कमल के समान खिल सकता है यह बातें गांधी स्टेडियम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कथा वाचिका राजयोगिनी बीके कंचन ने कही, रविवार से शुरू हुई श्रीमद् भागवत कथा के पहले दिन कथावाचक आत्मानुभूति पर अपनी ज्ञान बाटी उन्होंने कहा कि आत्म अनुभूति से ही हमें जीवन की वास्तविकता का ज्ञान प्राप्त होता है,यानी जो मनुष्य खुद को जान लेता है वह जिंदगी में मन से वाकिफ हो जाता है भौतिकता वादी युग में मनुष्यों ने विकास के दौर में अपने विनाश की तैयारी स्वयं कर ली है,मनुष्य अज्ञानता की नींद में सोया हुआ है मन अशांत है और आत्मा की शक्ति घट गई है,इसके लिए सत्संग से जुड़ना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस टेंशन की की दौड़ में हमें आत्मानुभूति कर परमात्मा से दिल लगाना पड़ेगा तभी शांति और सुख की प्राप्ति हो सकती है

भागवत कथा से पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जीडी कॉलेज रोड स्थित प्रभु पसंद भवन से निकाली गई

सभी शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने पूरे शहर का भ्रमण किया, इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य जीवन को भगवत में बनाने और विश्व में शांति व सद्भावना स्थापित करना था! बाद में सात दिवसीय हेल्थ वेल्थ और हैप्पीनेस मेला का भी आयोजन शुरू किया गया है वहीं सुबह तनावमुक्त राजयोग मेडिटेशन शिविर का भी आयोजन हुआ उसमें खुशियों से दोस्ती विषय पर लोगों को ज्ञान दिए गए और मेडिटेशन कराया गया श्रीमद् भागवत कथा के आध्यात्मिक कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में शंकर अग्रवाल, विद्या अग्रवाल, रंजन अग्रवाल अग्रवाल राजू, सोनी रमेश मस्करा रामानंद मीना मस्करा विद्या देवी एवं संगीता कडिया स्नेहा तिब्रेबाल संगीता हिसारिया आदि उपस्थित थे! वही इस हेल्थ वेल्थ हैप्पीनेस मेले की आयोजन गांधी स्टेडियम बेगूसराय में बेगूसराय के डीएम अरविंद कुमार वर्मा एवं परम आदरणीय रानी दीदी साथी ओंकार चंद्र जी ,कीर्ति भाई,डॉ शशि भूषण पूर्व मेयर संजय सिंह एवं आर्यभट्ट के निर्देशक अशोक कुमार अमर एवं सेंट जोसेफ स्कूल के अभिषेक राजयोगिनी ब्रह्मा कुमारी कंचन दीदी जी इन सभी अतिथियों से दीप प्रज्वलन किया गया साथ ही संदेश दिया गया कि यह मेला लोगों के आध्यात्मिक को जीवन में लाने में मदद करेगा जिसे सारा विश्व हेल्थ वेल्थ हैप्पीनेस हो जाएगा! ●

जिम्मेदारी को बखूबी से निभाते इंस्पेक्टर राजवेंदू

● निलेश कुमार

बेगूसराय जिला बिहार पुलिस के लिए हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है चाहे कोई इंस्पेक्टर हो या एस पी। 24 घंटे उनको चुनौती का सामना करना पड़ता है, बेगूसराय जिले में, उसी में खासकर बेगूसराय जिले के कप्तान टीम के एक वफादार इंस्पेक्टर जो अपनी विभाग की ईमानदारी एवं पुलिसिंग के लिए जाने जाते हैं। राजबिंदु जो मुफस्सिल थाना इंस्पेक्टर हैं हर चुनौती का सामना करना चाहते हैं, वह शराब माफियाओं पर नकेल कसना छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर खुद से सुलझा देना, जमीनी विवाद को अपने स्तर से हर हमेशा सुलझाने में मुफ्फसिल थाना अंतर्गत लोकप्रिय छवि यहां की जनता से रुवरु होकर मिलना, बातें करना, उसकी हर समस्या में अपने को साथ रखना राजबेंदु प्रसाद की फितरत हो गई है।

बीते दिन 11 जनवरी 2020 को मुफ्फस्सिल थाना बेगूसराय से सूचना मिली जो एक लड़का बाजार से अपने घर राजौरा जा रहा था रिवर वैली स्कूल के थोड़ा आगे बेगूसराय ब्लॉक के पास रात्रि के 10:17 बजे तीन नकाबपोश बदमाशों ने स्पलेंडर मोटरसाइकिल से ओवरटेक कर कृपा निधान रजवाड़ा निवासी की BR 09 AD/ 7732 पल्सर मोटरसाइकिल लुटेरों ने पिस्तौल के बल पर छीन लिया साथ हि उसका एटीएम कार्ड गाड़ी के कागजात ले फिर बाजार की तरफ से भाग निकला रात में ही कृपा निधान ने इसकी सूचना मुफस्सिल थाने में जा कर दे दी। अगले सुबह त्वरित कार्रवाई के लिए श्री राजबिंदु अपने दस्ते के साथ घटनास्थल की ओर निकल पड़े। सारी जानकारियां इकट्ठा कर उन्होंने बिना कुछ खाए पिए दिन भर अपनी कर्तब्यनिष्ठा के साथ रिवर वैली स्कूल से लेकर डॉ मंजू कुमारी तक की कई सीसीटीवी कैमरे खंगाल डालें साथ ही अपने मोबाइल फोन से बेगूसराय सहित आसपास के खगड़िया एवं समस्तीपुर की कई थानों को अलर्ट पर दिया। दिन रात की मशक्कत के बाद सफलता भी त्वरित हाथ लगी। महज 18 घंटे बीतने के बाद उन्होंने कृपा निधान को खबर किया जो आपकी मोटरसाइकिल बरामद हो गई है और यह तीनों लुटेरे भी पकड़े गए। थाना कांड संख्या 11/20 दिनांक 11/1/20 एस एच 55 ग्राम कंकाल ब्लॉक के सामने से प्रतिबंधित कराया गया कि कांड के बाद ही कृपा निधान उम्र 29 वर्ष पिता प्रियव्रत राय साकिम राजोरा व वार्ड नंबर 7 थाना मुफस्सिल जिला बेगूसराय के आधार पर या कांड दर्ज कराया गया। महज 18 घंटे में दो अपराधी बिगुल कुमार एवं सोनू सिंह को इंस्पेक्टर राजबिंदु जी और बलिया थाना की ऑपरेशन में पिस्तौल और गोलियों के साथ लूटी हुई बाइक को पकड़ने में कामयाबी हासिल की साथ ही तीसरा अपराधी जो लूट के क्रम में इस्तेमाल किया गया स्पलेंडर मोटरसाइकिल के साथ भगवानपुर थाना ने धर दबोचा इस प्रकार की कार्यशैली से कम से कम अपराधियों के मन में पुलिस की खौफ बन जाती है। ●

कोरोना का कहर

● ललन कुमार प्रसाद

दुनियांभर के लोगों में कोरोना वायरस ने दहशत पैदा कर दिया है। चीन के हुवेई प्रांत के वुहान शहर से शुरू हुई कोरोना वायरस का कहर अब दुनियांभर के 24 देशों में फैल गया है। ये देश है-चीन, इटली, दक्षिण कोरिया, अमेरिका फ्रांस, जर्मनी, भारत, श्रीलंका, नेपाल, यूएई, मलेशिया, जापान, रूस, ऑस्ट्रेलिया, ताइवान, वियतनाम, कंबोडिया, सिंगापुर, ब्रिटेन, थाईलैंड, फिनलैंड, फिलीपींस और बोत्सवाना। इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे वैश्विक आपदा घोषित कर दिया है। कोरोना वायरस के गिरफ्त में पूरा चीन यानि चीन के 34 प्रांत है। चीन सरकार से मिली जानकारी के अनुसार 3 फरवरी तक कोरोना वायरस के संक्रमण से मरने वालों का आंकड़ा 425 तक पहुंच गया है। 20 हजार 428 लोगों में इस वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें से 1900 मरिजों की स्थिति नाजुक है।

☆ **वायरस क्या है?** :- 'वायरस' एक लैटिन शब्द है, जिसका मतलब है 'विष'। इसलिए हिन्दी में वायरस को विषाणु कहते हैं। ये वनस्पति वर्ग के सर्वाधिक सूक्ष्म जीवों के समूह है, जो पूर्णत: परिजीवी होते हैं। अर्थात् वायरस अपना भोजन अन्य जीवों से प्राप्त करते हैं। इन्हें पनपने के लिए जीवित कोशिकाओं (लिविंग सेल्स) की जरूरत पड़ती है। जीवित कोशिकाओं में आरएनए (राइबोन्यूक्लिक एसिड) और डीएनए (डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड) दोनो पाये जाते हैं, जबकि वायरसों में इनमें से सिर्फ एक ही पाया जाता है। वायरस में मौजूद न्यूक्लिक एसिड के प्रकार के अनुसार इन्हे डीएनए वायरस और आनएनए वायरस कहा जाता है।

वायरस इतने सूक्ष्म जीव हैं कि शक्तिशाली सूक्ष्मदर्शी (पावरफुल माइक्रोस्कोप) से भी नहीं देखा जा सकता है। ये एक छोटे से पिन के एक सिरे के लगभग 16 हजारवें भाग के बराबर होते हैं। इन्हें केवल इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप से ही देखा जा सकता है। इसलिए वायरस, बैक्टीरिया (जीवाणु) को छानने के लिए सार्वधिक महीन बैक्टीरिया फिल्टर से निकल जाता है। अत: बैक्टीरिया से इनका बिलगाव संभव नहीं है। इनकी लम्बाई 10 माइक्रोन से लेकर 20 माइक्रोन तक होती है। एक माइक्रोन एक मीटर का दस लाखवां भाग होता है। अर्थात् सबसे छोटे और सबसे बड़े वायरस के शरीर में बीस गुणा तक का अंतर होता है।

वास्तव में वायरस इतने सूक्ष्म होते हैं कि इनकी आकृति के बारे में अब तक सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी है। ये कई आकार और आकृतियों में पाये जाते हैं। जैसे-बेलनाकार, बहुभुजाकार, कटे हुए गोले की आकृति जैसी संरचना, धागे जैसी संरचना और मेढ़क की तरह की आकृति वाले। ऐसे वायरस भी पाये जाते हैं, जिनका सिर तो बहुभुजाकार होता है, मगर उसमें बेलनाकार

पूंछ होती है।

वायरस में कोशकीय संरचना (सेलूलर स्ट्रक्चर) नहीं होती है। अर्थात् ये अकोशीय होते हैं वास्तव में वायरस एक न्यूक्लियो प्रोटीन है, जो दो पदार्थों के मिलने से बनते हैं। ये पदार्थ हैं-न्यूक्लिक एसिड और प्रोटीन। वायरस का मुख्य भाग न्यूक्लिक एसिड होता है। वायरस के मध्य में न्यूक्लिक एसिड वलय (रिंग) के रूप में रहता है, जो प्रोटीन की बनी दोहरी सतह वाली सुरक्षा खोल यानि आवरण से ठका रहता है। प्रोटीन के इसी बाहरी खोल को कैप्टिस कहते हैं।

★ **संक्रमण के बाद वायरस कैसे फैलते हैं :-** संक्रमण के बाद वायरस इंसान, पशु-पक्षी और वनस्पतियों की जीवित कोशिकाओं के अंदर पाये जाते हैं तथा विभाजित होते रहते हैं। अर्थात् ये केवल जीवित कोशिका में प्रजनन कर सकते हैं। ये एक कोशिका से दूसरी कोशिका में छिद्र करके चले जाते हैं और नई कोशिका में प्रवेश करते ही विभाजन शुरू कर देते हैं। इस तरह इनकी संख्या में अचानक वृद्धि हो जाती है। साथ ही इन्हें अकार्बनिक पदार्थ की तरह रवाकृत (क्रीस्टाइज्ड) किया जा सकता है। जो जीवित कोशिका के सम्पर्क में आते ही जीवित हो उठते हैं और प्रजनन-गुणन (ब्रीडिंग मल्टीप्लीकेशन) करने लगते हैं।

जीवित कोशिका के बाहर से देखने पर वायरस कुछ भी नहीं है, किन्तु ये अक्रिय रसायन है जो एक बार शरीर में प्रविष्ट होते ही जीवान्त हो जाते हैं और अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जीव-रसायनीय (बायो केमिकल) मशीनरी पर अधिकार जमा लेते हैं। दूसरे शब्दों में वायरस बीमारी फैलाते हैं, इसलिए इन्हें मृत नहीं माना जा सकता। फिर वायरस भोजन के लिए परपोषी पर पूरी तरह आश्रित रहते है। इसलिए जीवितों में इनकी गिनती नहीं की जा सकती है। यही कारण है कि वैज्ञानिक आज भी वायरस को आधा जीवित और आधा मरा हुआ मानते हैं। इस प्रकार वायरस में सजीव और निर्जीव दोनो ही प्रकार के गुण पाये जाते हैं। इसलिए ये सजीव और निर्जीव दोनो ही के बीच की कड़ी हैं।

अलग-अलग किस्म के वायरस शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर हमला कर अलग-अलग तरह की बीमारियां फैलाते हैं। मसलन बड़ी और छोटी चेचक, खसरा, बुखार, आदि चमड़े पर वायरस के हमले से फैलती है। कुछ वायरस स्नायुओ और नसों पर हमला कर बीमारियां फैलाते हैं। इनसे रैबीज, मस्तिष्क ज्वर और लकवा जैसी बीमारियों होती है। कुछ वायरस शरीर के भीतर घूस जाते हैं और वहां से बीमारियों को जन्म देते हैं। इन बीमारियों में इन्फ्लुएन्जा, सर्दी-जुकाम और जिगर (लिवर) का सूज जाना शामिल है।

वायरल रोगों के बारे में एक महत्वपूर्ण बात यह है कि यह छूत से लगने वाले होते हैं। मसलन शर्दी-जुकाम को ही ले लीजिए। इसके लिए लगभग 100 प्रकार के विभिन्न वायरस जिम्मेदार होते हैं और इनमें से प्रत्येक वायरस के चलते थोड़े अलग-अलग लक्षण पैदा होते हैं। जब जुकाम की

होती है तो वायरस श्वसन संस्थान के अवयवों के उपर आक्रमण करते हैं, जिससे जाने-पहचाने लक्षण पैदा हो जाते हैं। जैसे-गले में खरास, सूखापन, नाक का अवरूद्ध होना, नाक का बहना, छिके, इत्यादि। यहां पर इस बात का उल्लेख करना जरूरी है कि व्यस्कों की अपेक्षा बच्चों को शर्दी-जुकाम जल्दी होती है, क्योंकि बच्चों की रोग प्रतिरोध ी क्षमता युवाओं और व्यस्कों के वनिस्पद कम होती है। फिर बच्चे अपनी कक्षा में दूसरे बच्चों के साथ बैठते हैं तो उनमें से एक-दूसरे में संक्रमण फैल जाता है, क्योंकि बच्चे छिकते समय मुंह में रूमाल नहीं रखते हैं। दरअसल जब बच्चा छिकता है तो उसके मुंह से तेजी से अधिक मात्रा में निकली हुई नम हवा के साथ वायरस अगल-बगल के वातावरण में फैल जाता है, जिससे एक बच्चा, दूसरे बच्चे से संक्रमित हो जाता है।

★ **वायरस का वर्गीकरण :-** यह सच है कि वायरस के संक्रामक गुण जंतुओं और पेड़-पौधों में तरह-तरह की बीमारियां फैलाते हैं, लेकिन एक प्रकार के वायरस एक ही प्रकार के परपोषी पर आक्रमण करते हैं। प्रत्येक प्रकार के वायरस के एक निश्चित परपोषी के आक्रमण के आधार पर इनका वर्गीकरण इस प्रकार किया जाता है :-

☞ **फेग या बैक्टीरियोफेग वायरस :-** कुछ वायरस बैक्टीरिया में संक्रमण पैदा करते हैं, इन्हें बैक्टीरियोफेग वायरस कहा जाता है। अर्थात् यह बैक्टीरिया का भक्षण करते हैं।

☞ **जूफेग वायरस :-** ये वायरस जंतुओं की जीवित कोशिकाओं का भक्षण करता है यानि अपना पोषी मानते हैं।

☞ **फाइटोफेग वायरस :-** ये पौधों को अपना पोषी मानते हैं।

☞ **माइकोफेग वायरस :-** ये कवकों (फंगस) की कोशिकाओं को अपना पोषी मानते हैं।

वायरस के अनोखे संसार पर वैज्ञानिकों के अनुसंधान जारी है और नित्य नये वायरस की खोज होते रहती है।

★ **कोशिकाओं के अंदर वायरस की संक्रमण सक्रियतारोधी नवीनत्तम खोज :-** जापान में टोकियो स्थित संक्रामक रोग विशेषज्ञ वाई. कोजिमा और आर.वाई नागानोने ने पुष्टि की है कि इण्डेरफेरॉन से कोशिकाओं के अंदर वायरस संक्रमण क्रियाओं में विघ्न पड़ती है। अर्थात् इण्डेरफेरॉन में वायरसरोधी सक्रियता का गुण मौजूद है। इन संक्रामण रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों के मतानुसार इण्डेरफेरान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसकी वायरसरोधी सक्रियता किसी विशेष प्रकार की वायरसों के प्रति न होकर प्राय: अधिकांश वायरसों के साथ होती है। इण्डेरफेरान की दूसरी सबसे बड़ी विशेषता ये है कि इसका प्रभाव काफी व्यापक होता है, क्योंकि यह कोशिकाओं को वायरस संक्रमण के समय वायरसरोधी बनाने के साथ-साथ उनके विभाजन को भी रोकता है। इण्डेरफेरान की तीसरी सबसे बड़ी विशेषता है कि यह हमारी रोग प्रतिरक्षा प्रणाली की प्राकृतिक किलर कोशिकाओं को उत्तेजित करता है, जिससे

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। इण्डेरफेरान मनुष्य को बड़ी व छोटी चेचक, सर्दी-जुकाम, आंखों पर असर डालने वाली अरपीस आदि वायरसों के आक्रमण से सुरक्षित रखता है। इन रोगों से बचाने के लिए इण्डेरफेरान की अत्यंत सूक्ष्म मात्रा की जरूरत पड़ती है।

★ **जलवायु परिवर्तन के चलते वायरसों के आक्रमण का खतरा :-** वैसे ही चीन के कोरोना वायरस के चलते पूरी दुनियां दहशत में है, लेकिन वैज्ञानिकों का नया शोध भविष्य में वायरसों के और बड़े संभावित खतरे की ओर इशारा कर रहा है। बात यह है कि वैज्ञानिकों ने तिब्बत में 15 हजार साल पुराने वायरसों के एक खतरनाक समूह का पता लगाया है। 33 वायरसों का यह समूह 520 से 15 हजार साल पुराने हैं, जिन्होंने तिब्बत के उत्तरी-पश्चिमी बर्फीली पठारों में अपना घर बना लिया है। यह बहुत ही अधिक चिंता की बात है कि इन 33 वायरसों में से महज पांच के ही बारे में आधुनिक विज्ञान को जानकारी है, जबकि 28 ऐसे वायरस हैं, जो विज्ञान के लिए नये हैं। शोधकर्ता वैज्ञानिकों का कहना है कि बर्फ में दबे होने के कारण ये वायरस अलग-अलग जलवायु (क्लाइमेट) में अपने-आपको जिंदा रखे हुए हैं। चूकि इन वायरसों की मौजूदगी का इलाका तिब्बत का बर्फीला पठार है जो चीन के 38 प्रांतों में से एक प्रांत तिब्बत में पड़ता है। इसलिए भविष्य में वायरसो के इस समूह से संक्रमित होने का खतरा बहुत अधिक बढ़ गया है। ऐसा इसलिए कि चीन, दुनिया का एक ऐसा देश है जहां पालतू तथा जंगली हर तरह के जानवरों का सेवन बहुत बड़े पैमाने पर किया जाता है। इसलिए चीन हर तरह के वायरसों के लिए जन्नत बन गया है।

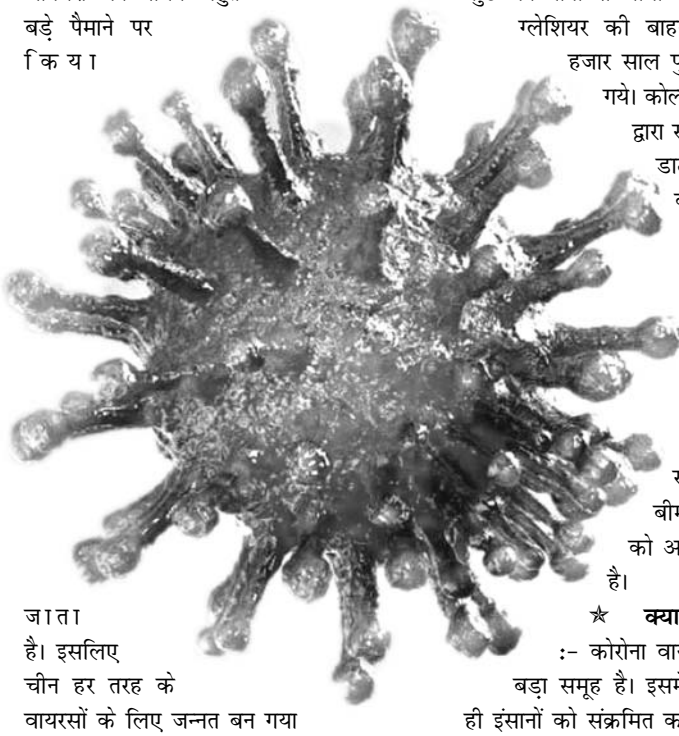

अमेरिका से तिब्बत पहुंची वैज्ञानिकों की एक टीम ने 1992 और 2015 के ग्लेशियरों के नमूने लिये थे। ग्लेशियर यानि बर्फ की नदी। लिए गये ग्लेशियरों के नमूनों के टुकड़ों को ठंढे कमरे में रखा गया था, जहां कुछ को इथेनाल (इथाइल अल्कोहल) से साफ किया गया और कुछ को पानी से धोया गया, तो पाया गया कि ग्लेशियर की बाहरी परत हटते ही 15 हजार साल पुराने वायरस सामने आ गये। कोल्ड स्प्रिंग हार्बल लेबोरेटरी द्वारा संचालित बायो आर्काइव डाटाबेस से जुड़े वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर की बर्फ पिघल रही है, जिसके चलते बर्फ में दबे ये वायरस बाहर आ सकते हैं। इससे आशंका व्यक्त की जा रही है कि वर्षो पुरानी बीमारियों फिर से दुनियां को अपने चपेट में ले सकती है।

★ **क्या है कोरोना वायरस? :-** कोरोना वायरस, वायरसों का एक बड़ा समूह है। इसमें से सिर्फ छः वायरस ही इंसानों को संक्रमित करते हैं, लेकिन चीन के हुवेई प्रांत के वुहान शहर में दिसम्बर के प्रारंभ में पहली बार सामने आया यह वायरस कोरोना परिवार का सातावां नया वायरस है। इसलिए इसे 'नॉवेल कोरोना वायरस' (एन कोरोना वायरस या एनसीओवी) के नाम से जाना जाता है। चूकि यह वायरस चीन के वुहान शहर में पहली बार सामने आया है, इसलिए इसे वुहान कोरोना वायरस के नाम से भी जाना जाता है। वैसे कोरोना परिवार के इस नये वायरस का कुछ तो नाम होना चाहिए, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अभी तक इस नये वायरस का नामकरण नहीं किया है। यह वायरस कांटों की तरह दिखता है। कांटो (क्राउन) जैसा दिखने के कारण इस वायरस का नाम कोरोना पड़ा। कोरोना वायरस की सबसे बड़ी खराबी है कि यह बेहत तेजी से फैलता है।

अनुमान है कि यह वायरस सार्स (सिवियर एक्यूट रेसपिरेटरी सिंड्रोम) और मर्स (मिडल इस्ट रेसपिरेटरी सिंड्रोम) की तरह जानवरों से आया है। कोरोना वायरस की एक प्रजाति से दूसरे प्रजाति में ट्रांसमिट यानि जाते हैं और फिर इंसानों को संक्रमित कर देते हैं। इस दौरान इनका बिल्कुल पता नहीं चल पाता है। इस वायरस से बचाव के लिए अभी तक कोई वैक्सिन (टीका) तैयार नहीं की जा सकी है। इसलिए इससे बचाव ही इसका इलाज है। अतः कोरोना वायरस से संक्रमित मरीज से दूर रहने को कहा गया है।

वायरसों के उद्‌गम स्त्रोत

साल	वायरस	जानवर	स्त्रोत देश
1919	स्वाइन फ्लू	सुअर	अज्ञात
1976	इबोला	चिम्पैंजी	अफ्रीका
1977	बर्ड फ्लू	वाटर फाउल	हांगकांग
2002	सार्स	सीवेट कैट	चीन
2012	मर्स	ऊँट	सउदी अरब
2013	एच/एन 9 एवियन इनफ्लूएंजा	–	चीन
2018	एच 7 एन 4	–	चीन
2019	एच 5 एन 6 बर्ड फ्लू	–	चीन
2020	कोरोना	चमगादड़	चीन

विश्व स्वास्थ्य संगठन के क्षेत्रीय निदेशक डॉ० पूनम के अनुसार जानवरों की मांस से फैले वायरस की वजह से दुनियांभर में हर साल करोड़ों लोग बीमार पड़ रहे हैं। इसकी वजह से हर साल लाखों लोगों की मृत्यु हो रही है। हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने उन बीमारियों की पहचान की है, जिनमें सार्वजनिक स्वास्थ्य, आपातकाल पैदा करने की क्षमता है। लेकिन, उनके प्रभावी इलाज और टिकों की कमी है। इस सूचि में इबोला, जीका, निपाह, सार्स, मर्स, स्वाइन फ्लू और बर्ड फ्लू शामिल है, जो किसी अज्ञात महामारी के लिए तैयार रहने को आगाह करते हैं। ऐसा इसलिए कि ऐसी बीमारियां भविष्य में किसी गंभीर महामारी का कारण बन सकती है।

☆ **कोरोना वायरस के लक्षण :-** कोरोना वायरस इंसान के फेफड़ों में घातक संक्रमण करता है, जिससे संक्रमित व्यक्ति के शरीर का तापमान सबसे पहले बढ़ता है। इससे सूखी खासी होती है और एक सप्ताह बाद संक्रमित व्यक्ति को सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। यही कारण है कि कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति को सबसे पहले सांस लेने में दिक्कत, गले में दर्द, मांसपेशियों में दर्द, थकान, खांसी, जुकाम और बुखार होता है। एडवांस्ड स्टेज में यह लोगों में निमोनिया जैसी परेशानियां पैदा करता है, जिससे लोगों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ सकता है। निमोनिया और किडनी से जुड़ी कई दिक्कतें बढ़ सकती है। कोरोना वायरस के मरीज ज्यादातर उम्रदराज लोग हैं। खासकर वे लोग पहले से ही पार्किसन, डायबिटीज और सांस की बीमारियों से जुझ रहे होते हैं।

☆ **चीन की कारिस्तानी से चुनौती बना कोरोना :-** चीन में कोरोना वायरस का खुलासा इस साल 20 जनवरी को हुआ, लेकिन पहले इस खबर को करीब डेढ़ महीने तक दबाये रखा गया। यदि पहले ही विश्व स्वास्थ्य संगठन को इसकी जानकारी दे दी गई होती तो हालात इतने वेकाबू नहीं होते। दुनियांभर में एकदम से भय और तबाही मचाने को नॉवेल कोरोना वायरस इतना पैर नहीं पसार पाता, क्योंकि चीन सहित दुनियां के सभी देश सर्तक हो जाते। समय पर आपातकालीन कदम उठा लिए होते। पिछले कई मौकों की तरह इस बार भी चीन से निकला यह नया वायरस दुनियांभर में आतंक का पर्याय बन गया है। दरअसल, चीन के वुहान शहर में इस वायरस का आक्रमण 2019 के आरंभ में ही हो गया था, लेकिन चीन में इस तथ्य को न सिर्फ छिपाया गया, बल्कि साधारण बीमारी बताकर गुमराह किया गया। किन्तु झूठ की इंतिहा तो तब हो गई जब कहा गया कि इससे किसी की मौत नहीं हुई है। लेकिन जर्मनी की लैब जर्मन सेंटर फॉर इंफेक्शन रिसर्च ने इस बारे में जांच-पड़ताल शुरू किया तो पाया कि नॉवेल कोरोना वायरस पहली बार चीन के हुवेई प्रांत के वुहान शहर में ही उभरा है, जिससे गंभीर निमोनिया होता है। तब इस वायरस की भयवहता का दुनियां को पता चला, लेकिन, तब तक काफी देर हो चुकी थी। चीन की यह हरकत मानवता को शर्मसार करने जैसी है। इतनी बड़ी घटना को पचाने की कोशिश से चीन की नियत पर पूरी दुनियां को शक होने लगा है। एक महाशक्ति की ऐसी हरकत क्षमायोग्य

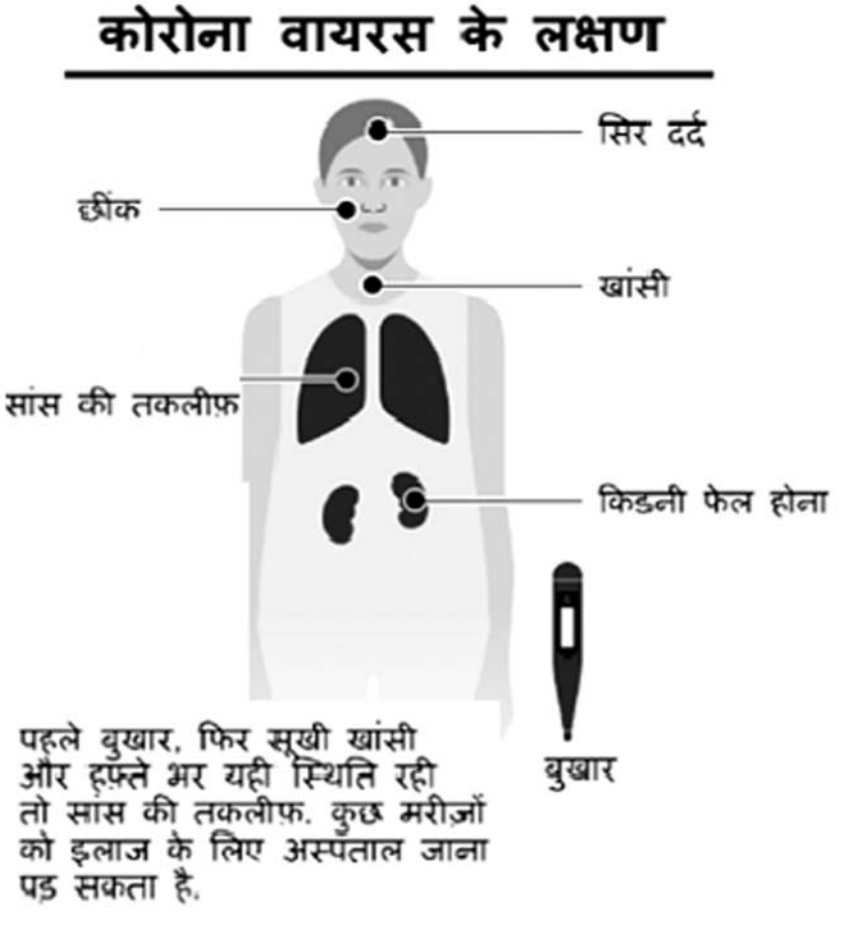

नहीं है। पूरी दुनियां सुपर पावर चीन के सच छिपाने की चोर मानसिकता से हैरान है।

☆ **आखिर चीन से ही क्यों फैलती है तरह-तरह की महामारियां? :-** दुनियांभर में तबाही फैलाने वाली ज्यादातर बीमारियां चीन से ही शुरू क्यों होती है? क्या है कि वहां से पहला वायरस निकलकर दुनियांभर में फैल जाता है? दरअसल, चीन में लोमड़ी, मगरमच्छ, भेड़िया, सांप, छिपकली, गिलहरी, चूहे, कुत्ता, बिल्ली, सुअर, मोर, साही, ऊँट, तेलचट्टा, चमगादड़ सहित 112 किस्म के कच्चे, पके व अधपके तथा जिंदा जानवरों के मांस खाये जाते हैं। चीन के मीट मार्केट में कई तरह के जानवरों के मांस मिलते हैं। इसलिए वहां नये-नये वायरस तेजी से फैल रहे हैं। खासकर हाइजीन में थोड़ी भी चूक वायरस के फैलने में मददगार होती है। बात यह है कि वहां के फूड मार्केट में सुरक्षित तरीके से जानवरों के मांस का रख-रखाव नहीं होता है। ऐसे में जहां भी जानवरों का करीबी और अनियंत्रित मेल-जोल होता है, वहां बीमारियों को फैलने का खतरा सबसे ज्यादा होता है। इसके चलते जानवरों में पाया जाने वाला वायरस इंसानों में पहुंचने लगते हैं। इसलिए चीन के फूड मार्केट से नये-नये वायरस तेजी से फैलते हैं और संक्रामक होने की वजह से पूरी दुनियां में फैल जाते हैं। दरअसल चीन के मांस बाजार में जानवरों के मांस और खून का इंसानों के शरीर से सम्पर्क करीबी और अनियंत्रित होता रहता है, जो वायरसों के फैलने की सबसे बड़ी वजह है। तमाम प्रयोगों, परिक्षणों और रिसर्चों से साबित हो गया है कि कई तरह के खतरनाक वायरस जानवरों के मांस से इंसानों में आये हैं और फिर इनका संक्रमण तेजी से पूरी दुनियां में फैला है। वास्तविकता तो यह है कि विगत तीस वर्षों में तीस नयी एवं खतरनाक संक्रामक बीमारियों के बारे में पता चला है कि 60% वायरस जानवरों से फैले हैं और इनमें से 75% वायरस जानवरों से इंसान में आये हैं। वर्ष 2002 में चीन के मांस बाजार में मिलने वाली कस्तूरी विलाव में पहला सार्स वायरस मिला था। वैज्ञानिक मानते हैं कि चमगादड़ों ने बिल्ली जैसे जीवों को इससे संक्रमित किया और फिर इंसानों द्वारा

बिल्लियों को खाने से यह उनमें फैला।

यह स्थिति सिर्फ चीन की ही नहीं है। दुनियांभर में जहां भी जानवरों और इंसानों के बीच करीबी और अनियंत्रित मेल-जोल होता है, वहां वायरस से संक्रमित होने के मामले ज्यादा पाये जाते हैं। मसलन, अफ्रीका में इबोला के मामले में यही देखा गया। अफ्रीका के चिम्पैंजियों में सबसे पहले इबोला वायरस पाया गया था। वहां इंसानों के द्वारा चिम्पैंजियों को मारकर खाने के बाद ही इबोला वायरस जानवरों से इंसानों में ट्रांसमिट हुआ। मांस बाजार में वायरस के फैलने से पैथोजंस रोगाणु (जर्मस) का ट्रांसमिशन आसान हो जाता है।

☆ **चीन के लोग अछूत बनते जा रहे हैं :-** चीन से दुनियांभर में फैले कोरोना वायरस की वजह से चीनी लोग दुनियांभर में हीन भावना के शिकार हो रहे हैं, अछूत बनते जा रहे हैं। सिंगापुर ने चीनी यात्रियों को वीजा देना बंद कर दिया है। वियतनाम, रूस, फिलीपींस, बांग्लादेश, श्रीलंका और मलेशिया ने चीनी यात्रियों के वीजा पर प्रतिबंध लगा दिया है। ब्रिटिश एयरवेज ने चीन से आने और जाने वाले सभी उड़ाने निलंबित कर दी है। छोटा सा देश पापुआ न्यू गिनी ने किसी भी एशियाई नागरिक के देश में प्रवेश पर रोक लगा दिया है। दक्षिण कोरिया, जापान, हांगकांग और वियतनाम के रेस्तरां ने चीनी ग्राहकों पर वैन लगा दिया है। इंडोनेशिया में लोगों ने एक होटल के बाहर प्रदर्शन कर वहां मौजूद चीनी पर्यटकों को चले जाने को कहा। साउथ कोरियाई वेबसाइटों पर ऐसी अनेक टिप्पणियां आ रही है कि जिन पर चीन के लोगों को देश से बाहर निकलने तथा उनपर प्रतिबंध लगाने की मांग हो रही है। अभी तक सम्राज्यवादी रवैये के चलते दुनियां के देशों में चीन विरोधी भावनाएं देखने को मिलती थी, किन्तु दुनियांभर में चीन से फैलते जानलेवा कोरोना वायरस के चलते अब कई देश उसके खिलाफ एकजुट दिखाई दे रहे हैं।

☆ **ग्लोबल अर्थव्यवस्था को जबरदस्त झटका लगा है :-** चीनी शहरों में सिनेमा, होटल-रेस्तरां बंद होने और शहरों के बीच आवागमन बंद होने से वहां पर्यटकों की संख्या में 79.6% कमी आयी

है। ज्यादातर घरेलू पर्यटकों ने बुकिंग रद्द कर दी है। चीन के 11 हजार सिनेमाघर बंद हैं। कॉफी चेन स्टार ने अपने 2 हजार से अधिक स्टोर बंद कर दिये हैं। वुहान शहर ऑटो कंपनियों का मैनुफैक्चरिंग केन्द्र है। वहां निसान, होंडा, जनरल मोटर्स, आदि ऑटो कंपनियों के प्लांट हैं, जो बंद कर दिये गये हैं। सभी तरह की दवाइयों के 80% कच्चे माल दुनियांभर में चीन से निर्यात किये जाते हैं। चीन से दवाइयों के कच्चे माल के निर्यात में आयी भारी कमी के चलते कई देशों के दवा बनाने वाली कंपनियां कच्चे माल के आभाव में बंद होने के कगार पर पहुंच गयी है।

दुनियांभर में प्लास्टिक के फूलों की 90% सप्लाई चीन से की जाती है, जिसका निर्यात फिलहाल बंद है। भारतीय कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल जैसी कंपनियां जो चीनी आयात पर निर्भर है, उनमें से कई कंपनियों के पास महज दो हफ्ते का ही माल बचा है, इसलिए भारतीय कंपनियों पर शटडाउन का खतरा मंडरा रहा है। जापान की कार निर्माता कंपनी टोयोटा ने चीन में अपना प्लांट फिलहाल बंद कर दिया है। इससे स्पष्ट है कि ग्लोबल अर्थव्यवस्था को भारी झटका लगा है। अर्थव्यवस्था का नकारात्मक असर दूर करने के लिए चीन के केन्द्रीय बैंक ने 12369 करोड़ से अधिक की राशि बाजार में झोकने की योजना बनायी है। पिपुल्स बैंक ऑफ चाइना, 2 फरवरी 2020 को एक बयान में कहा है कि कोरोना महामारी से जुझने, मुद्रा बाजार को स्थिर बनाये रखने और बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त तरलता बनाये रखने के लिए उचित कीमत पर बिक्री के अनुबंध के तहत बॉन्ड खरीदकर बाजार में धन का प्रवाह बढ़ायेगी।

☆ **कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति का इलाज :-** कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति को इससे निदान पाने के लिए फिलहाल कोई इलाज नहीं है। डॉक्टर संक्रमित मरीजों का इलाज उनके लक्षण के आधार पर ही कर रहे हैं। डॉक्टर द्वारा इलाज हेतु समान्यतया एंटीवायरल का इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे में सावधानी बरतना और वायरस से रोकथाम के उपायों पर अमल किया जाना ही इसका इलाज है। कोरोना वायरस के संक्रमण का सबसे अच्छा उपाय घर और घर की साफ-सफाई है। हांथ धोने के लिए साबुन या सेनेटाइजर का उपयुक्त इस्तेमाल। वायरस से संक्रमित व्यक्ति से करीब दो मीटर की दूरी बनाये रखना। जो व्यक्ति संक्रमित नहीं भी है, उनसे ना हांथ मिलाये और ना गले मिले। बस दूर से ही हांथ जोड़े। एन 95 मास्क पहनकर ही घर से बाहर निकले। यदि एन 95 मास्क उपलब्ध नहीं हो तो दूसरे किस्म का भी मास्क पहन सकते हैं। एक ही मास्क का बार-बार उपयोग न करे। कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति पानी खूब पिये। इस मामले में डाभ या कच्चे नारीयल का पानी खूब पीना चाहिए। मौसमी और अनार के रस का सेवन भी इस मामले में बहुत लाभकारी है। आम तौरपर शरीर के अंदर एंटी बॉडिज बनाने में और उसको ड्रेन करने के लिए शरीर में पर्याप्त पानी का होना जरूरी है। पिया गया पानी, पसीना और पेशाब के रूप में शरीर के अंदर की गंदगी और जहरीले पदार्थों को अनवरत बाहर निकालते रहता है। सांस लेने में तकलीफ होने पर संक्रमित व्यक्ति को गर्म पानी की भाप लेनी चाहिए अथवा ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करना चाहिए। वैज्ञानिकों के अनुसार चीन के घातक कोरोना वायरस का प्रकोप छः महीने तक चलेगा।

☆ **कोरोना वायरस का टीका :-** ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में पीटर होहटी इंस्टीच्यूट ऑफ इंफेक्शन एण्ड इम्युनिटी के जुलियन ड्रूस ने कहा है कि चीनी अधिकारियों ने नॉवेल कोरोना वायरस के जिन का समूह जारी किया है, जो इस रोग की पहचान में मददगार है। ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने कोरोना वायरस का स्ट्रेन लैब में विकसित कर लिया है, जिससे जल्द ही कोरोना वायरस का टीका बनाया जा सकेगा। चीन और रूस के वैज्ञानिक भी कोरोना वायरस का टीका विकसित करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। चीन की ओर से दावा किया जा रहा है कि एक महीने के अंदर कोरोना वायरस का टीका विकसित कर लिया जायेगा। लेकिन, फिलहाल चीन के दावे को विश्वासीय अथवा प्रमाणित नहीं माना जा रहा है। इस बीच दावा किया जा रहा है कि हांगकांग का एक फर्म कोरोना वायरस से लड़ने की दवा विकसित कर ली है। लेकिन, फिलहाल इसका इस्तेमाल इंसानों पर नहीं किया जा सकता है। ऐसा इसलिए कि इस दवा का क्लीनिकल टेस्ट जानवरों पर चल रहा है। अभी इस दवा को इंसानों के लिए इस्तेमाल हेतु बनाने में एक साल

का भी समय लग सकता है, लेकिन खुशी की बात है कि 28 जनवरी 2020 को कोरोना के इलाज के लिए टीका की खोज में लगे अनेक वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि कोरोना के टीका को आठ सप्ताह के अंदर पूरी तरह से विकसित कर लिया जायेगा।

✯ **अद्‌भुत है कोरोना वायरस से मुकाबले की चीन की तैयारी :-** महज दस दिनों में सौ वेड वाला होशेंसन हॉस्पीटल बनाकर तैयार कर लिया गया। 2500 वर्ग मीटर (269000 वर्ग

फीट) में बने इस हॉस्पीटल का निर्माण 23 जनवरी 2020 को शुरू किया गया और 3 फरवरी 2020 को बनकर तैयार हो गया। 3 फरवरी से इस हॉस्पीटल में इलाज शुरू कर दिया गया। इस हॉस्पीटल में कुल मिलाकर 1400 स्टॉफ हैं। इस हॉस्पीटल से 25 मील की दूरी पर 1600 वेड वाला दूसरा हॉस्पीटल निर्माणाधीन है, जो जल्द ही बनकर तैयार हो जायेगा।

चीन ने जानलेवा कोरोना वायरस को नियंत्रित करने के लिए 8310 सदस्यों की कुल 68 चिकित्सा टीमों को हुवेई प्रांत में लगा रखा है। चिकित्सा टीमों में श्वसन, संक्रमण और मेडिसिन विशेषज्ञ डॉक्टर तथा नर्सें शामिल हैं। 68 चिकित्सा टीमों में से 57 चिकित्सा टिमें वुहान शहर के 27 हॉस्पीटलों में लगाये गये हैं, जो कोरोना बीमारी का केन्द्र है। चिकित्सा पर लगाये गये कुल 8310 सदस्यों में से 6775 सदस्य सिर्फ वुहान शहर में लगाये गये हैं। 3 फरवरी 2020 तक वुहान शहर में 350 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 11 हजार 177 कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की पुष्टि हुई है। जिनमें से 1701 लोगों की हालत नाजूक बतायी जा रही है। चीन के वुहान शहर के मीट मार्केट को बंद करा दिया गया है। चीन ने कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने संबंधी प्रयासों को तेज करने के लिए 280 हजार करोड़ रूपये की राशि आवंटित की है। वही चीन के उद्योगपति जैक मा व बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन भी मदद के लिए आगे आये हैं। कोरोना वायरस को रोकने के लिए चीनी सरकार ने पूरे देश में सर्विलांस नेटवर्क बना रखा है। हर जगह नागरिकों की निगरानी की जा रही है। इसका मकसद है कि 1 करोड़ 10 लाख की आबादी वाले वुहान शहर के लोग नये साल पर शहर छोड़कर देश के अन्य हिस्सों में जहां कही भी गये हैं, उन्हें तलाश करके पकड़ा जा सके। चीनी कारखाने में प्रतिदिन दो करोड़ मॉस्क तैयार

☆ **वायरस के आक्रमण से सुरक्षा के उपाय :-**

☞ विश्व स्वास्थ्य संगठन को ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जिनमे करीब-करीब लोगों के संक्रमित होने के मामले की पुष्टि हुई है। यही कारण है कि परिवार के एक व्यक्ति के संक्रमित होने की सूरत में उसकी देखभाल करने वाले व्यक्ति भी संक्रमण का शिकार हो सकता है। इसलिए वायरस से संक्रमित मरीज से पर्याप्त दूरी बनाये रखनी चाहिए। कोरोना वायरस से संक्रमित मरीज को छिक आने की सूरत में सामने खड़े लोगों को बचने का प्रयास करना चाहिए।

☞ सांसों के किसी भी तकलीफ से संक्रमित बीमार के पास जाने से यथासंभव बचना चाहिए।

☞ किसी भी संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आने के बाद हांथ, मुंह आदि को साफ पानी से धो लेना चाहिए।

☞ बच्चों को खेलकर आने के बाद हांथ को साबुन या सेनेटाइजर से धोने के बाद मुंह को साफ पानी से अच्छी तरह धो लेना चाहिए।

☞ तौलिया तथा अंदर पहने जाने वाले वस्त्र जैसे-गंजी, कछिया, मोजा, इत्यादि अपने-अपने प्रयोग में लाना चाहिए।

☞ टूथ ब्रश, कंघी, इत्यादि भी अपना-अपना प्रयोग में लाना चाहिए।

☞ छिक आने पर या खांसी होने पर नाक और मुंह के आगे रूमाल या टिसू पेपर अवश्य रखना चाहिए। बच्चों को भी यही सिख दे।

☞ नाक बहने पर नाक से बहने वाले पानी, बलगम और थूक को जगह-जगह न फैलाये।

☞ वाश बेसिन में नाक और गला साफ करने के बाद तुरंत पानी गिराकर साफ कर दे।

☞ घर में पालतू जानवर हो तो उससे दूर रहे। जब भी पालतू जानवर, जैसे कुत्ता किसी व्यक्ति के शरीर के किसी अंग पर अपनी जीफ फेरे या लार लगाये तो शरीर के उस अंग को साबुन से अवश्य धोएं। बच्चों को भी यही सिख दें।

☞ मरीज के देखभाल की सभी वस्तुएं, जैसे-तौलिया, चादर, तकिया का खोल, रूमाल, गंजी, कछिया, मोजा, इत्यादि को दूसरे के कपड़ों से अलग रखना चाहिए, ताकि स्वस्थ व्यक्ति वायरस से संक्रमित न होने पाये। मरीज तथा स्वस्थ व्यक्ति के कपड़े झाड़ने वाला ब्रश भी अलग होना चाहिए।

☞ परिवार के किसी व्यक्ति को कच्चा या पका मांस नहीं खाना चाहिए। वैसे ताजा मांस, मछली, चिकेन और अंडे का सेवन भी परिवार के लोगों को बंद कर देना चाहिए। यदि आदत के गुलाम हैं तो ताजा मांस, मछली और चिकेन ले सकते हैं, लेकिन कमी अवश्य कर दे। मटन और चिकन खाने के बाद इसके बहुत ही छोटे-छोटे टुकड़े प्राय: दांतों के बीच फंस जाते हैं। इसलिए खाने के बाद मांस के फंसे टुकड़ों को टूथपिक (दांतखोदनी) से निकालकर ब्रश से मुंह को साफ कर लेना चाहिए।

☞ पहले माना जा रहा था कि कोरोना वायरस जानवरो से इंसान में फैलता है, लेकिन अब यह इंसानों से इंसान में भी फैल रहा है। इसलिए सभी के लिए उपयुक्त मॉस्क लगाना जरूरी है। कोरोना वायरस से प्रभावित इलाके में छोटे-बड़े सभी व्यक्ति को उपयुक्त किस्म के मॉस्क पहनकर ही घर से बाहर किसी काम के लिए निकलना चाहिए और कार्यस्थल पर मॉस्क पहनकर ही काम करना चाहिए। लेकिन सार्वजनिक जगहों, जैसे-रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, हवाईअड्डा, मॉल, आदि जगहों पर तो उपयुक्त मॉस्क लगाकर ही जाना चाहिए। एक ही मॉस्क का उपयोग बार-बार नहीं करना चाहिए।

☆ **वायरस से संक्रमित होने पर निम्नलिखित बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए :-**

☞ वायरस से संक्रमित होने पर मरीज को स्वस्थ होने में वायरस अपना नियत समय अवश्य लेते हैं, फिर भी चिकित्सक द्वारा दिया गया उपचार लोगों की भीषमता को कुछ हद तक कम कर राहत दिलाता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का सबसे बड़ा हथियार एंटीबॉयोटिक वायरस पर काम नहीं करता है। इसलिए वायरल इंफेक्शन के मरीजों को उल्टी-सिधी दवा नहीं देनी चाहिए।

☞ मरीज को पूर्ण आराम करना चाहिए।

☞ मरीज को हल्का मगर सुपाच्य, पौष्टिक तथा ताजा भोजन करना चाहिए।

☞ रोगी को खाने के पहले और खाने के बाद हांथ को साबुन से अच्छी तरह धोना चाहिए। शौच के बाद भी मरीज को साबुन से हांथों को अच्छी तरह धोना चाहिए।

☞ किसी भी वायरस के संक्रमण से बचने का सबसे अच्छा उपाय है साफ-सफाई। विशेषकर अस्पतालों में साफ-सफाई रखनी ही चाहिए। लेकिन हमारे देश में खासकर बिहार राज्य में सरकारी अस्पतालों की हालत ऐसी है कि यहां स्वस्थ आदमी भी बीमार पड़ सकता है। लेकिन क्या अस्पताल परिस, घर, सब्जी और फल बाजार तथा मांस-मछली बाजार और रेलवे स्टेशन, बस अड्डा तथा किसी संस्थान को साफ-सुथरा रखने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं है। एक जिम्मेदार नागरिक की नजर से देखे तो यह जिम्मेदारी हमारी भी बनती है। इसलिए हम सभी को यह जिम्मेदारी सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर निभानी चाहिए।

☞ वायरल बीमारियों को फैलने से बचाता है नीम। इसलिए मरीज के बिस्तर के चारों कोनों पर तथा सिरहाने नीम की ताजी पत्तियों को रखना चाहिए। मरीज के कमरे के दरवाजे पर भी नीम के पत्तियों को टहनी सहित लटकानी चाहिए। खासकर गांवों और कस्बों में चेचक और खसरा होने पर ऐसा अवश्य किया जाता है, जिससे परिवार के अन्य सदस्य वायरस से संक्रमित होने से बच जाते हैं। नतीजा ये बीमारियां फैलती नहीं है।

किये जा रहे हैं। चीन ने कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित वुहान समेत 21 शहरों में मांसाहार पर प्रतिबंध लगा दिया है। चीन की सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे मांस का सेवन बंद कर दे, सब्जियां खायें। मांसाहार पर पाबंदी से वहां पर खाने-पीने का संकट बढ़ गया है। इसलिए चीन सरकार ने किसानों से कहा है कि वे अधिक से अधिक सब्जियां उगाये ताकि देश में सब्जियों की किल्लत न हो। चीन के कृषि मंत्रालय ने सभी एजेंसियों को खादान्न उत्पादन में जुट जाने को कहा है, ताकि खाने का संकट ना हो। चीन सरकार ने पड़ोसी देशों से फल-सब्जी और अन्य खाद्य पदार्थों का आयात भी बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है।

चीनी सरका ने कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर वहां के कुछ शहरों में आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है। इनमें हांगझाऊ, ताइझू और निम्बो शामिल है। वुहान शहर में पहले ही लोगों का आवाजाही प्रतिबंधित है। हांगझाऊ, ताइझू और निम्बो शहर के कुछ इलाकों में हर घर से केवल एक ही व्यक्ति दो दिन में एक बार जरूरी समान खरीदने के लिए घर से बाहर जा सकता है। इन शहरों में 95 ट्रेन सेवाएं निलंबित कर दी गई है।

☆ **भारत सरकार द्वारा कोरोना वायरस से निपटने के लिए किये जा रहे प्रयास :-** भारत सरकार का स्वास्थ्य मंत्रालय इस मामले में पूरी तरह सचेत है। सबसे अहम बात है कि देश के 20 बड़े हवाईअड्डों पर करोना से संदिग्ध मरीजों की पहचान के लिए थर्मल सेंसर मशीन की

व्यवस्था कर दी गई है। इसके लिए सौ नये थर्मल स्कैनर खरीदे गये हैं। पहले महज 28 थर्मल स्कैनर थे, अब इसकी संख्या बढ़कर 128 हो गई है। इस मशीन से बहुत ही सहज तरीके से मरीज को चिन्हित किया जा सकता है। अभी तक चीन से 656 भारतीय नागरिकों को एयर इंडिया ने दो बार में भारत लाया है। इसमें ज्यादातर चीन के हुवेई प्रांत की राजधानी वुहान में पढ़ रहे युवा हैं। विमान में क्रू मेम्बरों और छः सदस्यीय डॉक्टरों की मेडिकल टीम के अलावा सुरक्षा टीम भी तैयार कर ली गई थी, जिससे की भारतीयों को सकुशल भारत लाया जा सके। आईटीबीपी ने वापस आये भारतीयों को चौबिस दिनों तक रखने के लिए सभी तरह की मेडिकल सुविधाओं से सुसज्जित दो शानदार कैम्प बनाये हैं, जिनकी क्षमता 900 वेडों की है। एक हरियाणा के मानेसर में और दूसरा दक्षिणी-पश्चिमी दिल्ली में आईटीबीपी के छावला कैम्प में। छावला कैम्प दिल्ली कैम्प स्थित अस्पताल में बनाया गया है। देश के सभी राज्यों के कम से कम एक सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में कोरोना वायरस से संक्रमित संदिग्धों को रखने तथा इलाज की विशेष व्यवस्था की गई है।

भारत सरकार ने पत्र लिखकर सभी एयरलायंस से कहा है कि वे चीन से चीनी तथा विदेशी नागरिकों को भारत के किसी भी स्थान के लिए न बिठाएं, भले ही यात्रियों के पास वैध वीजा क्यों न हो। पत्र में कहा गया है कि ये आदेश तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक लागू रहेगा। चीन स्थित भारतीय दूतावास ने अभी तक जारी सभी नियमित तथा ई-वीजा को रद्द कर दिया है। अगले आदेश तक नये ई-वीजा देने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। लोगों को नये सिरे से नियमित वीजा के लिए आवेदन करना होगा। भारत ने चीन से कागज के आयात पर रोक लगा दिया है। कोरोना वायरस को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय नजदिकी से नजर बनाये हुए है।

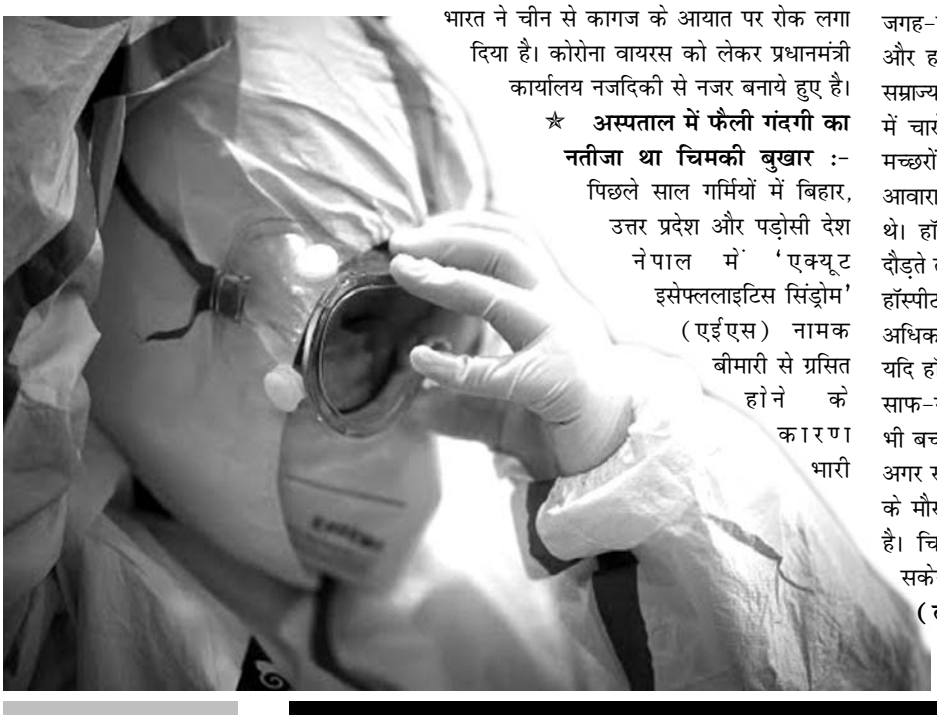

★ **अस्पताल में फैली गंदगी का नतीजा था चिमकी बुखार :-** पिछले साल गर्मियों में बिहार, उत्तर प्रदेश और पड़ोसी देश नेपाल में 'एक्यूट इसेफ्लेलाइटिस सिंड्रोम' (एईएस) नामक बीमारी से ग्रसित होने के कारण भारी संख्या में बच्चों की मौत हो गई थी। इस बीमारी का स्थानीय लोगों ने चिमकी बुखार की संज्ञा दी थी। इस बीमारी का मुख्य कारण 'स्क्रब टाइफस' नामक वैक्टेरिया से होने वाला संक्रमण है, जो घरों में चूहा तथा अन्य छोटे जानवरों से फैलता है। यह तथ्य इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंटेपरेरी पीर्डियाटिक्स में प्रकाशित रिपोर्ट से सामने आया है। ऐसा इंडियन मेडिकल काउंसिल रिसर्च (आईसीएमआर) के प्रोजेक्ट के तहत पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल के डॉक्टरों की एक टीम ने 500 मरीजों पर किये गये रिसर्च में पाया है। इस तथ्य से यह प्रमाणित हो जाता है कि लिची खाने से उपयुक्त बीमारी का कुछ लेना-देना नहीं था। इस बीमारी का लेना-देना हॉस्पीटल की गंदगी से था, मुजफ्फरपुर स्थित डॉ. श्रीकृष्ण सिंह मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल के परिसर में चारों तरफ फैली गंदगी से था, जगह-जगह गंदा पानी जमने से था। हॉस्पीटल और हॉस्पीटल परिसर में जगह-जगह गंदगी का सम्राज्य था, जिसके चलते हॉस्पीटल के पूरे परिसर में चारो ओर मक्खियां भिन-भिना रही थी तथा मच्छरों का कोहराम मचा था। पूरे परिसर में आवारा कुत्ते और बिल्ली इधर-उधर घूमते रहते थे। हॉस्पीटल के अंदर चूहे अक्सर इधर-उधर दौड़ते तथा कुछ खाते दिख जाते थे। कुल मिलाकर हॉस्पीटल बहुत गंदा था, जबकि हॉस्पीटल बहुत अधिक साफ और स्वच्छ रहना चाहिए। इसलिए यदि हॉस्पीटल और उसके परिसर को अच्छी तरह साफ-सुथरा रखा जाये तो आगामी गर्मी में एक भी बच्चा चिमकी बुखार से ग्रसित नहीं होगा और अगर साफ-सुथरा नहीं रखा गया तो आगामी गर्मी के मौसम में चिमकी बुखार का पुनः लौटना तय है। चिमकी बुखार के कहर से नहीं बचा जा सकेगा। ●

(लेखक फायर एण्ड सेफ्टी विशेषज्ञ हैं।)
मो०:- 9334107607
वेबसाईट :www.psfsm.in

☆ दण्ड प्रक्रिया संहिता के कुछ महत्वपूर्ण प्रबन्धों के बारे में जानकारी देने की कृपा करें।

व्यक्तियों की गिरफ्तारी (Arrest of Persons) :-

☞ धारा 44 के अनतर्गत मजिस्ट्रेट द्वारा गिरफ्तारी के सम्बन्ध में उपबन्ध किया गया है।

☞ धारा 45 के अन्तर्गत सशस्त्र बलों के सदस्यों को गिरफ्तारी से संरक्षण प्राप्त है। उन्हें केन्द्रीय सरकार की अनुमति से ही गिरफ्तार किया जा सकता है।

☞ गिरफ्तारी करने में अपराधी की मृत्यु कारित की जा सकती है। जब गिरफ्तार किये जाने वाले व्यक्ति पर उस अपराध को करने का आरोप है, जिसे मृत्यु या आजीवन कारावास का दण्ड दिया जा सकता है। (धारा 46 (3))

☞ असाधारण परिस्थितियों के सिवाय कोई स्त्री सूर्यास्त के पश्चात और सूर्योदय से पहले गिरफ्तार नहीं की जायेगी और जहाँ ऐसी असाधारण परिस्थितियाँ विद्यमान है, वहाँ स्त्री पुलिस अधिकारी, लिखित में रिपोर्ट करके, ऐसे प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट की पूर्व अनुज्ञा अभिप्राप्त करेगी, जिसकी स्थानीय अधिकारिता के भीतर अपराध किया गया है।

☞ धारा 57 के अन्तर्गत गिरफ्तार किये गये व्यक्ति की 24 घण्टे से अधिक विरूद्ध न किये जाने के सम्बन्ध में प्रावधान है।

☞ धारा 53 में पुलिस अधिकारी की प्रार्थना पर चिकित्सा व्यवसायी द्वारा अभियुक्त की परीक्षा के सम्बन्ध में प्रावधान है।

☞ धारा 53 (क) के अनुसार जब किसी व्यक्ति को बलात्संग या बलात्संग का प्रयत्न करने के अपराध के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है और यह विश्वास करने के उचित आधार हैं कि इस व्यक्ति की परीक्षा या ऐसा अपराध करने के बारे में साक्ष्य प्राप्त होगा तो ऐसे गिरफ्तार व्यक्ति की परीक्षा करायेगा और उस प्रयोजन के लिए युक्तियुक्त बल का प्रयोग किया जा सकता है।

☞ धारा 54 गिरफ्तार व्यक्ति की प्रार्थना पर गिरफ्तार व्यक्ति की चिकित्सा व्यवसायी द्वारा परीक्षा का प्रावधान करती है।

हाजिर होने के लिए विवश करने के लिए आदेशिकाएँ (Process of Compel Appearance)

☞ समन एक ऐसी आदेशिका होती है, जिसके माध्यम से अभियुक्त को इस बात के लिए निर्देशित किया जाता है कि वह निर्धारित स्थान, तिथि तथा समय पर न्यायालय में उपस्थित हो।

☞ समन की तामील व्यक्तिगत रूप से की जाती है, यदि समन किये गये व्यक्ति न मिल सके तो वहाँ समन की तामील दो प्रतियों में से एक को उसके कुटुम्ब के उसके साथ रहने वाले किसी व्यस्क पुरूष सदस्य के पास छोड़कर की जा सकती है और यदि तामील करने वाले अधिकारी द्वारा अपेक्षा की जाती है तो, जिस व्यक्ति के पास समन ऐसे छोड़ा जाता है वह दूसरी प्रति के पृष्ठ भाग पर उसके लिए रसीद हस्ताक्षरित करेगा। (धारा 64)

☞ समन की आवश्यक अपेक्षाएँ निम्न है-

(1) समन लिखित होना चाहिए।

(2) समन दो प्रतियों में होना चाहिए।

(3) समन न्यायाधीश द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए एवं न्यायालय की मुद्रा लगी होनी चाहिए।

☞ समन को लेने से इन्कार करना दण्डनीय अपराध नहीं है।

☞ समन की तामील समन किये गये व्यक्ति के नौकर से नहीं की जा सकती है।

गिरफ्तारी (Warrant of Arrest)

कानूनी सलाह
शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

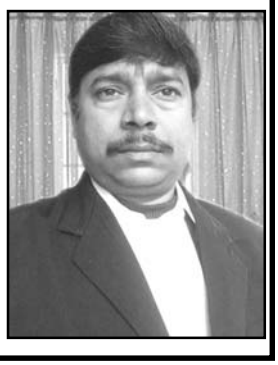

☞ धारा 70 में गिरफ्तारी के वारण्ट का प्रारूप तथा उसकी अवधि के बारे में उपबन्ध है।

☞ धारा 70 की उपधारणा के अनुसार किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए जारी किया गया प्रत्येक वारण्ट लिखित रूप में होगा साथ ही उस न्यायालय के पीठासीन अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित एवं मुद्रांकित होगा।

☞ धारा 70 की उपधारा (2) में वारण्ट की अवधि के बारे में उल्लेख है। इसके अनुसार प्रत्येक वारण्ट तब तक प्रवर्तन में रहेगा जब तक कि उसे जारी करने वाले न्यायालय द्वारा रद्द नहीं कर दिया जाता है या जब तक उसे निष्पादित नहीं करा दिया जाता है।

उद्घोषणा और कुर्की (Proclamation and attachment)

☞ फरार व्यक्ति के लिए उद्घोषणा (Proclamation) का प्रावधान धारा 82 में है।

☞ उद्घोषणा अवैध होने पर कुर्की भी अवैध हो जाती है।

☞ उद्घोषणा में 30 दिन के पश्चात् हाजिर होने का निर्देश होता है।

☞ निर्धारित अवधि 30 दिन से कम हो तो पश्चात्वर्ती समस्त कार्यवाहियाँ अवैधानिक होगी।

☞ धारा 83 में फरार व्यक्ति की सम्पति की कुर्की के सम्बन्ध में प्रावधान है।

☞ उद्घोषणा जारी होने के पश्चात् जंगम या स्थावर सम्पत्ति की कुर्की का आदेश दिया जा सकता है।

☞ वह व्यक्ति जिसके सम्बन्ध में उद्घोषणा निकाली जानी है, अपनी समस्त सम्पति या उसके किसी भाग का व्ययन करने वाला है अथवा अपनी समस्त सम्पत्ति या उसके किसी भाग को उस न्यायालय की स्थानीय अधिकारिता से हटाने वाला है तो वह उद्घोषणा जारी करने के साथ ही साथ कुर्की का आदेश दे सकता है।

☞ धारा 84 के अन्तर्गत कुर्की के बारे में दावे एवं आपत्तियों से सम्बन्धित प्रावधान है।

☞ कुर्क सम्पत्ति में हित रखने वाला व्यक्ति कुर्क किये जाने की तिथि से 6 माह के भीतर दावा एवं आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

☞ कुर्की के बारे में आपत्ति धारा 84 के अन्तर्गत उस दिन से 6 माह के भीतर जिस दिन सम्पत्ति कुर्क की गयी थी, की जा सकती है।

☞ कुर्की की हुई सम्पत्ति की नियुक्ति तभी होती है जब उद्घोषित व्यक्ति उद्घोषणा में विनिर्दिष्ट समय के अन्दर हाजिर हो जाये।

☞ यदि उद्घोषित व्यक्ति विनिर्दिष्ट समय के भीतर हाजिर नहीं होता है तो कुर्क सम्पत्ति राज्य सरकार में व्ययनाधीन हो जाती है और राज्य सरकार ऐसी सम्पत्ति का विक्रय (1) कुर्की की तारीख से 6 माह का अवसान हो जाने पर (2) धारा 84 के अधीन किये गये दावे या आपत्ति का निपटारा हो जाने पर कर सकती है।

तानाशाह प्राचार्य

● बिन्ध्याचल सिंह

'के कर केर धरी नाम कमरी ओढ़े सउसे गाँव'' उपर्युक्त भोजपुरी कहावत को चरितार्थ करते हुये जिले में कुछेक महाविद्यालय में सेवा दे रहे प्राचार्य के रूप में अपनी ऊँची पहुँच के कारण महाविद्यालय के राशि की व्यक्तिगत आवश्यकता के लिये खर्च कर रहे हैं। उपर्युक्त बात की जानकारी अपनी हक और हक्कीत की लड़ाई लड़ रहे पी.सी. कॉलेज के भौतिकी विभागाध्यक्ष श्री महेश दत्त सिंह और एल.बी.टी. के पूर्व प्राचार्य श्री रास बिहारी राय ने दी। जहाँ पी.सी. कॉलेज के भौतिकी विभागाध्यक्ष ने अपने आवास पर लगभग 20-25 प्रमाण पत्रों के साथ केवल सच प्रतिनिधि को जानकारी उपलब्ध कराई वहीं एल.बी.टी. के पूर्व प्राचार्य श्री राय ने माननीय न्यायालय की एक प्रतिलिपि के साथ जानकारी उपलब्ध कराई। प्रतिलिपि में 15.09.2018 दिनांक लिखा था, जो वित्तीय अनियमितता की जाँच से सम्बन्धित है। आपको बताते चले कि श्री रास बिहारी राय कॉलेज में 1983 से सेवा दे रहे हैं, जबकि प्राचार्य के रूप में 09.07.2015 से 09.07.2017 तक सेवा दे चुके हैं। जानकारों के अनुसार जब प्राचार्य के रूप में श्री राय सेवा दे रहे थे तब तक महाविद्यालय में पारदर्शिता थी परन्तु आज...। प्रिय पाठकगण आपलोगों को जान कर आश्चर्य होगा कि वर्तमान प्राचार्य के लापरवाही के कारण महाविद्यालय में अनुदान की राशि 2011 से महाविद्यालय को उपलब्ध नहीं हो रही है। क्योंकि 2010 की राशि ही अभी कॉलेज कोष में पड़ा है जो जाँच का विषय है। साथ ही विश्वविद्यालय को उपयोगिता प्रमाण-पत्र उपलब्ध न होना भी शामिल हे। नाम नहीं छापने की शर्त पर एक प्रोफेसर ने जानकारी दी कि वर्तमान प्राचार्य श्री नार्देश्वर राय लम्बी पहुँच और पैसे के बल पर अनियमितता करते आ रहे हैं, जिसका प्रमाण उनकी व्यक्तिगत चल और अचल सम्पत्ति से ली जा सकती है। जबकि पी.सी. कॉलेज के प्राचार्य श्री कृष्ण मुरारी महाविद्यालय के राशि तो गबन करते ही है। साथ ही राजस्व विभाग को चुना लगाते आ रहे हैं। जिसका प्रमाण उनके द्वारा ली गई लीज की जमीन से प्राप्त कर सकते हैं। महेश दत्त सिंह के अनुसार किसी भी अन्य राज्य के लोगों को बिहार में लीज पर जमीन नहीं मिल सकता है, परन्तु यक्ष प्रश्न है कि उत्तर प्रदेश निवास कृष्णा को बिहार के बक्सर जिला में कैसे लीज पर उपलब्ध हुई, जो जाँच का विषय है। पी.सी. कॉलेज के वर्तमान प्राचार्य श्री कृष्ण मुरारी सिंह का नाम युपी में कृष्ण और बक्सर में मुरारी के नाम से लोग जानते हैं, जबकि बिहार सरकार शिक्षा विभाग इनको कृष्ण मुरारी से जानती है, जिनकी शैक्षणिक योग्यता मैट्रिक तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण है। जबकि स्नातक कपार्टमेंटल से पास के साथ एम.ए. है। परन्तु पी.एच.डी. नहीं है। इस बात की जानकारी श्री सिंह को सूचना अधिकार के तहत हुई। श्री महेश दत्त सिंह के बातों पर विश्वास किया जाय तो पी.सी. कॉलेज के प्राचार्य के पास नगद 10 करोड़ से उपर की नगद राशि है, जो जाँच का विषय है। प्राचार्य के लिये शैक्षणिक योग्यता नहीं रखने के बावजूद भी प्राचार्य पद पर रहना, शिक्षा विभाग की हकीकत व राजनेताओं से अच्छी सांठ-गाँठ, रूपये-पैसे की हुक्कुमत को दर्शाता है। पी.सी. कॉलेज की विशेष जानकारी सेवानिवृत श्री नन्दलाल कुशवाहा से प्राप्त कर सकते है। पी.सी. कालेज का पूरा नाम-प्रणव चटर्जी महाविद्यालय, इटाढ़ी रोड बक्सर की स्थापना 15.10.1979 में हुई थी, जिसका क्षेत्रफल ढाई एकड़ है। जिसमें एक स्वीपर, दो रात्रि प्रहरी, पाँच आदेशपाल, तेरह गैर शैक्षणिक कर्मचारी, चौबीस प्रोफेसर, लगभग-6500 छात्र-छात्राएँ हैं। बक्सर जिला अन्तर्गत महाविद्यालयों की धरातल की बात की जाय तो ऐसा नहीं कि केवल एल.बी.टी. और पी.सी. कॉलेज है, बल्कि तमाम महाविद्यालय है जो अनियमितता में संचालित हो रहे हैं। ●

महेश दत्त

लापरवाह उप विकास आयुक्त

● बिन्ध्याचल सिंह

'दु क्की खात जान जा सोजहग ले ल बबुआ'' उपयुक्त भोजपुरी कहावत को चरितार्थ करते हुये बिहार सरकार बक्सर जिला के विकास के लिये दिन-रात एक कर रही है, परन्तु बिहार सरकार के रूप में सेवा दे रहे बक्सर जिला के उप विकास आयुक्त श्री अरविन्द कुमार अपनी सरकार के सरकार हैं, जिनके इशारे पर बक्सर की विकास रूपी गाड़ी चलती आ रही हे। आपको बताते चले कि 29 जनवरी को केवल सच प्रतिनिधि जिला परिषद् डाक बंगला पर दस्तक दिये जहाँ जिला परिषद् सदस्य अपनी वार्तालाप कर रहे थे। वार्तालाप विकास के सम्बन्धित हो रही थी, तबतक एक सदस्य ने बोले -पत्रकार साहब पंचम राज्य वित्त आयोग के प्रतिनिधियान मद की एक खबर प्रकाशित कीजिये! अभी बोल ही रहे थे कि एक प्रतिनिधि एक प्रमाण की कॉपी दे दिये, जिसमें पंचम राज्य वित्त आयोग के प्रतिनिधियान मद में जिला बक्सर को 145612844 रूपया लिखा है। जिला परिषद् सदस्यों के कथनानुसार - वित्तीय वर्ष-2019-2020 में 10 करोड़ रूपया खर्च किया गया है और 04 करोड़ 50 लाख रूपये का योजना ही नहीं खोला गया है। जबकि वित्तीय वर्ष-2019-2020 समाप्त होने के कगार पर है और अगले वित्तीय वर्ष 2020-2021 की 02 करोड़ 50 लाख की राशि जिला को प्राप्त हो चुका है। जरा सोचिये-बक्सर जिला में सेवा दे रहे उप विकास आयुक्त की कर्तव्यनिष्ठता। वही दियारांचल के एक सदस्य ने जोर देकर कहा कि लापरवाह उप विकास आयुक्त के कारण जिला परिषद् के निर्वाचन क्षेत्र में विकास नहीं हो रहा है। पंचम राज्य वित्त आयोग के प्रतिनिधियान मद की जानकारी के लिये जब प्रतिनिधि उप विकास आयुक्त से मिलने तीन बार उनके कार्यालय पर दस्तक दिये, लेकिन अफसोस पदाधिकारी महोदय की दो बार उपस्थिति नहीं थी। लेकिन तीसरी बार पदाधिकारी महोदय के पास समय नहीं था, जसके कारण केवल सच प्रतिनिधि 35-40 मिनट इंतजार करके बिना पदाधिकारी से मिले वापस चल दिये। विशेष पदाधिकारी महोदय से मुलाकात होने के बाद। ●

विरासत का जिम्मेवार कौन?

● बिन्ध्याचल सिंह

अपनी परमार्थी सोच व आम जनता की सहयोग के साथ शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जनप्रतिनिधि के रूप में अपनी जिंदगी व्यतीत कर चुके स्वर्गीय धर्मपाल सिंह उर्फ नेता जी के नाम से चर्चित गरीब, असहायो के जुबान पर आज भी रहने वाले इंसान की विरासत को कौन व्यक्ति नहीं जानता है जो स्वर्गीय नेताजी की विरासत को बचा सके। वह कौन है, जो मेरे विपति काल में सहयोग कर सके? हम गरीब परिवार के लड़कियों की शादी के समय आवश्यकतानुसार सहयोग देने वाले नेता जी के कर्तव्यों को कौन निर्वाह कर सकता है। गरीब परिवार के लड़के लड़कियों की स्वास्थ्य व शिक्षा की व्यवस्था कौन करेगा? तमाम ऐसे सवाल के घेरे में शाहपुर विधान सभा की आम जनता सोच में है। क्योंकि कुछ माह बाद विधान सभा का चुनाव है। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता सोच रही है कि अगर स्वर्गीय धर्मपाल सिंह की परिवार से कोई विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी हो तो शायद हम गरीबों की चिन्ताएँ दूर हो जायेगी। क्योंकि भोजपुरी कहावत-बास के जरी बासे होई रेण ना? अर्थात् दूसरे शब्द में- हम गरीबों की सहायता कोई नेताजी के परिवार ही कर सकता है। ऐसा हमलोगों का विश्वास है। उपरोक्त बात की जानकारी के लिये केवल सच प्रतिनिधि ने जब शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के आम जनता से जानकारी ली तो बरूना निवासी श्री जितेन्द्र कुमार सिंह 'परमार' ने कहा कि नेता जी के परिवार के श्री विवेक कुमार 'बब्लु' की कर्तव्यनिष्ठता पर गहन से विचार किया जाय। अर्थात् दूसरे शब्द में-श्री बब्लु की कर्तव्यनिष्ठता, असहयो की सहायता गरीबों की बात पर विश्वास किया जाय तो शाहपुर विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेवारी को बखुबी से निर्वाह कर सकते हैं। श्री परमार ने आगे जानकारी दी कि विगत पाँच वर्षों से स्वर्गीय धर्मपाल सिंह की पुण्यतिथि पर खेल का आयोजन कर गरीब परिवारों को सैंकड़ों कम्बल वितरित करते आ रहे हैं। वही बिहिया प्रखण्ड में आने वाले प्राकृतिक बाढ़ के समय बाढ़ पीड़ितों को जरूरत के सामान अपने सुविधा अनुसार पहुँचाते आ रहे हैं। प्रत्येक वर्ष शादी-विवाह के शुभ अवसर पर गरीब परिवार के लड़कियों के शादी में सहयोग करते हैं। आपको बताते चले कि विवेक कुमार 'बब्लू' समाजसेवी के साथ एक गैस एजेंसी के मालिक है। जो गैस एजेंसी टावर रोड बिहिया में स्थित है, जिसको प्रखण्डवासी ''अमराई इण्डेन गैस एजेंसी'' के नाम से जानते हैं। ●

लूट की दुनियां में गैर-सरकारी संगठन

● बिन्ध्याचल सिंह

प्रिय पाठकगण दिसम्बर, 2019 के अंक में आपलोगों को जानकारी दी जा चुकी है कि डी.आर.डी.ए. में सेवा दे रहे वरीय लेखा पदाधिकारी के कार्यकाल यानि 2013 से अबतक अनियमितता का मुख्य कारण है। उपरोक्त बात की जानकारी समाजसेवी डॉक्टर गोपाल जी केवल सच प्रतिनिधि को उपलब्ध करा चुके है। इस अंक में जानें:- नगर परिषद् डुमराँव और बक्सर के सफाई की कार्य की जानकारी जो नवम्बर, 2019 से नगर की सफाई किसी गैर सरकारी संगठन को दी गयी है। आपको बताते चलें कि नगर परिषद् डुमराँव की सफाई के लिये शिवम् जॉन स्वास्थ्य एवं सर्वांगिण केन्द्र है, जिसके सुप्रीमो श्री विजय पाण्डेय है। जिनको प्रतिमाह नगर की सफाई के लिये 19,42,000/- रूपये दी जा रही है, परन्तु नगर की सफाई के नाम पर केवल खानापूर्ति है। जिसका प्रमाण नगर के वार्ड संख्या-02 जिसमें चर्म रोग विशेषज्ञ श्री एम.के. सैनी का निवास स्थान है। स्टेशन से उनके आवास पर जाने में आपको नाली के गंदगीयुक्त पानी आपकी पैर को जरूर छुयेगी। 12.02.2020 को सैनी पथ पर डॉक्टर सैनी से प्रतिनिधि से मुलाकात हुई तो वार्ड-02 की साफ-सफाई के बारे में जानकारी ली तो डॉक्टर सैनी ने दो टुक शब्दों में कहा कि आप तो सालो भर नगर में दस्तक देते रहते है, आपसे बेहतर कौन जानकारी रख सकता है। नाली की पानी को दिखाते हुये बोले की यही हमारे वार्ड की सफाई की हक्कीकत है। जो नाली की पानी पी.सी.सी. पर बह रही थी। वही स्मृति द्वार से पूरब अकालुपुर जाने में गंदगी की बू आपके नाक तक जरूर आयेगी। वही सफाखाना रोड में गंदगी अपनी खानाबदोश की जिंदगी व्यतीत करती हुई नजर आयेगी। सफाखाना रोड में अधिकतर शैक्षणिक संस्थान होने के कारण होनहार छात्र-छात्राओं का आना-जाना विशेष रहता है। सफाखाना रोड में चौक से आगे पश्चिम एक नाला में गंदगी का पानी बहता है। ठीक उस के बगल में डुमराँव के सभी गंदगी अपनी चौपाल लगाते हैं। जिसको आप अपनी नंगी आँखों से देख सकते हैं। अगर आप नया थाना डुमराँव से भरत मिश्रा के आवास, शहीद पार्क, सब्जी मण्डी से मेन रोड, और मेन रोड से आगे जहाँ भगवान के दूसरा रूप यानि चिकित्सकों का क्लिनिक होते हुये माँ विन्ध्यावासिनी गैस एजेंसी के उत्तर और पश्चिम नजर दौड़ायेगे तो आपको नगर की सफाई का हकीकत पता चल जायेगी। आपको बताते चलें कि नगर परिषद् डुमराँव में कुल-26 वार्ड है। डुमराँव नगर की एक-एक योजनाओं की समीक्षा की जाय तो सफाई कार्य, सात निश्चय योजना अन्तर्गत पी.सी.सी., नाली-गली निर्माण कार्य, जन वितरण प्रणाली की दुकान, दाखिल खारिज/भूमि सुधार सम्बन्धित / में अनियमितता ही अनियमितता है, जो जाँच का विषय है।●

Affiliation No.-330785 Affiliated to C.B.S.E New Delhi

R.K.P VIDYALAYA

Babhna, Kataiya, Jehanabad

Website :- rkpvjehanabad.in, E-mail :- rkpvjeh2@gmail.com

School Features :-

- Qualified Well Trained and Caring Teachers
- Well Equipped Laboratories, Computer Room
- Technology Enabled Classroom With Smart Class
- Bus Facility with Affordable Fees

ADMISSIONS OPEN

PRE-NURSERY TO IX

2020-21

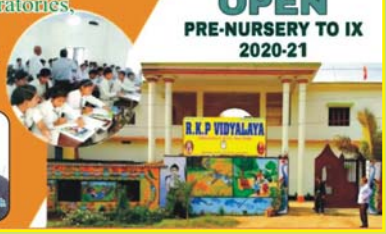

रंगों का त्योहार पावन पर्व होली के शुभ अवसर पर
मखदुमपुर की समस्त जनता को
हार्दिक शुभकामनाएँ।

-: निवेदक :-

अनिल मिस्त्री

प्रखण्ड विकास पदाधिकारी
मखदुमपुर, जहानाबाद

रंगों का त्योहार पावन पर्व होली के शुभ अवसर पर
मखदुमपुर की समस्त जनता को हार्दिक शुभकामनाएँ।

-: निवेदक :-

संजय कुमार

प्रोग्राम पदाधिकारी (मनरेगा)
मखदुमपुर, जहानाबाद

रंगों का त्योहार पावन पर्व होली के शुभ अवसर पर
मखदुमपुर की समस्त जनता को हार्दिक शुभकामनाएँ।

-: निवेदक :-

डॉ. हेमंत कुमार
देश दीपक

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी,
रेफरल अस्पताल,
मखदुमपुर, जहानाबाद

Hotel Maurya Patna

Hotel Maurya – Patna is a pioneer project of **Bihar Hotels Limited (BHL).** It is the only **Five Star** category hotel in the State of Bihar with friendly face of affordable luxury. BHL has been successfully operating its Five Star Hotel in Patna since **1978.** Situated in the heart of the city, Patna, the hotel reflects the **historic grandeur** of this city.

Corporate Facilities & Services: Centrally located in the Commercial heart of Patna the Hotel provides Intricately & elegantly designed rooms, Central Air- Conditioning, Direct dialing from rooms with call detail print-out facility, Satellite LED television, Choice of **Seven Convention Halls** of varied capacities, **Heritage rooms** for private dining , **Business Centre, Shopping Arcade, Bank facility, Travel counter, Swimming pool, Safe deposit lockers, Fitness centre & Wi-fi,** all within the hotel premises.

Dining:

- *Vaishali Café* - Walk-in for Breakfast and Business Buffet Lunches. The a-la-carte table offers a multi cuisine and buffet spreads to tinkle those taste buds.
- *Spice Court* – Restaurant serving Indian, Continental, Thai & Chinese cuisine.
- *The Pastry Shop* – Provides all kinds of Baker's confectionery viz; Mouthwatering cakes, Crossiants, Breads, Muffins etc. It also provides free home delivery of cakes of 6 pound onwards.
- *Bollywood Treats*- A matchless meeting point for Munchies, Music, TV shows, Pool Table, Games for kids. Thus, providing Masti not only for adults but also for kids.

Rooms:

- Step into an universe of old world nobility & colonial charm at the spacious VVIP suite of rooms, where your every demand for luxury is met in a manner that's perfected to please. What's more, it's accommodating enough to entertain an entourage of guests. Elegantly designed premium rooms with beautiful interiors and excellent facilities

Total Rooms: 77 – Double: 73, Suites: 04
Credit Cards: Visa, Master, Amex, Bob Cards
Access (in kms): Apt: (07), Rly. Stn.:(01)

नगर पंचायत मखदुमपुर

नगर पंचायत मखदुमपुर की ओर से नगरवासियों को होली पर्व 2020 की हार्दिक शुभकामनाएँ।

–: अपील :–

- वर्तमान वर्ष 2019-20 एवं बकाया होल्डिंग टैक्स (संपत्ति कर) का भुगतान 31 मार्च 2020 के पूर्व निश्चित रूप से करें।
- नगर पंचायत मखदुमपुर द्वारा नक्शा पास होने के बाद ही मकान का निर्माण करें।
- सड़क के किनारे सार्वजनिक स्थल पर बालू, मिट्टी जमा नहीं करें।
- घर का कूड़ा-कचड़ा निर्धारित स्थल पर ही डालें।
- प्लास्टिक बैग, पॉलीथिन का उपयोग न करें।
- मखदुमपुर नगर पंचायत को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बनाने में सहयोग करें।

श्रीमती मीना देवी
मुख्य पार्षद
नगर पंचायत, मखदुमपुर

रीतेश कुमार उर्फ चुन्नु शर्मा
उपमुख्य पार्षद
नगर पंचायत, मखदुमपुर

दिनेश पुरी
कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत, मखदुमपुर